रांची, बुधवार | 06 अगस्त 2025 | वर्ष-26, अंक-185, पृष्ठ-12 | श्रावण शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

अलविदा गुरुजी...

'अंतिम जोहार' के लिए उमड़ा जन सैलाब : क्या आम और क्या खास, दिवंगत शिबू सोरेन के 'अंतिम जोहार' के लिए नेमरा गांव में जन सैलाब उमड़ पड़ा था। उनके अंतिम दर्शन के लिए राज्य के अलग-अलग कोनों से लोग पधारे थे। इनमें अति विशिष्ट व्यक्ति से लेकर आम जन तक, हर कोई शामिल था। हर किसी ने झारखंड राज्य के प्रणेता, पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक दिशोम गुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान हर किसी का दिल उदास, व्यथित और आंखें नम थी।

पैतृक गांव नेमरा में हुई झारखंड आंदोलन के पुरोधा शिबू सोरेन की अंत्येष्टि, उमड़ा जनसमुद्र

दिशोम गुरु पंचतत्व में विलीन

सीएम हेमंत सोरेन ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ दी मुखाग्नि

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। झारखंड आंदोलन के पुरोधा, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। दिशोम गुरु का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन होने के साथ झारखंड में एक युग का अवसान हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के पैतृक गांव नेमरा में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। गुरुजी के मंझले बेटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पारंपरिक रीति-रिवाज एवं रस्म के साथ उन्हें मुखाग्नि दी।

चिता में अग्नि प्रज्वलित होते ही हेमंत सोरेन और उनके छोटे भाई बसंत सोरेन की आंखें छलक उठीं। वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें भी नम हो गईं। ज्ञात हो कि 81 वर्षीय शिबू सोरेन का निधन सोमवार की सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में हुआ था। उनके निधन पर राज्य सरकार ने तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। गुरुजी की अंतिम यात्रा नगाड़ों की गूंज और 'वीर शिबू सोरेन अमर रहें' के उद्घोष के बीच निकाली गई। नेमरा में रास्तों और घाट पर इतनी भीड़ थी कि पांव रखने की भी जगह नहीं थी। परिवार के सदस्य, झारखंड के कई बड़े नेता और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। 'दिशोम गुरु' की अंतिम विदाई में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष शेष पेज 11 पर

फफक कर रोने लगीं रूपी सोरेन

नेमरा में जिस समय गुरुजी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था, उस समय उनकी पत्नी रूपी सोरेन फफक कर रोने लगीं। तब उनकी बहू मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी और विधायक कल्पना सोरेन उन्हें संभालती रहीं।

प्रकृति की आंखें भी छलक उठीं

'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा नेमरा में जैसे ही श्मशान पहुंची, प्रकृति की आंखें भी छलक उठीं। मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। लेकिन, इसके बावजूद जनसैलाब पीछे नहीं हटा। लोगों ने बारिश में भीगते हुए अपने नेता को अंतिम विदाई दी।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ में थे शिबू सोरेन के पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सांसद पप्पू यादव एवं अन्य लोग।

रो पड़ा पूरा नेमरा

दिशोम गुरु के निधन की जानकारी मिलने के बाद से ही उनके पैतृक गांव नेमरा में उदासी और सन्नाटा पसरा था। हर कोई गमगीन था। घरों में चूल्हे तक नहीं जले थे। वहीं, मंगलवार को जैसे ही शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर पैतृक आवास पहुंचा, पूरा नेमरा रो उठा। परिजन एवं सगे-संबंधी समेत राज्य के दूर-दराज से आए लोगों की आंखों से आंसू छलक रहे थे। सभी ने दिशोम गुरु को नमन कर अंतिम विदाई दी। दिवंगत शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर उनके नेमरा स्थित पैतृक आवास में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया था। हजारों-हजार की संख्या में लोगों ने गुरुजी को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी।

- **गुरुजी को राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई**
- **देश और झारखंड के कई दिग्गज नेता हुए शामिल**

जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं : हेमंत सोरेन

मार्मिक पोस्ट

- मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया, झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया
- मुख्यमंत्री सोरेन ने सोशल मीडिया पर साझा किए अपने पिता से जुड़ी भावनाएं

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को अपने दिवंगत पिता राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन से जुड़ी भावनाओं को सोशल मीडिया पर साझा किया। मंगलवार की सुबह उन्होंने 'एक्स' हैंडल और फेसबुक पर मार्मिक पोस्ट में लिखा, मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं। मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया, झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया। मैं उन्हें सिर्फ 'बाबा' नहीं कहता था, वे मेरे पथप्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ थे, और उस जंगल जैसी छाया थे, जिसने हजारों-लाखों झारखंडियों को धूप और अन्याय से बचाया। सीएम सोरेन ने लिखा है, गुरुजी सिर्फ उनके 'बाबा' नहीं थे, बल्कि उनके जीवन के सबसे बड़े शिक्षक शेष पेज 11 पर

दिशोम गुरु विशेष पेज : 2 व 3

इंडिया क्या हेमंत पूरा कर पाएंगे गुरुजी के अधूरे सपने ?

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

गुरूजी पंचतत्व में विलीन हो गए हैं पर झारखंड में आज भी उनके समर्थकों और प्रशंसकों के बीच उनकी अमित स्मृतियां अंकित हैं जो शायद कभी न मिट पाएं । भारत में अनेक आदिवासी नेता हुए जिनमें से अब तक लगभग 30 आदिवासी नेता मुख्यमंत्री भी बने पर सर्वाधिक चर्चा दिशोम गुरु शिबू सोरेन की हुई।13 वर्ष की आयु में पिता की हत्या के बाद 9 वीं में पढ़ाई छोड़ दी और निश्चय किया कि वे तत्कालीन सूदखोरों और शोषक प्रवृति के विरुद्ध अपनी लड़ाई आगे बढ़ाएंगे। शुरुआती दिनों में उन्होंने गांव की बरलंगा पंचायत में मुखिया का चुनाव लड़ा था। लेकिन महाजनों के छल-प्रपंच के कारण वे चुनाव हार गये थे। इस हार को चुनौती के रूप में लेकर सांसद, केन्द्रीय मंत्री, विधायक और मुख्यमंत्री तक बने पर कभी किसी जाति,धर्म या समुदाय के प्रति विद्वेष नहीं रखा यही कारण है कि उनके समर्थक बढ़ते गए और उन्होंने आंदोलन की उग्रता के बीच भी आज की तरह जातीय या धार्मिक विद्वेष की राजनीति नहीं की । उनके आंदोलन के बीच प्रचलित था कैसे लेगा झारखंड जवाब था लड़ के लेंगे झारखंड पर उस लड़ाई में भी आंदोलन

था हिंसा नहीं थी । तब के झारखंड बंद के दौरान पूरे दक्षिण बिहार में बंद का असर देखने को मिलता था और सभी राज्यों के ट्रकों ने अपनी गाड़ियों के सामने जय झारखंड लिखवा रखा था जो नेशनल परमिट के तहत पूरे भारत में चलतीं थीं । आज उनकी देश भर में चर्चित झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी सबसे मजबूत स्थिति में है और उनके सुपुत्र हेमंत सोरेन स्पष्ट बहुमत के साथ अपने पिता की विरासत संभाल रहे हैं पर अब उनका उनकी पार्टी का और झारखंड का एक ऐतिहासिक मोड़ आ चुका है जिसमें गुरूजी नहीं हैं। हालांकि उन्होंने पिछले और वर्तमान कार्यकाल में जिस राजनीतिक और प्रशासनिक कौशल का परिचय दिया है वह उनकी पार्टी में उत्साह भरने के लिए काफी है पर चुनौतियां भी कम नहीं हैं जिसके बारे में उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद कहा था कि वे सिर्फ उनकी बाबा नहीं बल्कि उनके पथप्रदर्शक थे और वे अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहे हैं । एक सधे राजनेता की तरह उभरे हेमंत ने केंद्र से टकराव के बजाय जिस दृढ़ता और शालीनता से अपने अधिकारों की मांग रखी और सार्वजनिक जीवन में विनम्रता का परिचय देते हुए मेट्रो ट्रेन को स्वीकृति देने की मांग की और रांची में दशकों से लंबित फ्लाई ओवरों की शुरुआत कराई इससे उनकी इस पारी में विकास की तेज गति की अपेक्षा की जा सकती है जिस समृद्ध झारखंड का सपना गुरूजी ने देखा था ।

तस्वीरों की नजर में गुरुजी शिबू सोरेन की अंतिम विदाई

विस में अंतिम जोहार के बाद अंतिम यात्रा हुई थी शुरू...

मोरहाबादी स्थित आवास में पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिवंगत शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार, लोकसभा सांसद पप्पू यादव, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड चंपाई सोरेन और एवं पूर्व सांसद फुरकान अंसारी।

शिबू सोरेन का जीवन सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

राज्यपाल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन जनजातीय अस्मिता, अधिकार और सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा है। वे जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे। उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की चेतना और सशक्तिकरण को नई दिशा मिली।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड उन्हें सदैव आदर और गर्व के साथ स्मरण करेगा। उनका योगदान राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अविस्मरणीय रहेगा।

युवाओं ने कहा

गुरुजी के अधूरे सपनों को पूरा करेंगे हेमंत

गोला की तीसरी पीढ़ी ने सुनाया गुरुजी के संघर्षों की कहानी

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन पंचतत्व में विलीन हो चुके हैं। सोमवार को शिबू सोरेन के निधन के बाद से ही शोक की लहर चारों ओर है। झारखंड के राजनेता और विधायकों के साथ-साथ शिबू सोरेन के समर्थकों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। मंगलवार को शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार नेमरा गांव में किया गया। इसे लेकर गुरुजी के समर्थकों और युवाओं ने अपनी प्रतिक्रियाएं दीं।

झारखंड के गांधी हैं दिशोम गुरु : अंतु तिर्की

अंतु तिर्की ने कहा कि दिशोम गुरु झारखंड के गांधी है। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासी, दलित और पूरे झारखंड वासियों के लिए बुलंदी से हमेशा आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि गुरुजी की कमी कोई नहीं पूरी कर सकता है। सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश में उन्हें याद किया जाएगा।

गुरुजी का संघर्ष हमारी विरासत हैं : संतोष महतो

संतोष महतो ने कहा गुरुजी ने सिर्फ आदिवासी या दलित समाज के लिए ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड वासियों सहित कुर्मी समाज के लिए भी अपना विशेष योगदान दिया है। उनके संघर्षों के कारण ही आज कुर्मी समाज के लोग आगे बढ़ रहे हैं। झारखंड तो विकास की ओर है ही हम भी उस विकास का हिस्सा बन पा रहे हैं। उनके संघर्ष विरासत हैं।

गुरुजी का जीवन संघर्षों की मिसाल है : शुभम पवार

शुभम पवार ने कहा कि गुरुजी का जीवन संघर्षों की मिसाल है। इतिहास में उन्हें जब भी पढ़ा जाएगा तो झारखंड को पाने में उनका और उनके साथियों के संघर्षों को याद व नमन किया जाएगा। झारखंडी आदिवासियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड वासियों के लिए उन्होंने अपने जीवन को समर्पित किया है।

आपकी विरासत हमेशा अमर रहेगी गुरुजी : अंसुता

गुरुजी के निधन से पूरे आदिवासी समाज के साथ साथ मुझे गहरी क्षति पहुंची है। शिबू सोरेन हमारे झारखंड के गुरुजी थे और हमेशा रहेंगे। उन्होंने कहा कि गुरुजी आपके नेतृत्व में सामाजिक सेवा और समर्पण ने झारखंड के विकास और आदिवासी समुदाय के हित की रक्षा की आपकी विरासत हमेशा अमर रहेगी।

दादा जी सुनाते थे गुरुजी के संघर्षों के किस्से : करण

गोला निवासी करण मेहता ने कहा कि शिबू सोरेन का गांव गोला से कुछ दूरी पर है। हमारे दादाजी अक्सर उनके संघर्ष की कहानियां सुनाया करते थे। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र के साथ-साथ पूरे झारखंड को बनाने और आज इस मुकाम तक लाने में उनका महतवपूर्ण योगदान रहा है। उनके अधूरेपन को दूर उनके पुत्र हेमंत सोरेन करेंगे।

गुरुजी के संघर्षों को हमेशा याद किया जाएगा : बबलू

बबलू महतो ने कहा शिबू सोरेन युवाओं के लिए प्रेरणा है उनके संघर्षों को हमारे पिता दादा सभी लोग याद करते हैं। और उन्हीं के नक्शे कदम पर चने की हिदायत देते हैं आज उनके निधन से हम में जितना शोक है उससे कहीं गुना ज्यादा हमारे पिता और हमारे आदिवासी समाज में अशोक की लहर है।

गुरुजी का संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा : अमर

रांची निवासी अमर ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माता, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर बेहद दुखद है। इस खबर से युवाओं में शोक की लहर है। उनके संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा है। उनका जाना झारखंड, देश और आदिवासी समाज के लिए बेहद दुखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति दे।

गुरुजी के कारण अलग राज्य की मिली पहचान : सुरेंद्र

सुरेंद्र महतो ने कहा कि शिबू सोरेन की कई कहानियां हमने सुनी थी। आज उनके संघर्षों के कारण ही हमें अलग राज्य की पहचान मिली। जैसे वे आदिवासियों और दलित के लिए लड़े शायद ही कोई होगा जो उनके जगह ले पाएगा। दिशोम गुरु हमेशा हमारे बीच व हमारे दिलों में रहेंगे। उनका योगदान और समर्पण हमेशा याद किया जाएगा।

दिशोम गुरु को हमेशा याद किया जाएगा:तरुण नायक

तरुण नायक ने का कहना है आज शिबू सोरेन हमारे बीच नहीं हैं तो लग रहा मानों हमारा कोई सहारा नहीं रहा। उन्होंने आदिवासी समाज के लिए जो लड़ाई लड़ी उसे हमेशा याद किया जाएगा। हमे खुशी है की गुरुजी हमारे गोला से सटे गांव नेमरा से हैं। गोला सहित पूरे झारखंड में उनकी संघर्षों की कुर्बानी याद की जाएगी।

अंगीका समाज ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांची। शिबू सोरेन के निधन से अंगिका समाज मर्माहत है। उन्हें श्रद्धांजलि समर्पित करने के लिए झारखंड प्रदेश अंगिका समाज ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मौके पर डॉ श्रीमोहन सिंह, मोहन रजक, डॉ अनुरंजिता सिंह, भगीरथ तिवारी, लक्ष्मण झा, शम्भू नाथ ठाकुर, राम रंजन कुमार सिंह, संतोष कुमार सिन्हा, डॉ मनोहर कुमार, संजय कुमार शुक्ला, निक्कु सिंह, दिनेश प्रसाद गुप्ता, अनिल कुमार चौधरी, चितरंजन गुप्ता, बच्चन चौधरी आदि उपस्थित थे।

सीयूजे में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

दिशोम गुरु के जाने से एक युग का अवसान हुआ : प्रो. क्षिति भूषण दास

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में झारखंड राज्य स्थापना के प्रणेता दिशोम गुरु माननीय शिबू सोरेनजी के अवसान पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा में माननीय गुरुजी को कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास के नेतृत्व में सभी प्रोफेसर, अधिकारी और कर्मचारीगण ने पुष्पांजलि दी और दो मिनट का मौन रखा। कुलपति, प्रो. क्षिति भूषण दास ने माननीय शिबू सोरेन जी के जीवन, संघर्ष और राज्य के स्थापना में उनके योगदान को सबके सामने रखा। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु के जाने से एक युग का अवसान हुआ है। उन्होंने आदिवासी समाज को जागृत किया और झारखंड राज्य की स्थापना कर राजनैतिक पहचान भी दी। गुरुजी ने आदिवासी समाज में एक सामाजिक - राजनैतिक चेतना जागृत करके उन्हें आज भारत के हर क्षेत्र में अपना योगदान देने के लिए आगे बढ़ाया। प्रो. दास ने आगे कहा कि गुरुजी का सम्मान हर राजनैतिक पार्टी के लोग करते हैं और वे देश के एक बड़े नेता थे। राज्य में उनके योगदान के सम्मान में कुलपति ने घोषणा की कि सीयूजे में हर वर्ष गुरुजी को याद किया जाए और उनकी पुण्यतिथि मनाई जाए। श्रद्धांजलि सभा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, श्री के कोसल राव, नैक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, प्रो. कुंज बिहारी पंडा, डीन - अकादमिक, प्रो. मनोज कुमार, डीन - शोध और विकास, प्रो. ए के पाढ़ी, निदेशक- आईक्यूएसी, प्रो. आर के डे, पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ एस के पाण्डेय, वित्त अधिकारी, श्री पी के पंडा, चीफ प्रॉक्टर, डॉ, अमरेंद्र कुमार, सारे वरिष्ठ प्रोफेसर, आदि मौजूद थे।

एसीएस ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांची। आदिवासी छात्र संघ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय समिति के अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में डीएसपीएमयू कैंपस में शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी। मौके पर विवेक तिर्की ने कहा कि झारखंड ने एक महान नेता खो दिया। उनके जल, जंगल, जमीन के लिए संघर्ष और झारखंड आंदोलन को नेतृत्व हमेशा याद किया जाएगा। मौके पर रांची में आदिवासी छात्र संघ के वरीय पदाधिकारियों और सक्रिय सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी आत्मा की शांति और परिवार को दुख सहन करने की शक्ति के लिए प्रार्थना की गई।

गुरुजी को कभी भुलाया नहीं जा सकता : मोहम्मद नौशाद

रांची। लोक सेवा समिति के अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड के स्तंभ को आजीवन सेवा के लिए "झारखंड रत्न" से लोक सेवा समिति द्वारा सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी सदस्य, शुभ चिंतकों को भगवान सहन शक्ति दें। उन्होंने कहा कि झारखंड ने संघर्षशील व आंदोलनकारी नेता को खोया है। इसका मलाल हमेशा हम सभी को रहेगा और गुरुजी को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

दिशोम गुरु के निधन से क्रांतिकारी युग का अंत हो गया : महेश

रांची। कांके विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि और जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव महेश कुमार मनीष ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि उनके निधन के साथ एक क्रांतिकारी युग का अंत हो गया है। झारखंड अलग राज्य का आंदोलन छेड़ झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाया। जब सदन में रहे तो दलित, पिछड़े आदिवासियों के हितों के लिए लड़ते रहे और जंगल में भी रहे तो अनवरत संघर्ष किया। झारखंड की आवाज उनके माध्यम से दिल्ली में गूंजती थी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक रहे और जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ते रहे अंत काल में भी वीर योद्धा की तरह लंबी और गंभीर बीमारियों से लड़ते हुए देह छोड़ा।

शांत हो गई झारखंडियत की सबसे सशक्त आवाज : रासेफा

रांची। राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी सीताराम शरण महाराज एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने शिबू सोरेन को विनम्र श्रद्धांजलि दी। वहीं कहा कि अब हमारे बीच गुरुजी नहीं रहे। एक इतिहास थम गया। झारखंडियत की सबसे बड़ी आवाज शांत हो गई। उन्होंने कहा कि जब भी आदिवासी चेतना की बात होगी, जब भी जनसंघर्षों का जिक्र होगा, शिबू सोरेन का नाम लिया जाएगा। सम्मान के साथ। गर्व के साथ। वो सिर्फ एक नेता नहीं थे। एक विचार थे।

दिशोम गुरु ने झारखंड की अस्मिता के लिए संघर्ष किया : एलआर सैनी

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत शोकपूर्ण है। उन्होंने झारखंड की अस्मिता, संस्कृति व अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उक्त बातें भारतीय शिक्षा बोर्ड,हरिद्वार के सचिव एलआर सैनी ने कही। उन्होंने कहा कि वे आदिवासी चेतना के प्रतीक, सादगी व दूरदर्शिता के प्रतीक पुरुष थे। उनका जीवन सेवा, संघर्ष व समर्पण की मिसाल है।

गुरुजी का झारखंड आंदोलन में थी विशेष भूमिका : कुमुद झा

रांची। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी कुमुद झा ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। वहीं कहा कि गुरुजी की झारखंड आंदोलन में विशेष भूमिका थी। वे आदिवासियों के मसीहा थे। जनता के सुख दुख को अपना सुख-दुख समझते थे। सभी वर्गों के हितों अधिकारों के लिए उन्होंने लड़ाई छेड़ी थी। उनकी कमी की पूर्ति कभी नहीं हो सकती है।

गुरुजी के निधन पर श्री कृष्ण प्रणामी ने किया शोकसभा का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। शोकसभा में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, आश्रम में निवास कर रहे दिव्यांग, निराश्रित, दीनबंधु एवं सेवा में लगे सेवादारों ने भाग लिया। सभा की शुरुआत दो मिनट के मौन के साथ की गई,जिसमें सभी उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोक सभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन के संघर्षमयी जीवन, उनके सामाजिक योगदान, और झारखंड के निर्माण में उनके अद्वितीय नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुरुजी न केवल एक राजनेता थे, बल्कि वे झारखंड की आत्मा थे। आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन त्याग, सेवा और संघर्ष का प्रतीक था। उनका निधन न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने जिस प्रकार से आदिवासी समाज को एकजुट कर मुख्यधारा में लाने का कार्य किया, वह सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

गुरुजी ने हर संघर्ष को जनहित का मुद्दा बनाया : मो. मोजीबुल्लाह

नवीन मेल संवाददाता। रांची

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर है। इसी क्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मो. मोजीबुल्लाह ने उनके सरकारी आवास मोरहाबादी में अंतिम विदाई एवं अंतिम जोहार मे शामिल हुए। मो. मोजीबुल्लाह ने कहा कि शिबू सोरेन न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में आदिवासी अधिकारों और सामाजिक न्याय के सशक्त स्वर थे। झारखंड की माटी ने एक महान सपूत को खो दिया है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। दिशोम गुरु का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बना रहेगा।

इग्नू के कार्यक्रम में रोजगार की संभावनाएं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इग्नू सामाजिक क्षेत्र से संबंधित कई कार्यक्रम प्रदान करता है जिसमें स्नातकोत्तर, स्नातक, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कार्यक्रम शामिल हैं। ये कार्यक्रम शिक्षार्थियों को सामाजिक क्षेत्र सामजिक कार्य, सामुदायिक विकास, बाल कल्याण स्वास्थ्य सेवा और कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी जैसे क्षेत्रों में कैरियर बनाने के इच्छुक लोगों के लिए निर्मित हैं। सोशल वर्क में स्नातकोत्तर व स्नातक सामाजिक कार्य में उन्नत ज्ञान और कौशल प्रदान करता है और छात्रों को विभिन्न सामाजिक और सामुदायिक संगठन में काम करने के लिए तैयार करता है। सामाजिक कार्य में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा भी उपलब्ध हैं जो सामाजिक कार्य के विशिष्ट क्षेत्रों में कौशल और ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं जैसे कि स्वास्थ्य सेवा इत्यादि के लिए मूलभूत जानकारियां प्रदान करते हैं। कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सीएसआर संबंधी भूमिकाओं में काम करना चाहते हैं उन लोगों के लिए है। सामुदायिक विकास, स्वास्थ्य सेवा, ग्रामीण विकास इत्यादि क्षेत्र में सीएसआर के कार्यक्रम चलाए जाते हैं। ये सभी कार्यक्रम सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्रों में अलगअलग भूमिकाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। आवश्यक कौशल के कार्यक्रम शिक्षार्थियों को सामाजिक कार्य के क्षेत्र में आवश्यक कौशल जैसे समस्या समाधान, संचार, प्रबंधन करने में मदद करते हैं। ये कार्यक्रम छात्रों को सामाजिक कार्य के विभिन्न पहलुओं जैसे कि सामाजिक नीति निर्माण, और सामुदायिक विकास के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं। साथ ही वे ये आवश्यक व्यावसायिक कौशल व ज्ञान प्रदान करते हैं। झारखण्ड राज्य के संदर्भ में बात करें तो ये स्वंय सेवी संगठनों में अलग-अलग पद हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है। प्रोग्राम मैनेजर प्रोजेक्ट मैनेजर तथा मॉनिटरींग एंड इवेल्यूयेशन ऑफिसर के रिक्तियों के लिए आवेदन माँगे जाते हैं। इन सभी कार्यक्रम में नामांकन जारी है। इच्छुक आवेदक इग्नू के वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

खुद को अकेला महसूस करता था तो गुरुजी से मिलने जाता था : शैलेंद्र शर्मा

रांची। राजद के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता झारखंड के शैलेंद्र शर्मा ने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के असमय चले जाने से झारखंड और पूरे देश ने एक क्रांतिकारी नेचुरल नेता को खो दिया है। गुरुजी सिर्फ झारखंड के नेता नहीं थे बल्कि पूरे आदिवासी समाज के प्रणेता थे। पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, बिहार और मध्य प्रदेश के आदिवासी समाज की एक मजबूत आवाज उनके साथ ही मौन हो गई। ये ऐसे शख्सियत थे कि आजीवन आदिवासी अस्मिता की लड़ाई लड़ते रहे । उनके निधन से मैं काफी आहत हूं जब मैं खुद को अकेला महसूस करता था तो गुरु जी से मिलने जाता था और वो काफी हौसला बढ़ाते थे। वे मेरे अभिभावक स्वरूप थे जब भी मैं उनसे मिलने जाता था उनका हाथ पैर पड़कर जबरदस्ती दबाने का प्रयास करता था और वह अपनापन वाला गुस्सा करते और हंसते थे।

अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में पुत्रदा एकादशी उत्सव का आयोजन

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को पुत्रदा एकादशी उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम देव को प्रातः नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर गुलाब, रजनीगंधा, जरबेरा, गुलदाऊदी, बेला, गेंदा से मनमोहक श्रृंगार किया गया। साथ ही मंदिर में विराजमान शिव परिवार एवं बजरंगबली का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया ।रात्रि 9 बजे पावन ज्योत प्रज्वलित कर भक्तगण कतार में लगकर पावन ज्योत में आहुति प्रदान कर मनोवांछित फल की कामना कर रहे थे। श्री श्याम मंडल के सदस्यों ने गणेश वंदना के साथ संगीतमय संकीर्तन प्रारम्भ किया ।इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को शुद्ध घी में बने हुए बूंदी लड्डू, केसरिया पेड़ा, बादाम बर्फी, रबड़ी, चूरमा एवं विभिन्न प्रकार के फल एवं मेवा को भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, गोपी किशन ढांढनीयां, अमित जालान , प्रदीप अग्रवाल , प्रियांश पोद्दार , विकाश पाड़िया, राजेश सारस्वत , ज्ञान प्रकाश बागला , विवेक ढांढनीयां, नितेश केजरीवाल का विशेष सहयोग रहा ।

बाबूलाल मरांडी ने गृह मंत्री को दी बधाई, कहा

देश की राजनीतिक में सबसे लंबे कार्यकाल के गृह मंत्री बने शाह

रघुवर दास ने भी दी बधाई

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अमित शाह को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अमित शाह ने केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में सर्वाधिक 2258 दिवस तक कार्य करने का कीर्तिमान अपने नाम दर्ज किया है। कहा कि पिछले छह वर्षों में कर्मठता और दृढ़ निश्चयता के साथ गृह मंत्री के रूप में माननीय अमित शाह जी ने कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं। इसमें आज ही के दिन 5 अगस्त को कश्मीर से अनुच्छेद 370 एवं धारा 35ए के निरस्तीकरण की ऐतिहासिक घोषणा शामिल है। उनके कार्यकाल में ही आज देश नक्सल मुक्त होने की कगार पर पहुंच गया है। ऐसी अनेकों उपलब्धियां उनके साथ जुड़ी हैं। कहा कि वे इसी तरह माँ भारती की अहर्निश सेवा करते रहें। यशस्वी गृह मंत्री अमित शाह को झारखंड की समस्त जनता की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अमित शाह जी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री मरांडी ने कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में बहुत कम नेता ऐसे हुए हैं, जिन्होंने नीतिगत परिवर्तन के साथ-साथ ज़मीनी स्तर पर भी परिवर्तन के लिए निरन्तर कार्य किया हो। उन्हीं चंद नेताओं में से एक, हमारे माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी, आज देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्री बन चुके हैं। कहा कि यह गौरवपूर्ण क्षण उसी दिन आया, जिस दिन 2019 में अमित शाह जी ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का ऐतिहासिक प्रस्ताव संसद में रखा था, जिसके परिणामस्वरूप जम्मू-कश्मीर को भारत के संविधान में पूर्ण एकात्मता के साथ जोड़ा गया और उस ऐतिहासिक बोझ से मुक्ति दिलाई गई, जिसने कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से लंबे समय तक अलगाव में रखा था। कहा कि उनके कार्यकाल में गृह मंत्रालय की आंतरिक सुरक्षा नीतियों ने देश की दिशा बदल दी। कहा कि झारखंड राज्य में, जहां वर्षों से नक्सलवाद ने विकास, शिक्षा और रोज़गार के रास्तों को रोका हुआ था, वहाँ केंद्र सरकार ने गृह मंत्री के नेतृत्व में 'ऑपरेशन समर्पण' के तहत एक संगठित, योजनाबद्ध और निर्णायक लड़ाई शुरू की। झारखंड के साथ-साथ अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चल रहा यह अभियान आम नागरिकों में यह विश्वास लौटा रहा है कि केंद्र सरकार उनकी सुरक्षा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अमित शाह को उनके लंबे, प्रभावशाली और निर्णायक कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई। यह देश आपके नेतृत्व में और भी सशक्त और सुरक्षित बने, यही कामना है।

बिरला कंजम्पशन फंड ने पूरे किए 20 वर्ष मना जश्न

रांची। आदित्य बिरला सन लाइफ म्युचुअल फंड की प्रतिष्ठित योजना बिरला कंजम्पशन फंड ने अपने 20 गौरवपूर्ण वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। यह फंड वर्ष 2005 में लॉन्च हुआ था, जब भारत में उपभोक्ता क्षेत्र तेजी से उभर रहा था। बीते दो दशकों में फंड ने देश के उपभोक्ता थीम में निवेश कर निवेशकों के लिए बड़े धन का निर्माण किया है। इस अवसर पर मंगलवार को बरियातू रोड स्थित पीएमपीके वेल्थ के कांफ्रेंस हॉल में केक कटिंग करते हुए उत्सव मनाया गया। आदित्य बिरला सुन लाइफ म्युचुअल फंड के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष मिश्रा ने फंड की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि 10,000 मासिक एसआईपी करने वाले निवेशकों का निवेश 20 वर्षों में 1.5 करोड़ से अधिक धन का निर्माण किया है। वहीं, 20 वर्ष पहले एक लाख एक साथ जमा करने वाले निवेशक के 20 लाख 40 हजार रुपए बन गए। जबकि इसी अवधि में बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट ने 3 लाख रुपया, पीपीएफ ने 3.57 लाख रुपया और सोना ने 15 लाख रुपया का धन निवेशकों को बना कर दिया।

गुरुजी की शिक्षाओं और आदर्शों को हम अपने जीवन में उतारने का प्रयास करेंगे: मेरी एस्टेला

रांची। एडवाइजरी पैनल मेंबर माइनॉरिटी कमिशन दिल्ली की मेरी एस्टेला ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गुरुजी की विरासत हमें सादगी और संघर्ष की प्रेरणा देता है। उनकी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें एक अद्वितीय स्थान दिलाया है। गुरुजी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची सेवा और समर्पण से ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है।

उनकी याद में हमारा संकल्प और मजबूत होता है कि हम भी समाज के लिए कुछ अच्छा करने का प्रयास करें। हम उनकी स्मृति, उनकी शिक्षाओं और आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करेंगे। जीवन के लिए उनकी प्रेरणा बहुत ही जरूरी है।

गुरुजी के निधन से झारखंड की राजनीति में बड़ा शून्य उत्पन्न हुआ : सरयू राय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा के सांसद शिबू सोरेन के निधन को मर्माहत करने वाला बताया है। यहां जारी शोक संदेश में सरयू राय ने कहा कि स्वर्गीय शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति के प्रतीक पुरुष के रूप में स्थापित हुए थे। उन्होंने झारखंड की राजनीति को नई दिशा दी और प्रयास किया था कि झारखंड अपने विशेषताओं के साथ उतरोत्तर विकास करे। श्री राय ने कहा कि वर्ष 2000 में जब एकीकृत बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में अल्पकालीन सरकार बनी थी तो शिबू सोरेन और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने उसका समर्थन किया था। उस समय वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बिहार प्रदेश संयोजक थे। उस नाते उन्हें इस मुहिम में शिबू सोरेन के साथ नजदीक से काम करने का मौका मिला था। तब उन्हें नजदीक से जाना था। इसके बाद वर्ष 2004 में 29 मई से दामोदर बचाओ आंदोलन आरंभ किया तो उसके बारे में भी शिबू सोरेन से विस्तृत चर्चा की थी। श्री राय ने बताया कि 24 और 25 सितम्बर, 2004 को युगांतर भारती एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं की तरफ से राँची में दामोदर बचाओ आंदोलन की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। सरयू राय ने कहा कि शिबू सोरेन के निधन से झारखण्ड की राजनीति में एक बड़ा शून्य उत्पन्न हो गया है। उनके विरासत को आगे बढ़ाने का दायित्व उनके सुपुत्र और वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर है। वह शिबू सोरेन के प्रति सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

गुरुजी की स्मृति दिल को छूती है : सीपी सिंह

नवीन मेल संवादाता

- झारखंड निर्माण का सपना साकार होने पर हम अलग-अलग दलों से थे, विचारधाराएं भी भिन्न थीं, लेकिन उस क्षण दिल एक था

रांची। 25 वर्ष पुरानी यह ऐतिहासिक तस्वीर 25 अप्रैल 2000 की है, जब बिहार विधानसभा में "बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000" पारित हुआ और झारखंड के निर्माण का सपना साकार होने की दिशा में पहला निर्णायक कदम उठा। हम अलग-अलग दलों से थे, विचारधाराएं भी भिन्न थीं, लेकिन उस क्षण दिल एक था झारखंड की माटी, उसकी पहचान और उसके अधिकार के लिए।गुरुजी शिबू सोरेन के साथ विजय का यह संकेत सिर्फ राजनीति का नहीं था, यह झारखंड की आकांक्षाओं, संघर्षों और आत्मसम्मान का प्रतीक था। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब यह तस्वीर एक स्मृति बनकर दिल को छू जाती है। लोकतंत्र की गरिमा, राजनीति की मर्यादा और झारखंड की आत्मा की एक झलक।

ओडिशा ग्रामीण बैंक लूटकांड के दो आरोपी खलारी से गिरफ्तार

खलारी। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के रेंगाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ओडिशा ग्रामीण बैंक में 21 जुलाई 2025 को हुए दिनदहाड़े लूटकांड के दो मुख्य आरोपियों को खलारी से गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को ओडिशा पुलिस ने खलारी थाना की मदद से न्यू जेहलीटांड़ से इन दोनों आरोपियों को दबोचा। गिरफ्तारी के बाद दोनों को ओडिशा पुलिस अपने साथ ले गई। खलारी थाना प्रभारी पुनि जयदीप टोप्पो ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि ओडिशा पुलिस को लूटकांड में शामिल न्यू जेहलीटांड़ नयाधौड़ा के दो स्थानीय युवकों की तलाश थी। इनमें इसराफिल आलम, पिता स्व. सरफुद्दीन अंसारी और हसन अंसारी (35 वर्ष), पिता स्व. कुर्बान अंसारी शामिल हैं। खुफिया सूचना के आधार पर इनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई और दोनों को सोमवार को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया।

लाखों रुपए के गहने ले भागे उच्चके

सिल्ली। सिल्ली मेन रोड स्थित बबलू ज्वेलर्स से दिन के 10 बजे उचक्कों ने लाखों रुपए के गहने ले भागे। प्रतिदिन की तरह बबलू ज्वेलर्स के संचालक किशन गुप्ता अपने घर से अपने स्कूटी से दुकान पहुंचे तथा दुकान खोल कर आभूषण से भरा बैग दुकान के बेंच पर रख कर साफ सफाई कर रहे थे।साफ सफाई करने के बाद बगल में झाड़ू रखने गए तब तक इधर उचक्कों ने बैग ले भागे। पास के दुकान में काम करने वाले एक युवक ने देखा कि दो युवक बैग लेकर बाइक पर जा रहे थे।वह कुछ समझ पाता तब तक काफी देर हो चुकी थी।घटना की सूचना मिलते ही सिल्ली पुलिस पहुँच कर मामले की छानबीन कर रही है। कुछ दूरी पर एक दुकान का सीसीटीवी को खंगाला गया जिसमें दो युवक को बैग ले जाते हुए देखा गया। कितना लागत की गहना की चोरी हुई है इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं हो पायी है।

अवसर की तलाश | चैंबर के एजुकेशन उप समिति की बैठक

पंजाब के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की एजुकेशन उप समिति की बैठक मंगलवार को चैंबर भवन में हुई। बैठक में पंजाब अनएडेड कॉलेज एसोसिएशन के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस बैठक का उद्देश्य झारखंड और पंजाब स्थित उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सार्थक संवाद स्थापित करना तथा संभावित सहयोग के अवसर तलाशना था। बैठक में एसोसिएशन के संयुक्त सचिव डॉ डीजे सिंह (चंडीगढ़ विद्या ज्योति एडुयूनिवर्सिटी), अंकित जैन (ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, पंजाब), कुंवर पुंज (प्रो-चांसलर, श्री साई यूनिवर्सिटी, पंजाब) सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स और पंजाब एडुयूनिवर्सिटी के संयुक्त प्रयासों से पंजाब के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से फेडरेशन द्वारा आयोजित किए जानेवाले इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में पंजाब के मुख्य कॉलेजों की सहभागिता और रांची में एजुकेशन फेयर आयोजित करने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया गया। पंजाब एडुयूनिवर्सिटी की ओर से झारखंड में एक नया शैक्षणिक विकल्प उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा गया, जिससे झारखंड के विद्यार्थियों को दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों में गए बिना उच्च शिक्षा के अधिक अवसर मिल सकेंगे। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि फेडरेशन का लक्ष्य राज्य के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में देशभर के अग्रणी संस्थानों से जोड़ना है। इस तरह के संवाद से न केवल उच्च शिक्षा के नए विकल्प खुलेंगे बल्कि उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के बीच सेतु बनाने में भी मदद मिलेगी। बैठक में पंजाब अनएडेड कॉलेज एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी डॉ. गुरप्रीत सिंह, डॉ. राकेश भारद्वाज, डॉ. गुरशरणजीत सिंह के अलावा चैंबर उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य शैलेष अग्रवाल एवं सदस्य मनोज मिश्रा उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

पुत्रदा एकादशी पर हुए कई अनुष्ठान

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में श्रावण मास शुक्ल पक्ष की प्रसिद्ध पुत्रदा नामकी एकादशी व्रत मनाया गया। मौके पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा,भक्ति और आस्था के सागर में अवगाहन किया। इसके पूर्व भगवान को धूप, पुष्प, तलसी, जल, कुंकुम आदि से घंटा बजाते हुए भगवान को समर्पित किया गया। इसके बाद सत्ताइस दीपों से प्रज्ज्वलित नक्षत्र आरती,अमृत कुम्भ आरती और घृत आरती मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके बाद अस्त्र और संरक्षण मुद्रा दिखाते हुए हाथ से ढक कर नैवेद्य निवेद किया। समस्त दोषों को अग्नि और वायु में दग्ध और शोषित कर नैवेद्य समर्पण किया। इसके पश्चात् वेद , उपनिषद और देशिक स्तोत्राणि के उत्कृष्ट ऋचाएं एवं श्लोकों से स्तुति की गई। मंत्रों के गूंज और जय -जयकार से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो रहा था। सभी अपने-अपने कामना के अनुसार कोई पुष्प अर्चना, कुंकुम अर्चना तो कोई सूक्तों का पारायण तथा विष्णु सहस्त्रनाम की अर्चना कराते दिखे। यह क्रम दिनभर चलता रहा। सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने मिलकर दिनभर के अनुष्ठान को विधिवत् संपन्न कराया।

लायंस क्लब ने महारुद्राभिषेक कार्यक्रम का किया आयोजन

रांची। लायंस क्लब ऑफ रांची के तत्वावधान में रांची क्लब परिसर में सोमवार को महारुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर कुल 11 जोड़ियों ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए विधिवत रुद्राभिषेक किया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई, जिसमें कुशल पंडितों ने वैदिक विधि से समस्त अनुष्ठान संपन्न कराया। कार्यक्रम के चेयर पर्सन लायन निर्मल कुमार मानपुरिया ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक एवं आध्यात्मिक चेतना का विस्तार करना था। उन्होंने कहा कि सावन मास में शिव पूजा का विशेष महत्व होता है, और यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि सामूहिक सहभागिता की भावना को भी मजबूत करता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष दिलीप बंका, लायन सिद्धार्थ मजूमदार, लायन राजेश मोर, लायन राजेश चौधरी, लायन बीके गडयान, लायन मनीष गाड़ोदिया, लायन अजय सकुजा, लायन अजय अग्रवाल, लायन ओम प्रकाश अनुज सहाय,अनिल गोयल, निर्मल मानपुरिया आदि ने भरपूर सहयोग किया।

सुकुरहुटू विद्यालय में दिशोम गुरु के बलिदान को किया गया याद

पिठौरिया। जब आदिवासी अस्मिता के मसीहा, झारखंड के महान सपूत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर आई, तो पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई। उनके देहांत की पीड़ा ने गाँव-शहर, स्कूल-घर सबको झकझोर दिया। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रस्तावित उच्च विद्यालय सुकुरहुटू के प्रांगण में भी एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मियों ने दिशोम गुरु की याद में दो मिनट का मौन धारण किया। जैसे ही प्रार्थना शुरू हुई, परिसर में ऐसी शांति छा गई मानो हवा भी थम गई हो।कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षिका अनु कुमारी और वरीय शिक्षक कृष्ण कुमार ने कहा दिशोम गुरु न केवल एक राजनेता थे, बल्कि हमारे आत्मसम्मान की आवाज़ थे। उन्होंने आदिवासी चेतना को नई दिशा दी और संघर्ष की मशाल को जलाए रखा।इधर विद्यालय प्रबंध समिति ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, हमने एक इतिहास रचने वाला पथप्रदर्शक खो दिया है, लेकिन उनकी शिक्षाएं हमारे दिलों में जीवित रहेंगी। कार्यक्रम की समाप्ति पर विद्यालय प्रधान मुकेश रंजन द्वारा पूरे दिन की छुट्टी की घोषणा की गई, ताकि यह दुखद समाचार सभी शांत मन से स्वीकार कर सकें।

बाबाधाम में जलाभिषेक के लिए डाक बम का जत्था रवाना

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मंगलवार के दिन सावन महीना में विभिन्न गांवों से देवघर एवं बासुकीनाथ धाम में जलाभिषेक को लेकर डाक बमों का जत्था श्रद्धा और उल्लास के साथ मुरी से रवाना हुआ। जत्था मुरी स्टेशन से ट्रेन से रवाना हुआ।जत्था अपने साथ आवश्यक सामग्री लेकर रवाना हुए। कांवरियों के इस जत्था में चितरंजन मंडल,सागर राम महतो,सुनील नायक,प्रद्युम महतो,धीरेंद्र कुमार महतो,विष्णु प्रजापति,लखीराम मांझी, अविनाश कोईरी, ब्रजेश कुमार, ब्रजेश कुम्हार, सचिन महतो, राहुल महतो,विमल महतो,विनय महतो,निबास महतो,बबलू महतो,कालीचरण महतो,लखन महतो,बबलू साहू,आकाश साहू, बासु महतो सहित कई श्रद्धालु शामिल रहे।श्रद्धालुओं ने बताया कि जत्था सर्वप्रथम सुल्तानगंज पहुंचकर गंगा नदी में स्नान कर पवित्र गंगा जल भरकर संकल्प के साथ जलाभिषेक के लिए देवघर जाएंगे और अपनी साधना पूर्ण करेंगे साथ ही बताया कि डाक बम ना केवल आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह सावन के महीने में शिव भक्ति के सबसे तेज और संकल्पित रूप माने जाते हैं। व्रत,नियम,संयम और पूर्ण समर्पण के साथ यह शिवभक्त बिना रुके,बिना थके एक ही झटके में बाबा को जल चढ़ाने के लिए निकलते हैं। यह यात्रा सिर्फ शारीरिक नहीं आध्यात्मिक ऊर्जा से भी परिपूर्ण होती है।

छिनतई व मारपीट मामले में प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

बरही। 85000 रुपए की छिनतई व मारपीट को लेकर बरही थाना में मलाला दर्ज किया गया है. मामला प्राथी सिंहपुर निवासी संजय यादव पिता रामसहाय यादव के लिखित आवेदन पर दर्ज की गई है. दर्ज प्राथमिकी में कोयली निवासी संजय यादव पिता बालेश्वर यादव व गोमाडाबर बुंडू निवासी राजकुमार यादव पिता सहदेव यादव पर 85000 रुपए नकद छीनने व जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है. प्राथमिकी के अनुसार घटना बिलौतिया मोड़ स्थित मंतोष होटल के परिसर में खड़े उनके ट्रक के पास तब हुई जब वह ईंधन इत्यादि का पैसा लेकर अपने ड्राइवर को देने आए थे. इस दौरान उक्त दोनों ने लात घुसे व रॉड से मारपीट कर घायल कर दिया. स्थानीय लोगों की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक प्राथमिक उपचार के बाद हजारीबाग रेफर कर दिए. अस्वस्थ्ता और इलाज के कारण वह सूचना उन्हें प्राथमिकी दर्ज करवाने में देर हुई है.

जानलेवा हमला व छिनतई मामले में दो को जेल, छापेमारी जारी

बरही। विगत रविवार की रात्रि पड़ीरमा निवासी महेश यादव के साथ कोनरा तुरी टोला के समीप हुए जानलेवा मामले में पुलिस ने अब तक दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. उक्त जानकारी पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने दी. गिरफ्तार व जेल जाने वाले व्यक्तियों में अरविंद यादव और विकास यादव का नाम शामिल है. इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले के संबंध में गहनता से अनुसंधान जारी है. अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. दोषियों को हर हाल में गिरफ्तार किया जायेगा. विदित हो कि रविवार की रात्रि हुए जानलेवा हमले में पीड़ित पक्ष की ओर से प्राप्त आवेदन के आधार पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी. मामले के संबध में गहनता से पूछ ताछ की जा रही थी.

जड़ी बूटी का सेवन से कई बीमारी से राहत मिल सकती है : बासुदेव

दुलमी। दुलमी प्रखंड के कुल्ही चौक स्थित आजसू कार्यालय परिसर में पतंजलि योग समिति दुलमी व गोला प्रखंड के संयुक्त तत्वावधान में जड़ी बूटी दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम आचार्य बाल कृष्ण के जन्म दिवस पर मनाया गया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से पतंजलि योग समिति के रामगढ़ जिला प्रभारी बासुदेव कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुरुआत तुलसी व गिलोय वितरण कर किया गया। इस दौरान जिला प्रभारी ने कहा कि जड़ी बूटी से शरीर के कई बीमारी से राहत मिल सकती है। उन्होंने लोगों को घर के आस पास औषधीय पौधा लगाने की बात कही। योग के साथ साथ जड़ी बूटी का भी सेवन लाभ प्रद है। यह बिमारी के लिए सही माना जाता है। इसे अपनाने की जरूरत है।

सड़क हादसे में एक की मौत तीन गंभीर

हजारीबाग। रांची से शव लेकर बिहार के बेतिया जा रही एक एंबुलेंस ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, यह घटना एनएच-33 पर भारत माता चौक के पास सोमवार देर रात करीब 12 बजे तब घटी, जब एंबुलेंस ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक एंबुलेंस राँची के इरबा से शाहिद अंसारी (50 वर्ष) के शव को लेकर बिहार के बेतिया जा रही थी। इसी दौरान मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित एनएच-33 पर भारत माता चौक के पास ओवरटेक करने के दौरान एंबुलेंस की खड़े ट्रक से टक्कर हो गई।

न्यूज बॉक्स

ज्ञान मन्दिर विद्यालय में गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की

रामगढ़। पारसोतिया स्थित ज्ञान मन्दिर विद्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सदस्य एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के निदेशक ज्ञान ब्रह्म पाठक ने गुरुजी के साथ अविस्मरणीय पलों को बच्चों एवं शिक्षकों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि श्रद्धेय शिबू सोरेन जननायक रहे, सामान्य दिखते हुए भी असाधारण व्यक्तित्व के धनी सदैव आम जनमानस के लिए ममत्व स्नेह एवं सहयोग के भावना से ओतप्रोत ही दिखे। सभी छात्र छात्राओं शिक्षकों के साथ नम आंखों के साथ ईश्वर से पवित्र आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक जताया। मौके पर प्रधानाध्यापिका इलारानी पाठक, नेमीचंद प्रसाद, रामबल्लभ पांडे, मेघनाथ सिंह, राजेश चटर्जी, लालजी प्रसाद, अमृता देवी, बबीता देवी, रिकी, अनुराधा, कोमल, शिल्पी सहित सभी शिक्षिकगण एवं भैया बहनों ने दिशोम गुरु को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

गुरुजी के निधन से आदिवासी समुदाय को गहरा आघात : सीटू

हजारीबाग। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने गहरा शोक जताया है। उन्होंने कहा कि देश ने अपने सबसे बड़े आदिवासी नेता को खो दिया। दुमका के चिरुड़ीह कांड में नाम आने के बाद वे सुर्खियों में आए और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। महाजनों के खिलाफ लड़ते हुए शिवचरण मांझी से शिबू सोरेन बनने तक का उनका सफर प्रेरणादायक रहा। झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना से लेकर झारखंड को अलग राज्य बनाने तक, उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। वे दुमका से सात बार सांसद, तीन बार कोयला मंत्री और तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। गणेश कुमार ने कहा कि शिबू सोरेन का जाना जल, जंगल और जमीन की लड़ाई लड़ रहे लोगों के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। आने वाली पीढ़ियों को उनके संघर्ष को जानना और समझना चाहिए।

चंद्रनाथभाई ने दी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि

हजारीबाग। स्थानीय सरहुल नगर में झारखंड आंदोलन के महानायक झारखंड के पूर्व सीएम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। आंदोलन में साथ रहे चन्द्रनाथ भाई पटेल ने कहा कि गुरु जी संकिर्ण राजनीति से ऊपर उठकर कर आंदोलन संचालित किया था। पटेल ने कहा कि जब 1992 अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी आहूत की गई थी। उन दिनों हमलोग उतावले पन में बोल रहे थे कि आर्थिक नाकेबंदी बंदी चलाना चाहिए । चार अप्रैल को कर्जन ग्राउंड में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि राष्ट्र हित सर्वोपरि है।राष्ट है तो झारखंड है। आम को हिला कर खाओ। आम के गाछ को मत काटो। लोहा कोयला बंद करके देश का अहित यानि झारखंड के साथ साथ देश के लिए वो सोचते थे। कार्यक्रम में उत्तम कुमार मुखिया, जीतेन्द्र, छोटी, भोलेनाथ महतो,ललन कुमार, नीरज कुमार सहित कई लोग थे।

वाहन चेकिंग में लापरवाह चालकों को चेतावनी

बरही । थाना गेट के पास मंगलवार को भी दोपहिया वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान हेलमेट नहीं पहनने वाले बाईक चालकों के साथ सख्ती दिखाई गई. चेकिंग अभियान एस आई नरेंद्र पांडेय की अगुवाई में चलाया गया. इस दौरान बाईक चालकों में खूब लापरवाहियां दिखी. अधिकांशतः लोग बिना हेलमेट के बाईक चलाते पाए गए. ऐसे लोगों के साथ पुलिस ने थोड़ी सख्ती दिखाई. कई लोग पुलिस के डर से रास्ता बदल लिए तो कई कुछ देर के लिए रुक गए. एसआई श्री पांडेय ने बताया कि लोग पुलिस की डर से बचने के लिए हेलमेट नही पहनें बल्कि वह खुद की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहने. पुलिस उनके सुरक्षा के लिए चिंतित है. वाहन चलाते समय जल्दबाजी या लापरवाही अथवा मोबाईल का प्रयोग या नशे का प्रयोग घातक हो सकता है. उन्होंने निर्धारित गति और सवारी के साथ वाहन में पॉल्यूशन, बीमा, आरसी जैसे कागजात रखना आवश्यक बताया है. विदित हो कि पिछले कई दिनो से लगातार वाहन चेकिंग चलाई जा रही है बाबजूद लोग सजग और सतर्क नहीं हुए है. घटनाएं कभी भी हो सकते है. इसलिए सुरक्षित यात्रा के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना आवश्यक है.

विभावि स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए तिथि का किया गया विस्तार

विद्यार्थी कालेज में 20 अगस्त तक नामांकन ले सकेंगे : डॉ इंद्रजीत

नवीन मेल संवाददाता

- किसी कारणवश जिन्होंने नामांकन नहीं ले पाया है उनके लिए विवि ने एक विशेष सुविधा उपलब्ध कराई है

हजारीबाग। विभावि ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में वैसे कालेजों के लिए नामांकन तिथि का विस्तार किया गया है। जिनके चुनिंदा विषयों के लिए जहां स्थान अभी तक रिक्त है। बताते चलें कि विवि ने अपने अधिनस्थ सभी अंगीभूत, संबद्ध तथा प्रस्तावित महाविद्यालयों के चार-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम 2025-29 के प्रथम समसत्र में नामांकन के लिए आवेदन फिर से आमंत्रित किया है। इच्छुक छात्र छात्राओं का आवेदन आनलाईन 5 से 11 अगस्त तक स्वीकृत किए जाएंगे। यह आवेदन की सुविधा केवल कुछ महाविद्यालयों के ऐसे विषयों के लिए उपलब्ध कराई जा रही है जहां सीटों की संख्या से कम नामांकन के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। नामांकन के लिए आवेदन चांसलर पोर्टल पर आवेदित करने के लिए कहा गया है। यह केवल उन महाविद्यालयों के चुनिंदा विषयों के लिए आवेदन मांगे गए हैं जहां स्थान अभी तक रिक्त है। नामांकन कोषांग के नोडल पदाधिकारी डॉ इंद्रजीत कुमार ने बताया कि 13 अगस्त को मेधा सूची का प्रकाशन किया जाएगा। संबद्ध महाविद्यालयों में दस्तावेजों का सत्यापन उक्त तिथि से 19 अगस्त तक किया जाएगा। सत्यापन के उपरांत विद्यार्थी 20 अगस्त तक नामांकन ले सकेंगे। ऐसे विद्यार्थी जिनका पूर्व के प्रथम या द्वितीय सूची में नामांकन के लिए चयन किया गया था।

किसी कारणवश जिन्होंने नामांकन नहीं ले पाया है उनके लिए विवि ने एक विशेष सुविधा उपलब्ध कराई है। विभावि मुख्यालय एवं महाविद्यालय बंद रहेगा - आज हजारीबाग शिक्षा प्रतिनिधि। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन का निधन सोमवार को सर गंगा राम अस्पताल नई दिल्ली में हो गया । झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग के निर्देश पर दिवंगत आत्मा के सम्मान में तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की गई है। जिसके वजह से 5 अगस्त को विश्वविद्यालय मुख्यालय, स्नातकोत्तर विभाग, स्ववित्त पोषित विभाग तथा अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालय बंद रहेंगे। 5 अगस्त को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी परीक्षाएं भी स्थगित रहेगी। इन विषयों की परीक्षा के लिए नई तिथि की घोषणा शीघ्र की जाएगी। इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है ।स्नातक 2025-29 की कक्षाएं अब 7 अगस्त से प्रारंभ होगी हजारीबाग शिक्षा प्रतिनिधि विनोबा भावे विश्वविद्यालय में सत्र 2025-29 के 4-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम समसत्र की कक्षाएं 7 अगस्त से प्रारंभ होगी।

ब्रह्मकुमारी बहन ने पुलिस अधिकारियों को बांधी राखी

बरही । तिलैया रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विद्यालय की संचालिका रीना बहन ने अपने रक्षा बंधन कार्यक्रम के तहत पुलिस के अधिकारियों को दिव्य राखी बांधकर सुरक्षा की कामना किया. इस अवसर पर उन्होंने आत्मा का पवित्र तिलक लगाया और संस्थान की मासिक पत्रिका भी भेंट किया. बहन रीना ने बताया कि रक्षा बंधन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सब इंस्पेक्टर सुमित साव सहित पुलिस के कई जवानों को राखी बांधी. साथ हीं मेडिटेशन और अध्यात्म से संबंधित कई ज्ञानवर्धक बातों से अवगत कराया. उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से पूरे श्रावण माह में दिव्य रक्षा बंधन कार्यक्रम किया जा रहा है. सब इंस्पेक्टर श्री साव ने कहा कि रक्षा बंधन भाई बहन का पवित्र त्योहार है जो एक दूसरे के प्रति विश्वास, प्रेम और त्याग का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि यह पवित्र रेशम का धागा अपने बहनों की रक्षा की बड़ी जिम्मेवारी से अवगत कराता है. जिसे हर भाई को निभानी चाहिए.

महिला किसानों ने अपनाई उन्नत खेती की तकनीक

हजारीबाग। महिला किसानों की आय में निरंतर वृद्धि एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विष्णुगढ़ प्रखंड के ग्यारह गांवों में स्वयंसेवी संस्था जन जागरण केन्द्र द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को पारंपरिक खेती से उन्नत वैज्ञानिक तकनीकों की ओर ले जाना है ताकि वे कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकें और उनकी आय में स्थायी रूप से वृद्धि हो सके। गांव की महिला किसानों ने बताया कि पारंपरिक खेती में जहां अधिक बीज, पानी और श्रम की आवश्यकता होती थी, वहीं अब वे कम संसाधनों में बेहतर फसल प्राप्त कर रही हैं। जन जागरण केन्द्र की टीम ने गांव-गांव जाकर न केवल प्रशिक्षण दिया, बल्कि खेतों में जाकर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया। जागरण केन्द्र की परियोजना समन्वयक मोतीलाल महतो ने बताया, ह बल्कि महिला किसानों को एक स्थायी आय और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है।

प्रखंड और कॉलेज में पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

मांडू। प्रखंड मुख्यालय एवं इंदिरा गांधी श्रमिक इंटर कॉलेज में विगत सोमवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा हुआ। प्रखंड सह अंचल कार्यालय में सीओ तृप्ति विजया कुजूर, एमओ बिमल कुमार बेदिया, प्रभारी कृषि पदाधिकारी विनता कुमारी, बीपीओ विजय कुमार सहित सभी कर्मियों ने दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। इस दौरान उमेश कुमार, प्रमोद कुमार, सूरज कुमार, शुभम कुमार, मनोज कुमार, राजकुमार साव, जानकी देव नायक, सरजू महतो समेत अन्य उपस्थित थे। वहीं इंदिरा गांधी श्रमिक इंटर कॉलेज में सचिव छोटे लाल साहू, संतोष कुमार एवं समस्त कॉलेज कर्मियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिबू सोरेन के परम दोस्त बुजुर्ग अधिवक्ता शिबू के नहीं रूक रहे हैं आंसू

हजारीबाग। झारखंड के पूर्व सीएम दिशोम गुरु शिबू सोरेन नहीं रहे। उनसे जुड़ी कई स्मृति आज भी जीवित है। लोग उन पलों को याद कर रहे हैं। जिससे गुरु जी जुड़े हजारीबाग के रहने वाले बुजुर्ग अधिवक्ता शिवकुमार शिबू है। जो उनके परम मित्र थे। शिबू सोरेन की मौत की जानकारी मिलने के बाद उनके आंख से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहा है। अपने दोस्त को यही कह रहे हैं कि वो भी उसे अपने साथ बुला लें।

रेलीगढ़ा लोकल सेल मजदूरों ने मजदूरी भुगतान को लेकर की सभा

गिद्दी। रेलीगढ़ा लोकल सेल में कार्यरत मजदूरों ने सोमवार को बकाया मजदूरी के भुगतान की मांग को लेकर विशाल जनसभा किया। सभा की अध्यक्षता अमृत राणा ने की। जबकि सभा को आरडी मांझी, राजेंद्र गोप, सुंदरलाल बेदिया, बहादुर बेदिया, भुवनेश्वर बेदिया, सूचित महतो, सुरेश बेदिया, कैलाश महतो, पन्नालाल महतो सईद अंसारी ने संबोधित किया। कहा 248 दंगल के हजारों मजदूर वर्षों से रेलीगढ़ा लोकल सेल में ट्रक लोडिंग करने की मजदूरी का भुगतान डीओ धारक और लिफ्टर करते हैं। जिसका मजदूरी फरवरी के बाद से बकाया है। जिससे मजदूरों के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। ऐसे में जो ट्रक लोकल सेल में लोडिंग के लिए जाएगा उसके पैसे का भुगतान करना होगा और जो नहीं देगा उसका ट्रक कांटा में ही रोक दिया जाएगा। इसके पहले झामुमो नेता शिबू सोरेन और मजदूर नेता मिथिलेश सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रख कर मजदूरों ने श्रद्धांजलि दी। सभा के दौरान जगदीश महतो, धनराज महतो, मनीष यादव, प्रभु गोप, रामकिशन मांझी, दिनेश बेदिया, फागू बेदिया, हकीम अंसारी जैनुल अंसारी, लालदेव महतो,यूनिस अंसारी, आजाद अंसारी सुखराम, शांति देवी, उषा देवी, रीना देवी, इतवारिया देवी, चांदनी देवी, बड़की देवी, चरकी देवी आदि उपस्थित थे।

विहिप के सदस्यों ने गोरहर थाना प्रभारी से किया शिष्टाचार मुलाकात

बरकट्ठा। गोरहर थाना के नव नियुक्त थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह के योगदान के पश्चात विश्व हिंदू परिषद शिलाडीह पंचायत के सदस्यों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने श्री सिंह को अंग वस्त्र तथा डायरी देकर सम्मानित किया ।थाना प्रभारी ने कहा आप सब इसी प्रकार मिलते जुलते रहे और जो भी समस्या हो हमसे डायरेक्ट संपर्क करें, थाने से संबंधित हर समस्या का समाधान करने का प्रयास करूंगा ।वहीं क्षेत्र में बढ़ते अपराधिक घटना और अन्य समस्या पर अंकुश लगाने की बात कही। मौके पर प्रखंड समरसता प्रमुख मुकेश पांडेय, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि राजकुमार गिरी, संतोष मंडल, दीपक पांडेय, मन्नू पांडेय के अलावे कई लोग उपस्थित थे।

भारी बारिश ने छीना आशियाना, मिट्टी का मकान हुआ धराशाई

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चेचकपी पंचायत के ग्राम हेठली डेबो निवासी तुलेश्वर सिंह, पिता माघे सिंह का मिट्टी से बना मकान मंगलवार को भारी बारिश के कारण पूरी तरह से ढह गया। लगातार हो रही बारिश ने कच्चे मकान की नींव को कमजोर कर दिया था, जिससे यह हादसा हुआ। मकान गिरने के बाद परिवार के सामने सिर छुपाने की जगह तक नहीं बची। तुलेश्वर सिंह के परिवार में छोटे-छोटे बच्चे भी हैं, जो अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। घटना की सूचना मिलते ही चेचकपी पंचायत की मुखिया रीता देवी ने मौके पर जाकर जायजा लिया और पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

सरस्वती शिशु मंदिर में विज्ञान सप्ताह का समापन

हजारीबाग। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, हजारीबाग में पच्चीस जुलाई से चल रहे विज्ञान सप्ताह का समापन हो गया। विद्यालय में पढ़ने वाले कक्षा अरुण से 12वीं कक्षा के भैया- बहनों ने क्रिया आधारित विज्ञान के विभिन्न गतिविधियों पर सात दिनों में पोस्टर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता विज्ञान प्रश्नोत्तरी वैज्ञानिक संवाद एवं विज्ञान के विभिन्न शब्दावली से संबंधित प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विज्ञान सप्ताह के समापन पर भैया बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आधुनिकता की गूंज में खो रही है बैलों की मीठी झंकार

धान रोपनी के समय महिलाओं का गीत गायब, मोबाइल में अब बजते हैं गीत

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। वर्तमान समय में जहां लोग सोशल मीडिया का काफी प्रयोग करने के कारण प्राचीन रीति रिवाज को भुलते जा रहे हैं, वहीं एक समय था जब खेतों में सुबह होते ही बैलों के गले में बंधी घंटियों की मधुर आवाज गूंज उठती थी और यह आवाज किसानों के जीवन का अटूट हिस्सा हुआ करता था । जो बताता था कि किसान अब हल बैल लेकर खेती, बाड़ी जोतने को तैयार हैं। लेकिन आज, उन घंटियों की खनक ट्रैक्टरों के शोर में कहीं दब सी गई है। अब खेतों में बैलों की जोड़ी नहीं शक्तिशाली ट्रैक्टर सरपट दौड़ते नजर आते हैं। यह बदलाव ग्रामीण भारत की कृषि पद्धति में आई एक बड़ी क्रांति का प्रतीक है। दशकों पहले, गाँव-गाँव में बैलों के बिना खेती की कल्पना नहीं की जा सकती थी। सुबह से शाम तक किसान अपने बैलों के साथ खेतों में पसीना बहाते थे। बैलों की चाल और उनकी शक्ति पर ही फसल की बुवाई और जुताई निर्भर करती थी। हर किसान अपने बैलों को परिवार के सदस्य की तरह मानता था, उनका ख्याल रखता था और उन्हें सजाता-संवारता था। लेकिन समय के साथ तकनीक ने कृषि क्षेत्र में अपनी जगह बनाई। ट्रैक्टर, जो पहले कुछ बड़े किसानों तक सीमित थे। अब छोटे और मझोले किसानों के लिए भी सुलभ हो गया है। ट्रैक्टर से कम समय में ज्यादा खेत जोते जा सकते हैं, और यह श्रम भी बचाता है। एक दिन में जितना काम एक ट्रैक्टर कर सकता है, उसे करने में बैलों की कई जोड़ियों को कई दिन लग जाते थे। नतीजतन, बैलों की संख्या में तेजी से कमी आई है। गाँव के हाटों में अब बैलों की खरीदारी पहले जैसी नहीं होती। कई युवा किसान तो शायद ही कभी बैलों से खेती करते देखें। उनका रुझान पूरी तरह से मशीनीकृत कृषि की ओर हो गया है। एक पुरानी परंपरा और एक विशेष संस्कृति भी धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है।आज जब कोई किसान अपने खेतों से गुजरता है तो उसे बैलों की घंटिया नहीं बल्कि ट्रैक्टर के इंजन की दमदार आवाज सुनाई देती है।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति का किया गया पुनर्गठन

कोलकाता के विक्टोरिया भवन की अनुकृति के रूप में होगा पंडाल

बरही । अगामी दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर समाजिक कार्यकर्ता रमेश ठाकुर की अध्यक्षता में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति गया रोड की बैठक संपन्न हुई. बैठक में बीते वर्ष के आय व्यय की विवरणी प्रस्तुत की गई. साथ ही इस वर्ष मनाए जाने वाले नवरात्रि पूजा की पवित्रता, भव्यता, पंडाल निर्माण, साज सज्जा, व्यवस्था आदि विभिन्न विंदुओं पर चर्चा की गई. निर्णय लिया गया कि इस वर्ष दुर्गा पूजा का पांडाल को कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल का रूप दिया जाएगा. कलश व विसर्जन यात्रा की भव्यता पर भी चर्चा हुई. इसके साथ हीं पूजा विधिवत व व्यवस्थित रूप से संपन्न करवाने के लिए दुर्गा पूजा समिति का पुनर्गठन किया गया. जिसमें सर्वसम्मति से एक बार फिर विधायक मनोज कुमार यादव को मुख्य संरक्षक, उदय केसरी को अध्यक्ष, बलराम केसरी को महासचिव, बिनोद केसरी को कोषाध्यक्ष बनाया गया. इसके साथ हीं पुरानी कमिटी में कुछ फेर बदलकर नई कमिटी का पुनर्गठन किया गया.

पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने जताया शोक

दो मिनट का मौन रखकर दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। चैम्बर ऑफ कॉमर्स की एक शोकसभा अध्यक्ष मोतीलाल अग्रवाल की अध्यक्षता में चैंबर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।सभा के दौरान मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को चिरशांति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। वक्ताओं ने दिशोम गुरु के निधन को झारखंड राज्य के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया और उनके योगदान को याद किया।मौके पर योगेन्द्र रोहिल्ला, प्रभात कुल्लुकेरिया,लखन प्रसाद,रिंकू अग्रवाल,पप्पू अग्रवाल,सुबास चौधरी,राजेश केशरी,अमित केशरी,पिंटू गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि देने व 7 अगस्त को शोकसभा आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

● **आयोजक :** झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रखंड कमेटी, बानो

बानो। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से बानो प्रखंड मुख्यालय स्थित ऊपर चौक के जयपाल सिंह मुंडा मैदान में दिनांक 7 अगस्त, गुरुवार को अपराह्न 2:00 बजे शोकसभा का आयोजन किया गया है।इस कार्यक्रम का आयोजन झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी, बानो द्वारा किया जा रहा है। कमेटी ने झामुमो के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, प्रबुद्ध जनों, गणमान्य व्यक्तियों और ग्रामीणों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर दिशोम गुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करें।शोकसभा में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। आयोजन को लेकर झामुमो कार्यकर्ताओं में गहरी संवेदना एवं तैयारियों को लेकर सक्रियता देखी जा रही है।

शिबू सोरेन को जिला कांग्रेस कमेटी ने दी श्रद्धांजलि प्रिंस चौक कार्यालय में आयोजित हुई शोकसभा

सिमडेगा। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी सिमडेगा की ओर से प्रिंस चौक स्थित जिला कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस शोकसभा का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष डेविड तिर्की ने किया। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत नेता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। उपस्थित नेताओं व कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की ने कहा कि, "शिबू सोरेन जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड आंदोलन के शिल्पकार थे। उनके निधन से राज्य की राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है। वे दलित, आदिवासी एवं पिछड़े वर्गों की आवाज थे और महाजनी प्रथा के खिलाफ उनका संघर्ष सदैव प्रेरणादायी रहेगा।कार्यक्रम के दौरान कोलेबिरा प्रखंड कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष कालरा डुंगडुंग के आकस्मिक निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया गया। उनकी आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से जोनसन मिंज, समी आलम, कौशल किशोर रोहिल्ला, सामरोम पॉल टोप्पनो, पुष्पा कुल्लू, नामिता बा, रणधीर रंजन, शिशिर मिंज, रावेल लकड़ा, तिलका रमण, जमीर खान, असफाक आलम, अजित लकड़ा, बिपिन पंकज मिंज, सुनील खड़िया, नवीन बिरेन तिर्की, राकेश कोंगाड़ी, भूषण राम, सुषमा कुजूर, पूनम एक्का और शाहबाज अली समेत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

झारखंड के सपूत को अंतिम जोहार : सिमडेगा जिला पंचायत शिफ्टेड वीएलई ने शोकसभा कर दी श्रद्धांजलि

● अलबर्ट एक्का स्टेडियम में आयोजित हुआ श्रद्धांजलि कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड आंदोलन के महानायक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सिमडेगा जिला पंचायत शिफ्टेड वीएलई संघ की ओर से अलबर्ट एक्का स्टेडियम में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।सभा में उपस्थित सभी वीएलई प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन का जाना झारखंड के लिए एक युग का अंत है। उन्होंने जीवन भर आदिवासियों के अधिकार और राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष किया।वीएलई संघ के प्रदेश सचिव एवं मुखिया शिशिर टोप्पो ने कहा, "दिशोम गुरु हमारे लिए सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि प्रेरणा के स्रोत थे। उन्होंने जो आंदोलन छेड़ा, उसी का परिणाम आज झारखंड राज्य है। उनका निधन अपूरणीय क्षति है।सभा में यह भी कहा गया कि स्वर्गीय शिबू सोरेन के आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राज्य के विकास में सहयोग देना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्षगण तथा सिमडेगा जिले के सभी पंचायत शिफ्टेड वीएलई प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को खिलाड़ियों व पदाधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड के महान जननायक, झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर है। इसी क्रम में सिमडेगा जिला के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल पदाधिकारियों की ओर से एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।शोकसभा में हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ियों, कोचों, खेल संघों के पदाधिकारियों एवं खेल प्रेमियों ने भाग लिया। उपस्थित सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने भी दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन न केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व थे, बल्कि झारखंड की अस्मिता, पहचान और अधिकार की लड़ाई के प्रतीक थे।ज्ञात हो कि दिशोम गुरु का निधन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद हुआ। राज्य सरकार ने उनके सम्मान में तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है तथा दो दिन तक सभी सरकारी कार्यालय बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लोगों तक पहुंचाए,हर घर मे लहरे तिरंगा-बबन गुप्ता

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है। इसी क्रम में भाजपा कार्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने की। स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रवाद की भावना को लेकर अनेक कार्यक्रम करते हैं, जिनमें तिरंगा यात्रा भी शामिल है।कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी बबन गुप्ता ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य साहस और पराक्रम को लोगों तक पहुँचाएंगे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पहलगाम आतंकवादी घटना का भारतीय सेना ने बदला लिया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया और उनके अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया, वह भी बिना किसी नागरिक को क्षति पहुँचाए। इस कार्रवाई में मेक इन इंडिया और स्वदेशी निर्मित हथियारों का उपयोग कर दुश्मन देश के दांत खट्टे कर दिए गए। इस पराक्रम को पूरी दुनिया ने देखा।भाजपा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह ने कहा कि भाजपा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। मंडल स्तर तक यह यात्रा निकाली जाएगी और घर-घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की शान है, जो पूरे भारत को एक सूत्र में बाँध कर रखता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र है "राष्ट्र प्रथम", और इसी भावना को अपनाकर हम सब अपने वीर जवानों के सम्मान और देश की गौरव गाथा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए तिरंगा यात्रा निकालेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत हर क्षेत्र में विकसित देशों को टक्कर दे रहा है, चाहे वह सुरक्षा का मामला हो या अर्थव्यवस्था का।इससे पूर्व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं वंदे मातरम् गान से कार्यक्रम की शुरुआत की गई।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री दीपक पुरी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव ने किया।कार्यशाला को महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुषमा देवी, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू एवं दुर्गविजय सिंहदेव ने भी संबोधित किया।

जितुटोली मिशन परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित, 15 लोगों की हुई जांच

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड अंतर्गत जितुटोली मिशन परिसर में बुधवार को एल.वी. प्रसाद नेत्र अस्पताल, राजगांगपुर के सहयोग से एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 15 लोगों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया।नेत्र जांच शिविर में दृष्टि तकनीशियन कल्पना किशन, इतिश्री सेठी, संतोष समल, दृष्टि केंद्र समन्वयक अजय कुजूर एवं फील्ड असिस्टेंट जिमी धनवार ने मरीजों की जांच की और उचित परामर्श दिया।इस अवसर पर फादर अजित पॉल केरकेट्टा, फादर अरविंद खाखा समेत मिशन परिसर के अन्य पदाधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।नेत्र जांच शिविर के आयोजन से ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में ऐसे शिविरों की निरंतरता की मांग की।

सड़क किनारे खेत में मिला ग्रामीण का शव, क्षेत्र में सनसनी

नवीन मेल संवाददाता। कुरडेग। थाना क्षेत्र के डूमरडीह नावाटोली गांव में बुधवार की शाम एक ग्रामीण का शव सड़क किनारे खेत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कोरनिलियुस केरकेट्टा पिता सिमोन केरकेट्टा, निवासी नावाटोली डूमरडीह के रूप में की गई है।जानकारी के अनुसार, मृतक दोपहर करीब 12 बजे घर से निकला था, जबकि उसकी पत्नी धान रोपनी के लिए खेत गई हुई थी। शाम करीब 5 बजे गांव के कुछ चरवाहों ने शव को गांव से कुछ दूरी पर सड़क किनारे खेत में पड़ा देखा और तत्काल ग्रामीणों को सूचना दी।घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत के मुखिया धनेश्वर साय मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव की सूचना कुरडेग पुलिस को दे दी गई थी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है।मृतक की मौत के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, वहीं परिजन शोक में डूबे हुए हैं।

महाबुआंग थाना में स्वतंत्रता दिवस को लेकर हुई बैठक

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के महाबुआंग थाना में स्वतंत्रता दिवस को लेकर शांति समिति की बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी अमरनाथ कुमार सोनी ने किया।इस अवसर पर थाना क्षेत्र के ग्रामीण उपस्थित रहे।बैठक में स्वतंत्रता दिवस सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया।बैठक मे थाना प्रभारी ने स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी ली गई।बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी अमरनाथ कुमार सोनी ने कहा कि देश की आजादी का पर्व हम सभी कोई खुशी पूर्वक मनाएं।पर्व के दौरान बाइकर और बाइक स्टंट करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।10 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक विशेष रूप से वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा।बिना हेलमेट,बगैर लाइसेंस,एवं तेज गति से वाहन चलाने वालों पर नकेल कसा जाएगा।उस दिन विशेष रूप से वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे।उन्होंने कहा कि शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी कोई आजादी का पर्व मनाएं। इस दौरान कहीं भी किसी प्रकार का मामला होता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।पुलिस प्रशासन आपके सहयोग के लिए सदैव तत्पर है इस अवसर पर पुअनि रणधीर कुमार सिंह, सअनि कमल कच्छप, सत्येंद्र ओहदार, प्रवीण मुकुल तोपनो, जेवियर तोपनो, कलिंदर बड़ाइक, राज नाग लोहरा,डोमन साहू, सुजित जोजो, अमित पाइक, कुलेश्वर सिंह, के अलावा अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

अखंड हरि | सावन एकादशी के मौके पर तामड़ा में 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन शुरू

सावन एकादशी पर तामड़ा में अखंड हरि कीर्तन शुरू

● "हरे राम, हरे कृष्ण" के जयघोष से क्षेत्र में भक्ति का संचार

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सावन एकादशी के मौके पर मंगलवार को तामड़ा में 24 घंटे का अखंड हरी कीर्तन शुरू हो गयी। अखंड हरी कीर्तन की शुरुआत से पूर्व शिव मंदिर स्थित तालाब से विधिवत कलश पूजन के पश्चात अधिवास पूजन हुआ ।जहां पर पुजारी विश्वनाथ मिश्र के द्वारा सभी प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान पूरा कराया ,जबकि यजमान के रूप में श्याम केशरी ने भूमिका निभाई। वही अधिवास के पश्चात अखंड हरी कीर्तन प्रारंभ हुआ जहां पर तामड़ा, भेलवाडीह, टापूडेगा सिकरियाटांड़ ,आधारिखमन, कुम्हारटोली सहित आसपास के कई गांव की कीर्तन मंडली अखंड हरी कीर्तन में शामिल होंगेजहां पर हरे राम हरे कृष्ण के जय घोष के साथ पूरे क्षेत्र का माहौल भक्ति में बना हुआ है। जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष अशोक केशरी ने बताया कि सैकड़ो वर्षों से तामड़ा गांव में सावन एकादशी के मौके पर अखंड हरी कीर्तन का आयोजन किया जाता है जिसके तहत अच्छी बारिश अच्छी फसल की कामना की जाती है ताकि गांव में अन्न धन परिपूर्ण रहे।इधर बुधवार को अखण्ड हरिकीर्तन के समापन पर हवन पूजन के बाद नगर भ्रमण किया जाएगा जहा धार्मिक गीतों पर पूरे गांव में भ्रमण एवं ब्रह्मण भोजन के पश्चात भण्डारे का आयोजन जाएगा। जहां पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धलुओं ने प्रसाद ग्रहण करेंगे। इधर कार्यक्रम को सफल बनाने में छटकु केशरी, विजय केशरी, राजेन्द्र केशरी, मनोज केशरी, जट्टू सिंह, विकास साहू, सुंदर साव,सुरेश साव, सुबास साव,सन्दीप केशरी, हरेराम केशरी, विक्की केशरी पिंटू केसरी, दिलीप केसरी,अशोक गुप्ता ,पुनीत साव, प्रकाश केशरी पंकज केशरी, मोहन केशरी, सहित गांव के सभी गण्यमान्य एवं युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

टुकुपानी देवी गुड़ी शिव मंदिर में रुद्राभिषेक संपन्न

ठेठईटांगर। सिमडेगा जिला सुड़ी संघ के तत्वावधान में टुकुपानी देवी गुड़ी शिव मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक विधिपूर्वक संपन्न हुआ। धार्मिक वातावरण में सम्पन्न हुए इस अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।रुद्राभिषेक कार्यक्रम में यजमान की भूमिका अंजु रंजन, अमित रंजन, सोनी देवी, सत्यनारायण साहू, खुशबू प्रसाद एवं राहुल प्रसाद ने निभाई। वहीं, अनुष्ठान की विधि पुरोहित अनुराग पाठक द्वारा संपन्न कराई गई।पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

न्यूज बॉक्स

जितुटोली आरसी चर्च में संत मेरी जॉन वियन्नी का पर्व मनाया गया

बानो। प्रखण्ड के जितुटोली आरसी चर्च में संत मेरी जॉन वियन्नी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में फादर अजित केरकेट्टा व विशिष्ट अतिथि के रूप में फादर अरविंद खाखा,फादर जोसेफ टेटे उपस्थित थे।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर जितुटोली पल्ली के महिला संघ और युवा संघ के सदस्यों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।इससे पूर्व जितुटोली आरसी मिशन चर्च में विशेष मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया।यहां फादर अरविंद खाखा,अजित पोल केरकेट्टा और फादर जोसेफ टेटे ने मिस्सा अनुष्ठान संपन्न कराया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सेंट जॉन मेरी बियानी का जीवन दृढ़ संकल्प आस्था और ईश्वर के प्रति विश्वास रखने के बारे सिखाता है उन्होंने कहा कि ईश्वर में विश्वास रखने वाला हर बाधा को पार कर सकता है हमें प्रेम और विनम्रता के साथ जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए उन्होंने कहा कि संत मेरी जॉन वियन्नी कलीसिया समुदाय के लिए प्रेरणादायक है उनके जीवनी से हमें प्रेरणा लेने चाहिए और अपने जीवन में उतारना चाहिए।विशिष्ट अतिथि ने कहा कि हम संत मेरी जॉन बियानी का पर्व विद्यालय दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देकर बच्चों का सर्वांगीण विकास करने का प्रयास करते हैं उन्होंने कहा कि संत मेरी जोन बियानी हमारे लिए आदर्श हैं उनकी जीवनी को अपनी जीवन में उतारना चाहिए।स्वागत भाषण पियुश लुगुन,कार्यक्रम का संचालन लोरेंस कंडुलना और धन्यवाद ज्ञापन फादर अरविंद खाखा ने किया।इस अवसर पर हॉकी और फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। जिसमें बालक वर्ग के बीच हॉकी मैच और बालिका वर्ग के बीच फुटबॉल मैच खेला गया। बालक वर्ग के हॉकी का उद्घाटन मैच कटिका और डेरा की टीम के बीच खेला गया जिसमें 2-1 से कटिका की टीम विजयी रही।वहीं बालिका वर्ग के फुटबॉल का उद्घाटन मैच बोरोसेता और ओल्हान की टीम के बीच खेला गया जिसमें ओल्हान की टीम पेनाल्टी शूटआउट में 5-2 से विजयी हुई।कार्यक्रम को सफल बनाने में फादर अरविंद खाखा,जोसेफ टेटे, अध्यक्ष सुचिता सुरिन,शांति बिलुंग,मुनुरेन,सिस्टर सुप्रियर एलिज़ाबेथ,सिस्टर सोफिया,सिस्टर पुष्पा,सिस्टर सुचिता सुरिन,इश्दोर कंडुलना,प्रदीप बिलुंग,मरियानुस सुरिन,दिव्या सुरिन,काथलिक सभा अध्यक्ष पियुश लुगुन,एफरेंस कंडुलना,मसीह दास सुरिन,युवा संघ अध्यक्ष निर्मल मिंज,संदीप सुरिन,सिम्हातु मुखिया लोरेंस बागे,विमला सुरिन,सचिन सुरिन,राहुल तोपनो,स्वर्णलता बागे,नीलम तोपनो,संजय बागे सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं और महिला संघ एवं युवा संघ के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।रेफरी की भूमिका बंधन तोपनो और भूषण मिंज ने निभाई। फाइनल मैच 15 अगस्त को खेला जाएगा।

26वां वीर शहीद थॉमस सोरेगं फुटबॉल टूर्नामेंट आज से आरंभ, 3 मुकाबलों का होगा आयोजन

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के कारण टूर्नामेंट था स्थगित

सिमडेगा। स्थानीय अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में चल रहे 26वें वीर शहीद थॉमस सोरेगं फुटबॉल टूर्नामेंट का खेल कार्यक्रम, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब टूर्नामेंट का आयोजन 6 अगस्त (बुधवार) से पुनः प्रारंभ किया जा रहा है।खेल सचिव मोनू बड़ाईक ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को तीन मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मैच प्रातः 11 बजे जयदुर्गा फुटबॉल क्लब, सुंदरगढ़ और सिमडेग टाइगर क्लब, सिमडेगा के बीच खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला दोपहर 1:30 बजे संत जोन्स, रांची और अल्फतेह फुटबॉल क्लब, टी टाँगर के बीच होगा। वहीं तीसरा एवं निर्णायक मुकाबला सायं 4 बजे उपरोक्त दोनों मैचों की विजेता टीमों के बीच खेला जाएगा।उन्होंने सभी टीमों, आयोजन समिति के सदस्यों और खेल प्रेमियों से समय पर स्टेडियम पहुंचने की अपील की है ताकि सभी लोग इन रोमांचक मुकाबलों का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट जिले के युवाओं के उत्साह का प्रतीक है और दर्शकों की भागीदारी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगी।

श्री गणिनाथ गोबिंद जी का महोत्सव 23 अगस्त को, समाज में एकजुटता पर जोर

सिमडेगा। स्थानीय उपकार रेस्ट हाउस में मंगलवार को मधेशीय (हलवाई) कानू समाज की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष बजरंग प्रसाद सेवई ने की। बैठक में इस वर्ष भी परंपरा के अनुसार कुल देवता श्री श्री 1008 गणिनाथ गोबिंद जी का महोत्सव भव्य रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया।बैठक में तय किया गया कि यह महोत्सव 23 अगस्त 2025 (भादो का दूसरा शनिवार) को पूरे धूमधाम से संपन्न किया जाएगा। इस अवसर पर बाबा का पूजन एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले भर से समाज के लोग भाग लेंगे।बैठक में समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, एकता बनाए रखने तथा समाज को संगठित व सशक्त करने पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को संस्कार और संगठन की भावना देना समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है इस अवसर पर ओम प्रकाश साहू, रविंद्र प्रसाद, अनिल प्रसाद, हरीश चंद्र गुप्ता, दुर्गा प्रसाद, निरंजन प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, अजय प्रसाद, सुनील प्रसाद, बजरंग प्रसाद एवं जवाहर प्रसाद समेत समाज के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।

अदालत आने वाले लोगों की सुविधा के लिए लगाया वाटर कुलर

सिमडेगा। अदालत आने वाले लोगों की सुविधा के लिए वाटर कुलर लगाया गया है। जहां लोग शीतल पेय का लाभ उठा सकते हैं। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार सिन्हा ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा न्यायालय परिसर में लगाए गए वाटर कूलर का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीडीजे ने कहा कि कोर्ट आने वाले आम जन और अधिवक्ताओं के लिए ठंडा पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए लगाए गए वाटर कुलर का लाभ लोग उठाएं। पीडीजे ने वाटर कुलर उपलब्ध कराने वाले संस्थान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी वर्गों को समाज सेवा में योगदान देना चाहिए। किसी को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। मौके पर एडीजे नरंजन सिंह,सीजेएम निताशा बारला,प्राधिकार सचिव मरियम हेमरोम,एसडीजेएम सुमी बीना होरो,न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सुभाष बाड़ा सहित कई न्यायालयकर्मी मौजूद थे।

सावन माह के अंतिम चरण में भंडरा के प्रसिद्ध शिवालयों में उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। सावन की अंतिम माह के कारण आजकल शिव मंदिरो में ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। जैसे जैसे सावन माह समाप्ति की ओर जा रही है वैसे वैसे भक्तों का उत्साह और बढ़ता जा रहा है। इस क्रम में भंडरा के अखिलेश्वर धाम में मंगलवार को भी बहुत भीड़ देखी गई। प्रखंड के ऐतिहासिक अखिलेश्वर धाम मे सुबह से ही शिवालयों में शिवभक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। खासकर महिलाओं में पूजा-अर्चना को लेकर काफी उत्साह देखा गया। भंडरा स्थित अखिलेश्वर धाम समेत चट्टी, कुम्हारिया, भौरो सेमरा आदि गावों के शिवालयों में दिनोंभर शिवभक्तों का तांता लगा रहा। इस दौरान महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने शिवालय पहुंचकर भगवान भोलेशंकर पर फल, फूल, नैवेद्य, भांग, धथुरा, बेलपत्र आदि चढ़ाकर पूजा-अर्चना किया। इसके साथ ही शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपने पूरे परिवार की मंगल कामना की। पूजन के दौरान शिवभक्त हर-हर महादेव के जयकारे लगा रहे थे। अखिलेश्वर धाम मे हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। प्रखंड से लेकर गांव तक लोग शिव की भक्ति में लीन दिखे। पूजन को लेकर भंडरा अखिलेश्वर धाम, देशवाली, कसपुर के कारू मठ, नकटी महादेव, ओखर डीपा, बेल डीपा, चट्टी के महादानी महादेव समेत ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में दिनोंभर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही।

हीरोडीह स्टेशन पर संरक्षा शिविर का आयोजन

कोडरमा। हीरोडीह रेलवे स्टेशन पर संरक्षा जागरुकता को लेकर एक संरक्षा सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्टेशन अधीक्षक विकास चंद्र यादव ने की, जबकि आयोजनकर्ता धर्मेंद्र कुमार, स्टेशन अधीक्षक (हीरोडीह) थे। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में यातायात निरीक्षक (परिचालन), कोडरमा अरविंद कुमार सुमन उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए सुमन ने मानवीय त्रुटियों के कारण होने वाली रेल दुर्घटनाओं को रोकने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने हाल ही में न्यू गिरिडीह-कोडरमा रेलखंड में हुई मालगाड़ी दुर्घटना पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे हादसे नियमों की अनदेखी के कारण होते हैं, जिनसे सभी रेलकर्मियों को सीख लेनी चाहिए।v धर्मेंद्र कुमार, रोहित कुमार (सिग्नल मेंटेनर) सहित कई अन्य रेलकर्मी भी उपस्थित थे। सभी ने अपने विचार साझा करते हुए संरक्षा नियमों के पालन की महत्ता पर बल दिया।

झरिया-बलियापुर मुख्य सड़क जोरदार आवाज के साथ धंसी

अलकडीहा। झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग घनुडीह के लालटेनगंज के समीप विगत सोमवार की सुबह जोरदार आवाज के साथ दो-तीन फीट धंस गई। मुख्य सड़क पर कई स्थानों पर दरारें पड़ गई हैं। सड़क धंसते ही आसपास के ग्रामीण जुट गए। तत्काल कुजामा प्रबंधन को सूचना दी गई। पीओ संजीव कश्यप घटनास्थल पहुंचे। सड़क का जायजा लिया। जिस स्थान पर सड़क धंसी है, उसकी फेंसिंग करा दी गई है। फिलहाल बड़े वाहनों के आने पर रोक लगा दी गई है। इस घटना के बाद से उस रास्ते से गुजरनेवाले लोगों में भय का माहौल है। कभी भी जमींदोज होने की घटना घट सकती है। ग्रामीणों ने प्रबंधन से मांग की है कि सड़क की ठोस तरीके से मरम्मत कराई जाए ताकि भविष्य में कोई घटना न हो। कहा कि सड़क निर्माण में एक एमएम की पाइप व 32 एमएम का रॉड लगा होता तो इस तरह की घटना नहीं होती। इधर कुजामा प्रबंधन का कहना है कि पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। बताते हैं कि झरिया-बलियापुर स्टैंड से लेकर बलियापुर चौक तक की 11 किलोमीटर मुख्य सड़क का निर्माण वर्ष 2024 में 44 करोड़ की लागत से हुआ था। इसका निर्माण पथ निर्माण विभाग ने कराया था, लेकिन आज मोहरीबांध, लालटेनगंज, दुर्गापुर, गोलकडीह आदि स्थानों पर मुख्य मार्ग में दरारें देखी जा सकती हैं। एक साल हुए नहीं कि सड़क की स्थिति काफी खराब हो गई है। लोगों का कहना है कि लालटेनगंज और मोहरीबांध पूरी तरह से अग्नि प्रभावित क्षेत्र है। आशंका है कि बरसात के दिनों में पानी जमीन के अंदर प्रवेश करने से मिट्टी धंसी होगी और सड़क धंस गई। लोगों ने आरोप है कि सड़क की गुणवत्ता अच्छी नहीं होने से यह धंस गई।

न्यूज बॉक्स

सड़क दुर्घटना में घायल एक और महिला की मौत

गावां गिरिडीह। बीते रविवार को गावां सतगावां सड़क दुर्घटना में घायल पूनम देवी की मौत हो गई। गौरतलब हो कि विगत रविवार को मल्हेत गांव की 5 महिलाएं धान रोपने के लिए घर से कुछ दूरी पर जा रही थी। इस दौरान भुताही पुल के पास एक गैस टैंकर के चपेट में आने से 5 महिलाएं घायल हो गई थी। सभी को आनन फानन में गावां सीएचसी ले जाया गया था। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद बसमतिया देवी को मृत घोषित कर दिया था। वहीं गंभीर रूप से घायल पूनम देवी, उषा देवी एवं सुगिया देवी को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया था। मंगलवार को पूनम देवी पति गुड्डू रजवार की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पूनम का इलाज रांची रिम्स में किया जा रहा था। स्थिति में सुधार नही होने पर परिजन इलाज के लिए वहां से बाहर ले जा रहे थे। ले जाने के क्रम में महिला की मौत हो गई। महिला के मौत के बाद परिजनों में मातम छा गया। मृतक को चार छोटे छोटे बच्चे है। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह घटना स्थल पर पहुँचे व शव को अपने कब्जे में ले लिया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मुन्ना सिंह, जिप सदस्य पवन चौधरी, कोंग्रेस नेता मरगूब आलम भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद, बलदेव तुरी, झामुमो युवा मोर्चा शुभम भानु, मनोज रजवार व चुन्नू सिंह आदि लोगों ने ढाढस बंधाया।

बाइक स्कूटी के टक्कर में दो जख्मी किया गया स्वास्थ्य केन्द्र रेफर

गावां गिरिडीह। गावां थाना क्षेत्र के गदर पावर ग्रिड के पास मंगलवार को बाइक स्कूटी के आमने सामने टक्कर में दो लोग घायल हो गए। नाज़नीन प्रवीण पिता मो मोईनुद्दीन व कारू तुरी पिता तोती तुरी दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था मे दोनो को गावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां डॉ काजिम खान द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि नाजनीन प्रवीण माल्डा से कहुवाई अपना घर जा रही थी। वहीं कारू तुरी खरसान से गावां की और आ रहा था। इसी दौरान दोनों का आपस मे टक्कर हो गया।

बाईक और गैस टैंकर की टक्कर में बाइक सवार की मौत

डुमरी। निमियाघाट थाना क्षेत्र के प्रतापपुर के समीप जीटी रोड पर मंगलवार को बाईक और गैस टैंकर की टक्कर में बाइक सवार की मौत हो गयी। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये गिरिडीह भेज दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि कोडरमा के मरकच्चो स्थित योगी टांड़ निवासी सन्तोष मोदी का पुत्र राहुल कुमार 22 वर्ष बाईक से धनबाद जा रहा था। इसी दौरान प्रतापपुर के समीप उसी दिशा की ओर जा रही एक गैस टैंकर के पीछे बाईक जा टकराई। इस दुर्घटना में राहुल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के सहयोग से स्थानीय लोगों ने घायल को पास के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिये ले गए जहां उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पर मृतक के परिजन थाना पहुंच गए थे। उनका रो-रोकर बुरा हाल था।

झारखंड की आत्मा को मिले सम्मान, गुरुजी को मिले भारत रत्न: मंत्री इरफान अंसारी

रांची। स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बयान जारी करते हुए भारत सरकार से आग्रह किया है कि दिशुम गुरु शिबू सोरेन को "भारत रत्न" से सम्मानित किया जाए।

डॉ. अंसारी ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि एक आंदोलनकारी, एक जननायक और करोड़ों आदिवासियों के अधिकारों की आवाज रहे हैं। उनका जीवन जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को समर्पित रहा है। उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित कर उनके हक और हुकूक की रक्षा की, और झारखंड राज्य के गठन में निर्णायक भूमिका निभाई।डॉ. अंसारी ने कहा कि झारखंड आंदोलन के स्तंभ गुरुजी ने वर्षों तक संघर्ष कर झारखंड राज्य की मांग को देशव्यापी मुद्दा बनाया और अलग राज्य की नींव रखी। उन्होंने संसाधनों पर आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और जल-जंगल-जमीन की रक्षा को अपना जीवन मिशन बनाया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक के रूप में उन्होंने सामाजिक न्याय, समता और स्वाभिमान की राजनीति को दिशा दी। डॉ. अंसारी ने कहा कि भारत रत्न सिर्फ एक सम्मान नहीं, बल्कि यह उस विरासत का मूल्यांकन है जिसने देश के एक बड़े हिस्से को उसकी पहचान और अधिकार दिलाया। दिशुम गुरु का जीवन और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है, और उनका सम्मान पूरे झारखंड के सम्मान से जुड़ा है। गुरुजी को भारत रत्न देना न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश के आदिवासी समाज को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बीएसएल से जुड़े मुद्दों को लेकर सांसद मिले केंद्रीय इस्पात मंत्री से

बोकारो। धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने मंगलवार को केंद्रीय इस्पात मंत्री एचडी कुमार स्वामी से मुलाकात कर गरगा डैम और सिटी पार्क को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ये स्थल प्राकृतिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके पुनरूद्धार से क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने वर्तमान में बीएसएल प्लांट की उत्पादन क्षमता मात्र 5 मिलियन टन से 10 मिलियन टन करने की मांग की। सांसद ने ठेका श्रमिकों के लिए ईएसआईसी बीमा में न्यूनतम वेतन सीमा की बाध्यता हटाने, ग्रुप स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने और उनके लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने की बात रखी। उन्होंने कहा कि ये श्रमिक स्थायी कर्मियों के समान काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती। इसके अलावा सांसद ने बोकारो जनरल अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों, आधुनिक उपकरणों, और सुपर स्पेशिलिटी विंग की स्थापना की मांग की।

अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में खिलाड़ियों का जलवा 74 पदक जीतकर नाम रोशन किया

हजारीबाग। खेल के क्षेत्र में हजारीबाग महत्वपूर्ण स्थान बनाता जा रहा है. क्रिकेट, फुटबॉल के बाद कराटे में खिलाड़ी अपना परचम लहरा रहे हैं. पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित सेसिनकाई कराटे संघ अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में हजारीबाग के 74 खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेडल प्राप्त किए हैं. कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित सेसिनकाई कराटे संघ अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में हजारीबाग के 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया था. जिसमें खिलाड़ियों ने 15 स्वर्ण, 19 रजत और 40 कांस्य पदक जीते हैं. यह हजारीबाग के लिए बड़ी उपलब्धि है. एक टूर्नामेंट में शामिल 80 में से 74 खिलाड़ियों ने पदक जीता है. आपको बता दें कि इस टूर्नामेंट में विश्व के 6 देशों से 7000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था. प्रतियोगिता में हजारीबाग के जूनियर से लेकर सीनियर खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया है. टूर्नामेंट में 6 साल के खिलाड़ियों से लेकर 18 साल के खिलाड़ियों ने मेडल जीता है. इस संबंध में मुख्य प्रशिक्षक शिहान उदय कुमार ने बताया कि यह हजारीबाग के लिए बड़ी उपलब्धि है. एक साथ बहुत सारे खिलाड़ियों ने इंटरनेशनल प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया है. इसके लिए खिलाड़ियों ने पिछले चार महीने से जी तोड़ मेहनत की थी. जिन खिलाड़ियों ने अभी गोल्ड मेडल जीता है वह आगे चलकर सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और मलेशिया में जाकर प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे. पदक जीतने में सबसे अधिक बालिका प्रतिभागी हैं.

मवेशी को बचाने तालाब में उतरे शख्स की हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

तिसरी (गिरिडीह)। तालाब में डूबे मवेशी को निकालने के लिए पानी में उतरा शख्स खुद पानी की गर्त में समा गया, जिससे उसकी मौत हो गई.घटना गिरिडीह जिले के तिसरी थाना अंतर्गत खिजुरी पंचायत के बलियारी गांव की है. मिली जानकारी के अनुसार यहां सोमवार की दोपहर मंगरू मुर्मू नामक व्यक्ति तालाब के पास मवेशियों को चरा रहा था. इसी दौरान एक मवेशी तालाब में चला गया, मवेशी को पानी में डूबता देख मंगरू अपने छाते,कपड़े और हाथों में पकड़ी लाठी को किनारे पर रखकर उस मवेशी को निकालने के लिए पानी में चला गया. जिसके बाद वह मवेशी तो बाहर निकल गया लेकिन मंगरू पानी की गर्त में समा गया. हालांकि शाम तक इस घटना की जानकारी किसी को नहीं हुई. शाम होने पर सारे मवेशी घर लौट गए लेकिन मंगरू नहीं आया. तब परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की. पूछताछ के क्रम में पता चला कि वह तालाब के पास मवेशी चरा रहा था, जिसमें से एक मवेशी पानी में चला गया था. लोगों ने तालाब के पास जाकर देखा तो मंगरू का छाता, लाठी और कपड़े किनारे पर रखे हुए थे. स्थानीय लोगों ने तालाब में रस्सी और जाल के सहारे उसकी खोजबीन शुरू की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला. मंगलवार को घटना की जानकारी मिलने पर तिसरी थाना प्रभारी रंजय कुमार भी दल बल के साथ वहां पहुंचे और स्थानीय तैराकों की मदद से पुनः उसकी खोजबीन शुरू करवाई.जिसके बाद उसका शव पानी से निकाला गया.शव निकलते ही परिजन दहाड़े मारकर रोने लगे, मृतक मंगरू अविवाहित था. उसके भाई भतीजा ही उसकी देखभाल करते थे. इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

जर्जर सड़क को दो पंचायतों के मुखिया ने मिलकर की मरम्मत

खलारी। पतरातू-मैकलुस्कीगंज मुख्य मार्ग पर खलारी चूरी क्षेत्र में गड्ढों से भरी 300 मीटर लंबी अधूरी सड़क पिछले कई वर्षों से हजारों लोगों के लिए सिरदर्द बनी हुई थी। आए दिन हो रही दुर्घटनाएं, कीचड़ और पानी से भरे गड्ढों में राहगीरों का फंसना, और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया। अंततः मंगलवार को बमने पंचायत के मुखिया शिवनाथ मुंडा और चूरी दक्षिणी पंचायत के मुखिया मलका मुंडा ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए ग्रामीणों के सहयोग से इस सड़क की अस्थायी मरम्मत कराई। उल्लेखनीय है कि यह सड़क हाईवे अथारिटी आफ झारखंड (साज) द्वारा बनाई जा रही थी। लेकिन चूरी होयर क्षेत्र में लगभग 300 मीटर और टंडवा प्रखंड के बचरा बस्ती के पास लगभग 500 मीटर हिस्सा भूमि विवाद के कारण अधूरा छोड़ दिया गया। बीते पांच वर्षों से ग्रामीण लगातार निर्माण की गुहार लगाते रहे, पर सरकार और संबंधित एजेंसियों की चुप्पी ने उन्हें निराश किया। इस वर्ष हुई भारी वर्षा ने सड़क की हालत और भी दयनीय कर दी। जगह-जगह गड्ढों में भरे पानी से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया, जिससे खलारी से बमने होते हुए रांची जाने वाले लोगों और राय, बमने व चूरी दक्षिणी पंचायत क्षेत्र से प्रखंड मुख्यालय आने वाले ग्रामीणों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए बमने व चूरी दक्षिणी पंचायतों के मुखियाओं ने आगे आकर इसकी मरम्मती कराई। हालांकि, यह मरम्मत कार्य एक तात्कालिक राहत है। स्थानीय ग्रामीणों और प्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की है कि सड़क निर्माण का शेष कार्य अविलंब पूरा कराया जाए, ताकि जनता को स्थायी समाधान मिल सके। सहयोग करने वालों में मनोज बैठा, सोनू यादव, अमित यादव, संजय महतो, कृष्ण कुमार, तारकेश्वर यादव सहित कई स्थानीय युवा शामिल हैं।

धनबाद नर्सिंग होम ने दिया डायलिसिस मरीजों को एक हफ्ते का वक्त

धनबाद। धनबाद नर्सिंग होम ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत योजना के तहत डायलिसिस कराने वाले मरीजों को एक सप्ताह की मोहलत दी है। मरीजों के साथ सोमवार को हुई बैठक में स्पष्ट कर दिया कि 9 अगस्त तक आयुष्मान के बकाए पैसे का भुगतान नहीं हुआ तो वह निशुल्क डायलिसिस बंद कर देगा। बता दें कि धनबाद नर्सिंग होम जिले में एक मात्र प्राइवेट अस्पताल है, जो आयुष्मान के मरीजों का कैशलेस डायलिसिस कर रहा है। आयुष्मान के तहत इस अस्पताल का काफी पैसा बकाया हो गया है। इसके पैसे का भुगतान नहीं किया जा रहा है। नतीजा धनबाद नर्सिंग होम संचालक ने सोमवार को कैशलेस डायलिसिस बंद करने की घोषणा कर दी थी। इसको लेकर वहां डायलिसिस कराने वाले मरीजों ने स्वास्थ्य मंत्री से लेकर राज्य स्तरीय अधिकारियों तक से गुहार लगाई थी। बावजूद कोई पहल नहीं हुई। सोमवार को डायलिसिस मरीजों और नर्सिंग होम प्रबंधन के बीच नर्सिंग होम में बैठक हुई। मरीजों के आग्रह पर प्रबंधन ने एक सप्ताह का समय दिया है। प्रबंधन का कहना था कि कई महीनों से आयुष्मान का पैसा नहीं मिला है। इससे डायलिसिस यूनिट के

बीटीपीएस दामोदर को फिर प्रदूषित कर रहा है : सरयू

बोकारो के उपायुक्त ने ठोस और सख्त कार्रवाई का दिया आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता

- दूरभाष पर हुए वार्ता में बोकारो जिला के उपायुक्त ने मुझे बताया कि उन्होंने इस बारे में कार्रवाई आरंभ करने के लिए बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दे दिया है

रांची। बोकारो थर्मल पावर स्टेशन पुनः दामोदर नद को प्रदूषित कर रहा है। कोनार और दामोदर नद के संगम पर स्थित इसके पावर प्लांट से निकलनेवाले राख और छाई ऐश पौण्ड में जाने के बदले सीधे कोनार नदी में गिराई जा रही है, जिससे दामोदर नद का भारी मात्रा में प्रदूषण हो रहा है। बोकारो थर्मल के जागरूक नागरिकों ने मुझे इसका विडियो और फोटो भेजा है, जो परेशान करने वाला है। सरयू राय ने कहा कि मामले की सूचना बोकारो जिला के उपायुक्त को दिया है और बोकारो थर्मल पावर प्लांट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। चुंकि जिला के उपायुक्त जिला पर्यावरण समिति के अध्यक्ष होते हैं और जल प्रदूषण अधिनियम के अंतर्गत प्रदूषण फैलाने वाले पर उन्हें कार्रवाई करने का व्यापक अधिकार है। दूरभाष पर हुए वार्ता में बोकारो जिला के उपायुक्त ने मुझे बताया कि उन्होंने इस बारे में कार्रवाई आरंभ करने के लिए बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दे दिया है और बोकारो थर्मल पावर प्लांट को भी चेतावनी देते हुए कहा है कि वे दामोदर नद का प्रदूषण रोके।

उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2004 में जब मैंने दामोदर बचाओ आंदोलन आरंभ किया था तो उस समय कोनार और दामोदर को प्रदूषित करने वाले औद्योगिक संस्थानों में सबसे बड़ी भूमिका बोकारो थर्मल पावर प्लांट की थी। उस समय पावर प्लांट की राख, छाई, तेल सीधे कोनार के माध्यम से दामोदर में पावर प्लांट डालता था। काफी दबाव देने के बाद उन्होंने अपना अलग ऐश पौण्ड बनाया। तब से बोकारो थर्मल पावर प्लांट से दामोदर नद का प्रदूषण शून्य हो गया था। दुखद आश्चर्य है कि उन्होंने फिर से प्रदूषण फैलाने के पुराने तरीकों को अपनाया है।श्री राय ने बताया कि गत वर्ष बोकारो थर्मल के ऐश पौण्ड की दीवार टूट जाने के कारण पावर प्लांट का राख, छाई आदि सीधे कोनार-दामोदर में जाने लगा। मैंने स्थल निरीक्षण कर यह मामला उठाया तो डीवीसी मुख्यालय से जाँच टीम आई। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में दामोदर को प्रदूषित करने वाली कोई गतिविधि बोकारो थर्मल पावर प्लांट नहीं करेगा। आश्चर्य है कि आश्वासन के बावजूद विगत दो दिन से बोकारो थर्मल पावर प्लांट तेज गति से कोनार और दामोदर को प्रदूषित कर रहा है।

उन्होंने बोकारो थर्मल प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बोकारो थर्मल पावर प्लांट का प्रदूषण नहीं रूकता है तो इस मामले को एनजीटी के समक्ष उठाया जाएगा। साथ ही विश्वास जताया कि बोकारो के उपायुक्त सख्त कार्रवाई करेंगे और पावर प्लांट के प्रबंधन पर अर्थदण्ड लगाऐंगे तथा उसके उपर आपराधिक मुकदमा दायर करेंगे।

टुंडी के पोखरिया आश्रम में बसती हैं गुरुजी की यादें

दिशोम गुरु के जाने से पसरा है मातम

- महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ी और लोगों को उससे मुक्ति दिलाई. लोगों की जमीन महाजनों के चंगुल में फंस चुकी थी

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। टुंडी का पोखरिया आश्रम, जहां गुरुजी की यादें बसती हैं. पोखरिया से ही गुरुजी ने आंदोलन की शुरुआत की थी. महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ी और लोगों को उससे मुक्ति दिलाई. लोगों की जमीन महाजनों के चंगुल में फंस चुकी थी. उनकी जमीन के लिए गुरुजी ने एक बड़ा आंदोलन किया था. उनके साथ रहे लोगों में शोक की लहर है. उनकी आंखें नम हैं. स्व. श्यामलाल मुर्मू की बहू लीलावती देवी ने कहा कि उन्होंने लोगों को जागरूक किया और उनकी आवाज बने. उन्हें शिक्षित बनाने का काम किया. उन्होंने कहा कि गुरुजी जब कहीं मीटिंग पर नहीं जा पाते थे, उस वक्त मेरे ससुर श्याम लाल मुर्मू मीटिंग में शामिल होते थे. जिस जमीन पर आश्रम है, वह जमीन भी महाजनों के कब्जे में थी. दिशोम गुरु ने ही महाजनों के चंगुल से इसे मुक्त कराया था. बाद में उन्होंने यहां आश्रम बनवाया और फिर यहां रहकर वह आंदोलन और सामाजिक कार्य करने लगे. गुरुजी ने ही यहां हमारे पूरे परिवार को रहने के लिए कहा था. उनके आंदोलन का पोखरिया मुख्य केंद्र रहा. यहां उनकी यादें बसी हुई हैं. परिवार के सदस्य बताते हैं कि लोग दारू का सेवन करते थे. शिबू सोरेन उन लोगें को दारू न पीने के लिये जोर देते थे और जो नहीं छोड़ता था गुरुजी उसको दंड देते थे. हमारी जमीन महाजनों के कब्जे में थी. जमीन को बचाने के लिए लोगों को नशा मुक्त कराने की उनकी अलग से पहल रही.गुरुजी के साथ रहे सरयू किस्कू ने कहा कि पोखरिया आश्रम में वह उस वक्त रहते थे. महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई, दारू बंदी, लोगों की पढ़ाई के प्रति वह हमेशा तत्पर रहे. लेकिन आज गुरुजी हम लोगों के बीच नहीं हैं, हमें बेहद अफसोस है. उस वक्त हर दिन हजारों लोगों की भीड़ आश्रम में लगी रहती थी. एक मुट्ठी चावल और एक रुपए के दान पर उन्होंने लोगों के लिए आंदोलन चलाया.सारी जमीन साहूकारों ने ले ली थी. एक जगह डुगडुगी बजती थी तो फिर सभी जगह डुगडुगी बजनी शुरू हो जाती थी और फिर धान कटनी होती थी. सब तीर धनुष और लाठी डंडे से लैस होकर धान कटनी किया करते थे.लोगों ने भावुक होकर कहा कि हमारे जन्मदाता दिशोम गुरु शिबू सोरेन हमारे बीच नहीं हैं. उन दिनों गुरुजी के पास एक मोटरसाइकिल हुआ करती थी. उस समय हम छोटे थे, वह गली में अपनी मोटरसाइकिल लेकर घूमते थे.

दो अपराधी गिरफ्तार, देसी कट्टा व गोली बरामद

बेड़ो। वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को पुलिस ने थाना क्षेत्र के पुरनापानी जंगल में छापामारी कर दो अपराधी को गिरफ्तार किया. वहीं पुलिस ने इनके पास से अवैध दो हथियार देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, लूट की व चोरी की एक स्कूटी और पांच मोटर साइकिल बरामद की है. जबकि एक आरोपी अभी फरार है. वही एक अपराधी को लोहरदगा पुलिस ने सोमवार को न्यायायिक हिरास्त में रांची भेज दी। इनकी गिरफ्तारी को ले कर थाना प्रभारी देवप्रताप प्रधान ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के निर्देश पर एक टीम पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो अशोक कुमार राम के नेतृत्व में बेड़ो, लापुंग, इटकी व नरकोपी थाना के प्रभारी एवं सशस्त्र बल की संयुक्त टीम गठित कर छापामारी की गई। जहां दोनों गिरफ्तार अपराधियों की पहचान धीरज उरांव उर्फ रदाम (23), निवासी रोगाडीह पतराटोली, थाना बेड़ो और दिलीप सिंह (19), निवासी रायकेरा, थाना भरनो, जिला गुमला के रूप में हुई. इनकी निशानदेही पर लापुंग थाना क्षेत्र के सरसा गढ़डीपा के निकट से स्कूटी और बाईक लूट, बेड़ो थाना, सुखदेव नगर थाना व पिठोरिया थाना क्षेत्र में की गई चोरी की बाइक बरामद किया है। जहां इन्होंने कई थाना क्षेत्र में लूट-चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकारी हैं. साथ ही इनके निशानदेही पर पुलिस ने पूर्व में लूटी और चोरी गई पांच मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और घटना में प्रयुक्त दो देशी कट्टा व दो जिंदा गोली बरामद किया है. वही एक आरोपी फरार है जिसकी गिरफ्तारी के लिये छापामारी अभियान चला रखी है।

जबकि एक आरोपी अरुण उरांव उर्फ लैला लोहरदगा पुलिस गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से बरामद सामान- दो देशी कट्टा एवं दो जिंदा गोली, केटीएम ड्यूक (जेएच10सीडी-3754), बजाज पल्सर एनएस-200 (जेएच01डीएस-4655), बजाज पल्सर एनएस-200 (जेएच11सी-7882) शामिल है।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है अन्यथा ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाए, उतना बेहतर है। - **स्वामी विवेकानंद जी**

संपादकीय

राष्ट्रीय मुद्दों पर सतही टिप्पणी

लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आरोप है कि भारत ने अमेरिकी दबाव में 'ऑपरेशन सिंदूर' को स्थगित किया। इस संदर्भ में राहुल का व्यवहार कैसा है? क्या यह सत्य नहीं कि वह अपने विदेश दौरों में अक्सर अमेरिका-यूरोप से भारत में 'लोकतंत्र बचाने' की गुहार लगाते हैं? राहुल की ही पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता पाकिस्तान जाकर पीएम मोदी को सत्ता से हटाने की भी मांग कर चुके हैं। जब राहुल कहते हैं कि पीएम मोदी सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झूठा कहें, तो मुझे आश्चर्य होता है। वैश्विक राजनीति कोई किशोरावस्था की तकरार नहीं, जिसमें व्यक्ति क्षणिक आवेश में अपमानजनक या कटु शब्दों का प्रयोग करता हो। इस तरह के गैर-जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा केवल राहुल गांधी से ही की जा सकती है, जिन्होंने वर्ष 2013 में सार्वजनिक रूप से अपनी ही सरकार के एक अध्यादेश को फाड़कर कूड़ेदान में फेंकने की बात कही थी। ट्रंप के टैरिफ प्रहार और लंबित व्यापार समझौते पर भारत ने जो निर्भीक रुख अपनाया है, वह राहुल के दावे को पूरी तरह झुठलाता है। जैसे अमेरिका अपने हितों के अनुसार मित्र और शत्रु चुनने हेतु स्वतंत्र है, उसी प्रकार भारत को भी अपने दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर स्वतंत्र निर्णय लेने का पूरा अधिकार है। शीतयुद्ध काल से रूस (तब सोवियत संघ) भारत का भरोसेमंद सहयोगी रहा है। इस ऐतिहासिक संबंध को किस दिशा में और कितनी गहराई तक ले जाना है, यह केवल भारत तय करेगा, कोई अन्य देश नहीं। भारत के इस आत्मविश्वासपूर्ण और स्वायत्त दृष्टिकोण से शेष विश्व, विशेषकर अमेरिका और यूरोप स्तब्ध हैं। दशकों तक भारत की विदेश नीति बाह्य-वैचारिक प्रभाव से संचालित होती रही, जिसके कारण भारत को बार-बार उन देशों के सामने झुकना पड़ा, जो हमारे दूरगामी हितों के विपरीत खड़े थे। वर्षों तक भारत ने फलस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वे कश्मीर के मुद्दे पर मजहबी कारणों से पाकिस्तान का साथ देते रहे। जब पाकिस्तान या चीन से भारत का टकराव हुआ, तब भारतीय नेतृत्व अमेरिका-यूरोप से मध्यस्थता की याचना करता दिखा, जिसमें कई बार स्थिति गिड़गिड़ाने तक पहुंच गई थी। वर्ष 1971 के युद्ध में भारत ने ऐतिहासिक विजय प्राप्त करते हुए पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। इस दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को पत्र लिखकर पाकिस्तानी आक्रमण रोकने हेतु संपर्क साधा था। 5 दिसंबर, 1971 को लिखे पत्र में उन्होंने कहा था, 'इस संकट की घड़ी में भारत सरकार और भारत की जनता आपकी सहानुभूति की आकांक्षी है...आपसे आग्रह है कि आप पाकिस्तान को अकारण आक्रामकता एवं सैन्य दुस्साहस की नीति से तत्काल विरत होने के लिए प्रेरित करें...मैं महामहिम से विनम्र निवेदन करती हूं कि आप पाकिस्तान पर अपने निर्विवाद प्रभाव का उपयोग करें...।' इंदिराजी का यह रुख उनके पिता पं. नेहरू की परंपरा से ही प्रेरित था। 1962 में भारत को न केवल चीन से अपमानजनक पराजय झेलनी पड़ी, बल्कि हम हजारों वर्ग किलोमीटर भूमि से भी हाथ धो बैठे। यह सब नेहरूजी की मार्क्स-मैकॉले चिंतन से निकटता और चीन की साम्राज्यवादी मंशा की उपेक्षा का परिणाम था। पंचशील, सुरक्षा परिषद की सदस्यता चीन को सौंपना और 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' जैसे नारे भारत के लिए घातक सिद्ध हुए। उस पर अमेरिका के समक्ष पं. नेहरू की बारंबार मिन्नतों ने भारत की संप्रभुता और आत्मसम्मान को और भी आहत किया।

ट्रंप के टैरिफ प्रहार और लंबित व्यापार समझौते पर भारत ने जो निर्भीक रुख अपनाया है, वह राहुल के दावे को पूरी तरह झुठलाता है।

होम स्कूलिंग : बदलते दौर में शिक्षा की एक नई दिशा

आज के समय में जब शिक्षा के पारंपरिक ढांचे में कई बदलाव देखे जा रहे हैं, होम स्कूलिंग एक ऐसा विकल्प बनकर उभरा है, जो बच्चों की शिक्षा को उनके रुचि, गति और स्वभाव के अनुसार ढालने का अवसर देता है। यह सिर्फ एक शिक्षा पद्धति नहीं, बल्कि एक सोच है, जिसमें बच्चे को एक व्यक्तिगत, लचीला और अनुकूल वातावरण मिलता है।

एआई जेनरेटेड

होम स्कूलिंग क्या है?

होम स्कूलिंग का अर्थ है– बच्चे की शिक्षा घर पर ही कराना, बिना किसी पारंपरिक स्कूल में भेजे। यह पद्धति भारत में भले ही अभी नई हो, लेकिन विदेशों में कई वर्षों से यह प्रचलन में है। इसमें माता-पिता या कोई योग्य शिक्षक बच्चे को उसकी रुचियों (जैसे म्यूज़िक, आर्ट, खेल, रोबोटिक्स, आदि) के अनुसार समय देकर पढ़ाते हैं। बच्चा ओपन स्कूलिंग बोर्ड (जैसे NIOS) के माध्यम से पंजीकरण कर हर वर्ष परीक्षा देता है और औपचारिक प्रमाणपत्र भी प्राप्त होता है। मगर फर्क यहाँ से शुरू होता है—जहाँ स्कूल बच्चे को अपने ढांचे में ढालता है, वहीं होम स्कूलिंग ढांचे को बच्चे के अनुसार ढालने की आज़ादी देता है।

रुचियों के साथ पढ़ाई-यहाँ बच्चों को उड़ान मिलती है होम स्कूलिंग में बच्चा यदि संगीत, खेल, कला, डांस, विज्ञान, लेखन, अभिनय या कोडिंग जैसी किसी भी रुचि में विशेष लगाव रखता है, तो पढ़ाई उसके इर्द-गिर्द डिजाइन की जा सकती है।

उदाहरण के लिए-एक बच्चा जो क्रिकेट में प्रतिभाशाली है, वह दिन में 3-4 घंटे अभ्यास कर सकता है और बाकी समय शिक्षा को इस तरह से समायोजित किया जा सकता है कि उसे न अंकों से समझौता करना पड़े, न अपने सपनों से।

कम्युनिटी आधारित होम स्कूलिंग

लोगों को लगता है कि होम स्कूलिंग में बच्चा सामाजिक रूप से कमजोर हो जाएगा। लेकिन अब यह धारणा बदल चुकी है। देश के कई शहरों में होम स्कूलिंग समुदाय (communities) सक्रिय हैं जो : बच्चों के लिए मंथली मिलन, ट्रिप्स, स्पोर्ट्स डे, प्रोजेक्ट फेयर, और वर्कशॉप्स का आयोजन करती हैं

पेरेंट्स के लिए प्लानिंग मीटिंग्स, टीचिंग सपोर्ट, और साझा कोचिंग क्लासेस संचालित करती हैं

बच्चे एक-दूसरे के साथ मिलकर टीमवर्क, संवाद कला और नेतृत्व के गुण सीखते हैं। इससे यह शिक्षा पद्धति अब आधुनिक, मिल-जुलकर आगे बढ़ने वाली और पूरी तरह से सामाजिक बन चुकी है।

होम स्कूलिंग के मुख्य लाभ

आज की बात

वीणा देवांगन

बच्चे की गति से सीखना : होम स्कूलिंग में बच्चा वही पढ़ता है जो उसके स्तर और समझ के अनुसार है। न जल्दी, न देरी—बस उसकी सोच के साथ चलता पाठ्यक्रम।

गहरा ज्ञान और रचनात्मकता : बच्चे को विषय में गहराई से समझाने का समय मिलता है। वह सिर्फ उत्तर याद नहीं करता, बल्कि सोचता है, समझता है और नये विचारों को जन्म देता है।

कला, खेल और जीवन कौशल के लिए समय : पारंपरिक स्कूल की तरह घंटों की बंदिश नहीं। बच्चा चाहे तो म्यूजिक सीखे, पेंटिंग करे, रोबोटिक्स प्रोजेक्ट बनाए या नेचर ट्रिप पर जाए—सीखना हर जगह है।

पारिवारिक जुड़ाव और संस्कारों की नींव : जब बच्चा अपने माता-पिता के साथ ज़्यादा समय बिताता है, तो संस्कार, सहानुभूति और सामाजिक चेतना गहराई से विकसित होती है।

डिजिटल और विश्वस्तरीय संसाधनों तक पहुंच : आज YouTube, Coursera, Khan Academy, Coding Apps, और हजारों डिजिटल मंचों से दुनिया का सर्वोत्तम ज्ञान कुछ क्लिक दूर है। होम स्कूलिंग इनका बेहतरीन उपयोग करती है।

कुछ चुनौतियाँ भी हैं, लेकिन समाधान भी हैं

- यदि माता-पिता के पास समय या शिक्षण का अनुभव नहीं है, तो उन्हें सहायक शिक्षक या ट्यूटर की आवश्यकता होती है।
- हर बच्चा आत्म-अनुशासित नहीं होता, इसलिए स्ट्रक्चर और टाइमटेबल जरूरी होता है।
- शुरुआत में समाज का विरोध या सवालों का सामना करना पड़ता है, लेकिन जैसे ही परिणाम दिखते हैं, स्वीकृति भी मिलती है।

कौन-से माता-पिता होम स्कूलिंग चुनें?

- जिनका बच्चा पारंपरिक पढ़ाई से असहज है या विशिष्ट प्रतिभा रखता है
- जो शिक्षा को सिर्फ अंक नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला मानते हैं
- जो खुद या किसी योग्य सहयोगी के माध्यम से मार्गदर्शन दे सकते हैं
- जो डिजिटल रूप से जागरूक हैं और संसाधनों को खोज सकते हैं

किसे नहीं करनी चाहिए?

- जिनके पास समय, संसाधन या रुचि नहीं है
- जो सिर्फ समाज के दबाव में यह विकल्प अपनाना चाहते हैं
- जिनके बच्चे में आत्म-अनुशासन की कमी है और मार्गदर्शन देने वाला कोई नहीं।

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि एक अच्छा और सक्षम नागरिक बनाना है।होम स्कूलिंग इस दिशा में एक आधुनिक, अनुकूल और प्रभावशाली विकल्प बन चुका है। यह विकल्प हर परिवार के लिए नहीं है, पर जो इसे अपनाते हैं, वे एक ऐसे रास्ते पर चलते हैं जहाँ बच्चा खुद को पहचानता है, अपनी गति से बढ़ता है और आत्मनिर्भर बनता है।

(veenavlogs@gmail.com)

बिक रहे है, मूल्य और स्वप्न

इन दिनों हम अंधेरे दुःस्वप्न सरीखे त्रासद समय में हैं, धर्मान्ध ताकतों के लिए शाइनिंग इंडिया, शॉपिंग मॉल, मेगा ट्रेड फेयर की चहल-पहल है, हॉलीवुड-बॉलीवुड की अश्लीलताएं हैं, तांत्रिकों की बलि पूजा है, दूसरी ओर किसानों की आत्महत्याएं हैं। वैश्विकता, बाजारवाद, उत्तर पूंजीवाद, अंध साम्राज्यवाद, अंध राष्ट्रवाद पर संगोष्ठी-सेमिनार चल रहे हैं। इस त्रासद समय में कविता-कथा में नयी उम्मीद जगाने वाला नवलेखन है। स्थापित लेखकों को भ्रम है कि युवा लेखकों का बचपन छीन लिया गया है और वे असमय परिपक्वता के शिकार हैं। युवा लेखक अपनी हताशा को भी देख रहे हैं और अंधेरे समय को भी। उन्हें पता है, क्रांति यकायक नहीं आएगी। जहां आज के साहित्य में प्रयोग की निजता पर बल है, वहीं सामाजिक सरोकार भी बेचैन करने वाला है। सर्वग्रासी राजनीति के चलते पक्षधरता या प्रतिबद्धता गायब है। सब कुछ ग्लोबल है और जहां सपर पावर अमरीका का आतंक है, गरीबी का ग्राफ ऊपर है। उत्तर आधुनिकता के विमर्शकार मान रहे हैं कि इतिहास का अंत हो गया है, विचारधारा का अंत हो गया है। सब कुछ ब्रांड है, बिक रहा है, मूल्य और स्वप्न। उत्तर आधुनिकता दुहरी यंत्रणा है। न हम ठीक से आधुनिक हो पा रहे हैं, न ग्लोबल। साम्राज्यवाद की दासता से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। उत्तर पूंजीवाद के घपले हमें भटकते हुए सन्नाटे में ले जा रहे हैं। साहित्य में विचार और दर्शन की भूमिका को नगण्य मानने वाले विद्वान आज भी बहुतायत हैं। साहित्यिक बिरादरी का यह वर्ग साहित्यिक अभिव्यक्ति में विचार और दर्शन की उपस्थिति को न केवल अनावश्यक मानता है, बल्कि विचार व दर्शन की चाशनी को देखने मात्र से इनकी भौंहें तिरछी होने लगती हैं। विचारधारा का अंत, इतिहास का अंत जैसी अवधारणाओं को गढ़ कर वे साहित्य को जीवन से परे भाववाद की भूलभुलैया में ले जाते हैं। यहां यह कहना भी प्रासंगिक होगा कि आधुनिक काल में जब-जब हमारे साहित्य को जीवन के यथार्थ से, जनता की मुक्ति और उसके सांस्कृतिक उत्थान के संघर्ष से विमुख करने के प्रयत्न हुए हैं, तब-तब निशाना प्रेमचंद को बनाया गया है। जबकि प्रेमचंद की महानता का स्त्रोत यह है कि अपने उन सैद्धान्तिक रुझानों और वैचारिक पूर्वाग्रहों से जो उन्हें अपने युगीन समाज से विरासत में मिले थे, वे निरंतर जूझते रहे। फलस्वरूप उनकी संवेदना भारतीय समाज के मूल अंतर्विरोधों को सामने लाने में सफल हुई। प्रेमचंद भारत के किसान को सुखी देखना चाहते थे। भारत का वह किसान वस्तुस्थिति से निराश और हताश आज आत्महत्या करने

अलग बात

राकेश दुबे

संवेदना हो तो संबंधों को भी मौत से बचा सकते हैं

मानवीय संवेदना अपने आप में एक जटिल अवधारणा है और इसके होने मात्र से हमारा रिश्ता एक ऐसे रसायन से जुड़ता चला जाता है जो हमें एक स्पष्ट व सकारात्मक जीवन देने का काम करता है। इन बातों में दूसरों की भावनाओं को गहराई से समझने या उनके अनुभवों को महसूस करने की क्षमता के साथ साथ मानवीय संबंधों के अवधारणा को गति देने की अवधारणा तक शामिल है। ऐसा तब है जबकि दुनिया के तमाम भौतिक वस्तुओं की तरह संबंधों की भी एक उम्र होती है। नये संबंध बनते हैं तो एक किशोर की तरह हर चीज को जानने की उत्सुकता पैदा होती है, नवयुवक की तरह स्वतंत्र प्रयोग की कामना सामने होती है और अंततः परिपक्वता पर प्रौढ़ावस्था का ध्यान केंद्रित होने लगता है। जीवन के इस यात्रा वृत्तान्त का एक कटु सत्य यह भी है कि अंततः पारस्परिक संबंधों में ह्रास का अवसाद दिखने लगता है। अवसान के अवसाद की यह प्रक्रिया सार्वभौमिक है और रिश्तों के तिनके से लेकर हिमालय के उच्चतम शिखर तक इसकी हदों में शामिल हैं परन्तु मानवीय संवेदना का कमाल देखिए कि संबंधों के इस अवसान प्रक्रिया को हम रोक पाने में सक्षम होते चले जाते हैं। यदि ऐसा कुछ न होता तो हम स्वर वर्ण के उन मात्राओं को लेकर ताना मारते नजर नहीं आते जिसके होने मात्र से बाबा, बेबी, बीबी और बाबू के नाम पर पूरी दुनिया को परेशान बता दिया जाता है। दैनिक जीवन में हंसी ठिठोली की इन बातों में भी संवेदना का तिलिस्म होता है और ऐसे ही तिलिस्म के कारण शब्दवाणों से आहत होकर भी हम संबंधों को अस्वाभाविक मौत से बचा लेते हैं। सच कहें तो शब्दों के नाम पर रिश्तों के मौत का यह संदर्भ केवल एक भ्रम है क्योंकि व्यावहारिक धरातल पर इसे देखें तो संबंधों के अवसान या मृत्यु का कारण शब्दों में नहीं बल्कि संवेदनशीलता के पिंडदान में छुपा हुआ होता है। ऐसा तब है जबकि किसी भी संबंध की कभी स्वाभाविक मृत्यु नहीं होती। ऐसे में आप मानें न मानें तमाम संबंधों के हत्या का गुनाह और उसकी जवाबदेही किसी शब्द में नहीं बल्कि मनुष्य और उसकी संवेदनहीनता में अंतर्निहित होता है। इस गुनाह के लिए घृणा, उपेक्षा, भ्रम व संदेह को जवाबदेह माना जाता है जबकि संवेदना व संबंध के इस पेंच को समझने के लिए इरादा (इंटेंशन) और रिश्तों को गति देने वाले निर्देशित पंचमुखी संकल्पों की जरूरत होती है।

संवाद : रिश्तों में संवाद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में स्पष्ट और ईमानदार संवाद के बगैर किसी भी रिश्ते को मजबूती देना कतई संभव नहीं होता।

विश्वास : विश्वास को रिश्तों का आधार माना गया है और इसके बगैर कभी भी एक मजबूत और गहरे रिश्ते की कल्पना नहीं की जा सकती है।

सहानुभूति : सहानुभूति और समर्थन से हमें दूसरों की भावनाओं व जरूरतों को समझने में मदद मिलती है। ऐसे में इनके बगैर आप किसी भी संबंध को गति प्रदान नहीं कर सकते।

सम्मान : ध्यान रहे, रिश्तों को सकारात्मक व सहयोग प्रदान करने के लिए पारस्परिक सम्मान को एक महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है।

इरादा या इंटेंशन : इरादा या इंटेंशन का संबंध हमारे विचारों और कार्यों के पीछे की मंशा से होता है। इसके अंतर्गत हम अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासों को दिशा देने की कोशिश करते हैं। अब यदि आप अपने रिश्तों व रिश्तेदारी का गला घोंटने में लग गए हैं तो इसका सीधा सा मतलब यह है कि आपकी संवेदना मर चुकी है और एक स्पष्ट व सकारात्मक जीवन में सफलता और संतुष्टि लाने में आप विफल हो चुके हैं।

आपकी बात

केदारनाथ दास

फेसबुक वॉल से

एक्स से

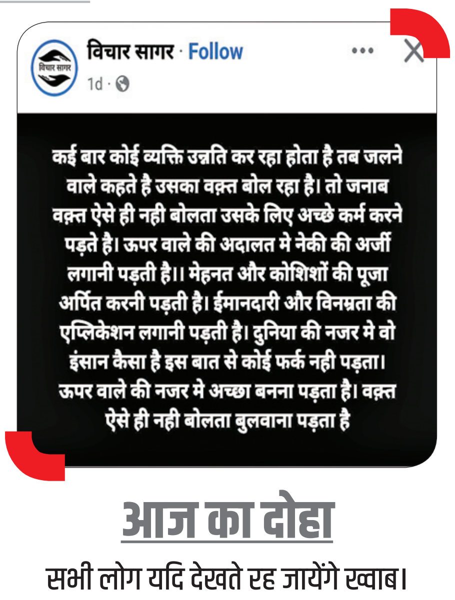

आज का दोहा

सभी लोग यदि देखते रह जायेंगे ख्वाब।
चौकीदारी वक्त की कौन करेगा सा'ब।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

सूखी धरती का संकल्पनायक : जलपुरुष राजेंद्र सिंह

पानी की एक-एक बूंद में जीवन की सांस, सूखी धरती पर हरियाली का स्वप्न और समाज को जगाने की अटल जिद-यह है 'जलपुरुष' राजेंद्र सिंह की प्रेरक गाथा। 6 अगस्त 1959 को उत्तर प्रदेश के बागपत के डौला गांव में जन्म लेकर राजस्थान की बंजर भूमि को जीवन का आलिंगन दिया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो कहती है कि अगर इरादा पक्का हो, तो सूखी नदियां फिर से गीत गा सकती हैं और बंजर खेत फसलों से लहलहा सकते हैं। 'जलपुरुष' के नाम से मशहूर राजेंद्र सिंह ने न केवल पानी को बचाया, बल्कि एक पूरी पीढ़ी को यह सिखाया कि प्रकृति और मानवता का रिश्ता अटूट है। उनकी यह यात्रा केवल जल संरक्षण की नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति प्रेम की है, जो हर दिल को छूती है और हर मन को प्रेरित करती है। राजस्थान-वह धरती, जहां सूखा जीवन का पर्याय था, कुएं खामोश थे और नदियां केवल लोककथाओं में सिमटी थीं। ऐसे में राजेंद्र सिंह ने वह कर दिखाया, जो असंभव प्रतीत होता था। न सरकारी योजनाओं की बाट जोही, न विदेशी तकनीकों का सहारा लिया। उनका सबसे बड़ा हथियार था-लोगों का विश्वास और सामूहिक श्रम। अपने चार साथियों-नरेंद्र, सतेन्द्र, केदार और हनुमान-के साथ उन्होंने तरुण भारत संघ को जल संरक्षण और ग्रामीण सशक्तिकरण का प्रतीक बनाया। उनकी रणनीति सरल थी, पर प्रभाव इतना गहरा कि राजस्थान की तस्वीर बदल गई। जोहड़, तालाब और चेकडैम जैसी प्राचीन जल संरचनाओं को उन्होंने आधुनिक दृष्टिकोण से पुनर्जनन दिया। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति थी, जिसने ग्रामीणों को उनके संसाधनों का सच्चा स्वामी बनाया। चुनौतियों का पहाड़ सामने था। गांववाले राजेंद्र सिंह के विचारों को हवाई ख्वाब मानते थे-कुछ ने हंसी उड़ाई, कुछ ने समय की बर्बादी करार दिया। मगर राजेंद्र सिंह का इरादा अडिग रहा। उन्होंने समझाया कि पानी की कमी प्रकृति का कोप नहीं, मानव की लापरवाही का परिणाम है। उनकी बातों ने धीरे-धीरे दिलों को छुआ, और गांववाले उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल पड़े। जोहड़ बनने शुरू हुए, और फिर चमत्कार साकार हुआ। सूखे कुओं में पानी की लहरें गूंजीं, बंजर खेत हरियाली से मुस्कुराए, और गांवों में जीवन की रौनक लौट आई। यह केवल पर्यावरण का पुनर्जनन नहीं, बल्कि एक नई चेतना का उदय था, जिसने लोगों को सिखाया कि बदलाव का बीज जमीनी स्तर पर ही बोया जाता है। आंकड़े उनके काम की महानता को चीख-चीखकर बयां करते हैं। तरुण भारत संघ के नेतृत्व में राजेंद्र सिंह ने 1,000 से अधिक गांवों में 6,500 से ज्यादा जोहड़ और चेकडैम बनवाए। इन संरचनाओं ने भूजल स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और अरावरी, रूपारेल, सासा व भगानी जैसी नदियों को पुनर्जनन दिया। अरावरी नदी, जो कभी कहानियों में सिमटी थी, आज फिर बहती है-राजेंद्र की मेहनत और सामुदायिक एकता का जीवंत प्रतीक। उनके प्रयासों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जागृत किया। खेती फिर से लाभकारी बनी, पलायन रुका और गांववासियों में आत्मविश्वास जगा कि वे अपनी तकदीर खुद लिख सकते हैं। राजेंद्र सिंह की सोच जल संरक्षण तक सीमित नहीं थी; वे जल, जंगल और जमीन को समाज की धड़कन मानते थे। उनका अटल विश्वास था कि जब तक ये संसाधन समाज के पास हैं, तभी सच्ची स्वतंत्रता जीवित है। लेकिन जब ये निजी कंपनियों या मुनाफाखोर ताकतों के चंगुल में जाते हैं, तो यह आधुनिक गुलामी का नया चेहरा है। उन्होंने जल निजीकरण के खिलाफ बुलंद आवाज उठाई और उन नीतियों की कड़ी निंदा की, जो पानी को बाजार का माल बनाती हैं। उनकी यह विचारधारा आज, जब जलवायु परिवर्तन और जल संकट वैश्विक आपदा बन चुके हैं, पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उनका मानना था कि जल पर समाज का अधिकार अडिग होना चाहिए, क्योंकि पानी जीवन का आधार है, मुनाफे का साधन नहीं। उनके कार्यों की गूंज स्थानीय सरहदों को पार कर वैश्विक मंच तक पहुंची। 1998 में 'द वीक' ने उन्हें 'मैन ऑफ द ईयर' का सम्मान दिया। 2001 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, जिसे एशिया का नोबेल कहा जाता है, उनके नाम रहा। 2005 में जमनालाल बजाज पुरस्कार ने उनके ग्रामीण विकास में योगदान को रेखांकित किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

प्रो. आरके जैन

जलपुरुष राजेंद्र सिंह का जन्मदिन पर विशेष

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सावन विशेष : पांच प्रांगण और 18 सौ साल पुराना इतिहास

जल में डूबा रहता है 'पंच भूत' में से यह शिवालय

एजेंसी। त्रिची

विश्व के नाथ को समर्पित सावन का महीना अपने आप में अद्भुत है। इस दौरान देशभर के शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहता है। हालांकि, यह महीना न केवल देवाधिदेव की भक्ति में डूबने बल्कि उन तमाम मंदिरों के बारे में जानने का भी है, जो कई सौ साल पुराने इतिहास के साथ ही आश्चर्य को भी समेटे हुए हैं। ऐसा ही एक प्राचीन शिवालय तमिलनाडु के त्रिची में स्थित है, जो 1,800 साल पुराना है। नाम है, जंबुकेश्वर मंदिर।
जंबुकेश्वर मंदिर न केवल अपनी आध्यात्मिकता, बल्कि अद्भुत स्थापत्य कला और रहस्यों के लिए भी प्रसिद्ध है। यह मंदिर पंच भूत स्थलों में से एक है, जो जल तत्व का प्रतीक है। मंदिर का शिवलिंग हमेशा जल में आंशिक रूप से डूबा रहता है।जंबुकेश्वर मंदिर का निर्माण चोल वंश के राजा कोकेंगानन ने लगभग 1,800 साल पहले कराया था। यह मंदिर तमिलनाडु के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है, जो पंच महा तत्वों, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। जंबुकेश्वर मंदिर जल तत्व का प्रतीक है। मंदिर के गर्भगृह में स्थित शिवलिंग के नीचे एक भूमिगत जल धारा बहती है, जिसके कारण यहां हमेशा नमी बनी रहती है। इस जल धारा की मौजूदगी के कारण मंदिर को स्थानीय लोग 'अप्पू स्थलम' (जल का स्थान) भी कहते हैं।शिवालय के बारे में पौराणिक कथाएं भी मिलती हैं, जिसके अनुसार, एक बार देवी पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या का मजाक उड़ाया था।

- **प्राचीनता :** मंदिर लगभग 1,800 साल पुराना है। इसका निर्माण चोल वंश के राजा कोकेंगानन ने करवाया था।
- **पंच भूत स्थल :** यह मंदिर पंच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) में से जल तत्व का प्रतीक है। इसे अप्पू स्थलम भी कहा जाता है।

जंबुकेश्वर मंदिर: जल तत्व के प्रतीक और द्रविड़ वास्तुकला का अद्भुत संगम

इस तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें दर्शन दिए और ज्ञान प्रदान किया। मंदिर में पुजारी वस्त्र पहनकर पूजा करते हैं, क्योंकि यहां पार्वती ने साधना की थी।तमिलनाडु पर्यटन विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, "जंबुकेश्वर मंदिर द्रविड़ शैली की वास्तुकला के लिए भी प्रसिद्ध है। मंदिर में पांच प्रांगण हैं, जिनमें से पांचवां प्रांगण विशाल दीवारों से घिरा है, जिसे 'विबुडी प्रकाश' कहा जाता है। मंदिर के गलियारों में बने स्तंभ और नक्काशी देखने लायक हैं। कावेरी नदी के किनारे बसा यह मंदिर श्रीरंगम के प्रसिद्ध रंगनाथस्वामी मंदिर से मात्र 2 किमी दूर है।"नेशनल पोर्टल ऑफ इंडिया के अनुसार, जंबुकेश्वर मंदिर उत्कृष्ट स्थापत्य कला के कारण विशाल रंगनाथस्वामी मंदिर से भी अलग है। इस मंदिर का नाम उस हाथी के नाम पर रखा गया है, जिसके बारे में माना जाता है कि उसने यहां भगवान शिव की पूजा की थी शिवलिंग को एक प्राचीन जम्बू वृक्ष के नीचे स्थापित किया गया था। यह शिवलिंग आंशिक रूप से जल में डूबा हुआ है और पांच तत्वों में से एक, जल का प्रतीक है।
मंदिर प्रांगण में देवी अकिलंदेश्वरी की विशाल मूर्ति है। कथा के अनुसार, अकिलंदेश्वरी पहले अपने उग्र स्वभाव के लिए जानी जाती थीं, लेकिन आदि शंकराचार्य ने उन्हें 'थाडंगम' नामक कुंडल पहनाकर शांत किया। उस समय से वह भक्तों को शांति और आशीर्वाद प्रदान करती हैं। मंदिर में विवाह समारोह नहीं होते, क्योंकि यहां महादेव ने माता पार्वती को गुरु के रूप में ज्ञान दिया था।

● विशेषता : मंदिर का शिवलिंग हमेशा जल में आंशिक रूप से डूबा रहता है, क्योंकि गर्भगृह के नीचे भूमिगत जलधारा बहती है

अब युद्ध का ऐलान करके नहीं होगा हमला...

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीडीएस ने दुश्मनों को बता दिया भारतीय सेना का नया नियम

एजेंसी। नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि आधुनिक युद्धकला तेज़ी से विकसित हो रही है, जहाँ राष्ट्र आधिकारिक तौर पर युद्ध की घोषणा किए बिना ही राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बल प्रयोग करने के लिए प्रवृत्त हो रहे हैं। एक सुरक्षा मंच पर बोलते हुए, चौहान ने युद्ध और शांति के बीच धुंधली होती रेखाओं को रेखांकित किया और भारत के हालिया ऑपरेशन सिंदूर को इस बदलाव का एक निर्णायक उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि युद्ध और राजनीति का गहरा संबंध है। युद्ध अक्सर राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लड़े जाते हैं। आज, हम ऑपरेशन सिंदूर जैसे बहुत ही छोटे, सटीक युद्ध देख रहे हैं, जहाँ राजनीतिक लक्ष्य तीव्र और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं।पाकिस्तान का सीधे नाम लिए बिना, सीडीएस ने ज़ोर देकर कहा कि भौगोलिक सीमाएँ अब आतंकवादी तत्वों की रक्षा नहीं कर पाएँगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आतंकवादी अब कहीं भी नहीं छिप सकते, यहाँ तक कि पाकिस्तान की सीमा के अंदर भी नहीं। उन्हें निशाना बनाया जाएगा। हम किसी भी हिंसक कार्रवाई के ख़िलाफ़ निर्णायक कार्रवाई के लिए तैयार हैं। भारतीय सेना द्वारा हाल ही में किया गया ऑपरेशन सिंदूर एक तेज़ गति और उच्च प्रभाव वाला सटीक हमला था। चौहान के अनुसार, इस मिशन का उद्देश्य किसी क्षेत्र पर कब्ज़ा करना या नागरिक आबादी को निशाना बनाना नहीं था, बल्कि इसे बहुत कम समय में निर्णायक प्रहार करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह गति और गति पर आधारित था। इसने पारंपरिक ज़मीनी मुठभेड़ के बिना भी एक बड़ा प्रभाव डाला। चौहान ने बताया कि इस तरह के आधुनिक ऑपरेशन पारंपरिक युद्ध से हटकर एक बदलाव को दर्शाते हैं, जहाँ बड़े बम या लंबी लड़ाई ही प्रमुख होती है। उन्होंने भविष्य की तैयारियों का संकेत देते हुए कहा, "हम अब सिर्फ़ 500 किलो के बमों पर निर्भर नहीं रह सकते। अब ज़्यादा भारी, ज़्यादा प्रभावी पेलोड और ज़्यादा सटीक निशाना लगाने का समय आ गया है। सीडीएस चौहान ने सैन्य सोच को आकार देने वाले दो प्रमुख रुझानों पर प्रकाश डाला।

- **आधुनिक युद्धकला का स्वरूप बदल रहा है :** अब बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के ही राष्ट्र बल प्रयोग कर रहे हैं।
- **राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति :** आज के युद्ध राजनीतिक लक्ष्यों को तीव्र और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से साधते हैं।

संसद के सुरक्षाकर्मियों का सदन में उपस्थित रहना पुरानी परंपरा

राज्यसभा के वेल में जाना, शोर मचाना कैसे माना जा सकता है अधिकार : उपसभापति

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा के वेल में जाना, शोर मचाना, सदन न चलने देना, अन्य सदस्यों को जो सदन की कार्यवाही में भाग ले रहे हैं, उन्हें न बोलने देना, कैसे किसी सदस्य का विरोध करने का लोकतांत्रिक अधिकार माना जा सकता है? मंगलवार को यह बात राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने सदन में कही। दरअसल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सदन के वेल में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया। वहीं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण का कहना था कि संसद के सुरक्षाकर्मियों का सदन में उपस्थित रहना नई बात नहीं है। आप जानते हैं कि इस सर्विस की नींव सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष, विट्ठल भाई पटेल द्वारा सन 1930 में डाली गई थी। ये सुरक्षाकर्मी तब से अपना काम कर रहे हैं जो विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं और किसी तरह के बल का इस्तेमाल न करके, अपना काम सदन की गरिमा को ध्यान में रखकर करते हैं। उप सभापति ने सदन को बताया कि इस संदर्भ में एक अगस्त को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने सदन के वेल में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात करने की बात कही। उप सभापति ने कहा, "चूंकि चेयर और नेता प्रतिपक्ष के बीच पत्र, गोपनीय संवाद की श्रेणी में आते हैं, इसलिए (पत्र को) मेरे ध्यान में आने से पहले मीडिया में जारी करना कितना उचित है? यह उनके और आप सभी के विवेक पर छोड़ता हूं।" उप सभापति ने कहा कि चेयर की मर्यादा मीडिया के पास जाने की अनुमति नहीं देती इसलिए, इस पत्र से जुड़े बिंदुओं के संदर्भ में नियम, स्थिति एवं प्रासंगिक तथ्य सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूं। यह चिंताजनक तथ्य है कि मौजूदा सत्र में लगातार हंगामे की घटनाएं हो रही हैं। चेयर द्वारा बार-बार की गई अपील के बावजूद कई माननीय सदस्यों ने नियम 235 और 238 के प्रावधानों का जानबूझकर उल्लंघन कर सदन को बाधित किया। उप सभापति ने कहा कि इसी 28 जुलाई को वाईएसआरसीपी के एक सदस्य बोल रहेथे, तो कुछ सदस्यों ने अपनी सीटों से उठउठकर,, उनके पास जाकर, उन्हें बोलते हुए डिस्टर्ब किया। क्या यह उस सदस्य के विशेषाधिकार या बोलने की अभिव्यक्ति के अधिकार का हनन नहींथा?। उप सभापति ने कहा कि 31 जुलाई को एक मंत्री देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर सू मोटो बयान दे रहे थे। तब सदन के कुछ सदस्यों द्वारा उनके पास जाकर लगातार नारेबाजी हुई। व्यवधान किया गया, क्या इससे जनता को जानकारी देने का संसद का एक महत्वपूर्ण कार्य बाधित नहीं हुआ?

- **कहा- मेरे ध्यान में आने से पहले पत्र मीडिया में जारी करना कितना उचित है, इसका निर्णय आप पर छोड़ता हूं**

राज्यसभा में खड़गे से ऐसा क्यों बोले जेपी नड्डा

मेरे से ट्यूशन ले लो, 40 साल से ज्यादा विपक्ष में हूं

नई दिल्ली। राज्यसभा के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच मंगलवार को सदन के अंदर सीआईएसएफ कर्मियों की कथित तैनाती को लेकर तीखी बहस हुई। विपक्षी दलों की ओर से मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सदन के वेल के पास सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात किया है। खड़गे ने कहा कि हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि कैसे सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया, जब सदस्य विरोध के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने कल और आज फिर ऐसा देखा। खड़गे ने सवाल किया कि क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि जब अरुण जेटली जी राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे और सुषमा स्वराज जी लोकसभा में विपक्ष की नेता थीं, तो उन्होंने कहा था कि कार्यवाही में बाधा डालना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत करना है। यह कोई बड़ी बात नहीं है।

सुरक्षा बलो की तैनाती पर भड़के खड़गे, कहा-

लोकतांत्रिक विरोध जारी रखेगा विपक्ष

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को सदन के अंदर सुरक्षाकर्मियों के इस्तेमाल की निंदा की। विपक्ष ने इस कदम का जोरदार विरोध किया और इसे बेहद आपत्तिजनक और अलोकतांत्रिक बताया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश को लिखे एक पत्र में, खड़गे ने विपक्षी विरोध प्रदर्शनों के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों के संसद में घुसने के तरीके पर आश्चर्य व्यक्त किया। खड़गे ने अपने पत्र में कहा कि मैं आपको उन संदर्भों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ जो आपने हमें दिए, जिन्हें हमने पढ़ा नहीं, लेकिन आपने हमें बताया।खड़गे ने कहा कि मैं राज्यसभा में विपक्षी दलों की ओर से आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि जिस तरह से सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया, जबकि सदस्य विरोध करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने इसे कल भी देखा था और आज भी देखा। क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? उन्होंने आगे कहा कि यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तब सीआईएसएफ के जवान सदन के वेल में नहीं आएंगे। खड़गे ने दिवंगत नेताओं अरुण जेटली और सुषमा स्वराज की पिछली टिप्पणियों का हवाला दिया, जब वे विपक्ष के नेता थे, और याद दिलाया कि उन्होंने एक जीवंत लोकतांत्रिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में व्यवधानों का बचाव किया था।

उत्तरकाशी में बादल फटने की घटनाओं पर पीएम ने जताया दुख, बोले-

लोगों को सहायता प्रदान करने में कोई कसर नहीं

एजेंसा। उत्तराखंड

मंगलवार दोपहर लगभग 1:45 बजे, हरसिल स्थित भारतीय सेना के शिविर से लगभग 4 किलोमीटर दूर, उत्तरकाशी के धराली गांव में एक शक्तिशाली बादल फटने से हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। इस भूस्खलन के कारण पवित्र गंगोत्री धाम का सभी सड़क संपर्क टूट गया है। इस आपदा के कारण पानी और मलबे का एक ऐसा सैलाब उमड़ पड़ा जिससे पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया और कई एजेंसियों को आपातकालीन राहत कार्य शुरू करना पड़ा। प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर- 01374222126, 222722 जारी किया है।
हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूँ। मैंने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी जी से बात की है और स्थिति की जानकारी प्राप्त की है। राज्य सरकार की निगरानी में राहत और बचाव दल हर संभव प्रयास में लगे हुए हैं। लोगों को सहायता प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। चमोली पुलिस ने बताया कि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-58) पर पागलनाला और भनेरपानी के पास मलबा आने से सड़क अवरुद्ध हो गई है। मलबा हटाने और सड़क को सुचारू करने का कार्य जारी है।
पुलिस ने आगे बताया कि ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग सलधार के पास बह गया है। यात्रियों और स्थानीय निवासियों से अनुरोध है कि वे अनावश्यक यात्रा न करें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तरकाशी (उत्तराखंड) में अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही के विचलित करने वाले दृश्य देखे हैं। इस त्रासदी से प्रभावित लोगों की कुशलता की कामना करता हूँ। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही हैं और बहुमूल्य जीवन बचाने के लिए हर संभव कदम उठा रही हैं।

उत्तरकाशी के बादल फटा, अचानक आई बाढ़ से 4 की मौत

उत्तराखंड। मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के धराली गांव में अचानक आई बाढ़ ने कई घर तबाह कर दिए और लोगों के घायल होने की आशंका बढ़ गई। बाढ़ के पानी की तेज़ लहरों ने घरों को निगल लिया और लोगों के चीखने-चिल्लाने के भयावह वीडियो ऑनलाइन सामने आए। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी के धराली के ऊंचाई वाले गांवों में बड़े पैमाने पर बादल फटने से आई अचानक बाढ़ में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बचाव अभियान के आदेश दे दिए गए हैं। भारतीय सेना को भी बचाव अभियान में शामिल किया गया है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, "मुझे उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की घटना की सूचना मिली है... हम लोगों को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। ज़िला प्रशासन, भारतीय सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के अधिकारी लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।" अधिकारियों ने बताया, "खिर गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण धराली बाज़ार क्षेत्र में नुकसान हुआ है। हर्षिल से सेना की टुकड़ियों के साथ-साथ पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों को भटवारी भेजा गया है।"केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, "धराली (उत्तरकाशी) में अचानक आई बाढ़ की घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात की।

बिहार में कोई भी योग्य मतदाता नहीं छूटेगा : चुनाव आयोग

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जहां एक ओर राजनीतिक दलों के बीच तीखी बयानबाजी जारी है, वहीं भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) मतदाताओं को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहरा रहा है। आयोग ने बिहार में जारी की गई प्रारूप मतदाता सूची को लेकर स्पष्ट किया है कि किसी भी योग्य मतदाता को सूची से बाहर नहीं रखा जाएगा और न ही किसी अयोग्य व्यक्ति को शामिल किया जाएगा। ईसीआई ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत 1 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची जारी की है। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से इस सूची की जांच कर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अपील की है, ताकि कोई योग्य मतदाता छूटे नहीं और कोई अयोग्य मतदाता शामिल न हो।
ईसीआई ने बयान में कहा कि अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने एक भी दावा या आपत्ति नहीं दी है। चुनाव आयोग बार-बार कह रहा है कि किसी भी योग्य मतदाता को सूची से बाहर नहीं रखा जाएगा और न ही किसी अयोग्य व्यक्ति को शामिल किया जाएगा। ईसीआई ने मंगलवार को बिहार के एसआईआर से संबंधित 1 से 5 अगस्त तक का डेली बुलेटिन जारी किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 1 अगस्त को जारी प्रारूप मतदाता सूची पर पहले 5 दिनों (1 अगस्त दोपहर 3 बजे से 5 अगस्त दोपहर 3 बजे तक) में किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं की गई है।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी। आज आप परिवार के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज आप दोस्तों की बर्थडे पार्टी मे जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करने का मौका मिलेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिससे आपको ओवर टाईम करना पड़ सकता है। आज आप रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही न करें और सारी चीजें अच्छे से चेक करें। आज टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस में आपको अच्छा लाभ होगा।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए ख़ुशी से भरा रहेगा। आज आपको सरकारी कार्यों में सफलता मिलने से मन संतुष्ट होगा। आज आप बच्चों के साथ घूमने जा सकते हैं, जहां आप अच्छा समय बितायेंगे। आप पारिवारिक और ऑफिस की गतिविधियों में उचित सामंजस्य बनाकर रखने में कामयाब रहेंगी।

कर्क : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज प्राइवेट क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं। आज आप घरवालों के साथ अच्छा समय बितायेंगे, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम समय पर पूरा हो जायेगा।

सिंह : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपको व्यापारिक दृष्टि से अच्छा लाभ होगा और आपके क्लाइंट के साथ रिश्ते बेहतर बनेंगे। आज आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें।

कन्या : आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है, बिजनेस में आपको अच्छी डील मिलने वाली है। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों में हाथ बटायेंगे। आज मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

तुला : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप बिजनेस में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। आज आप बिजनेस को आगे ले जाने के लिए ऑफिस में चल रही जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। जिससे आपका मूड फ्रेश होगा और मन में प्रसन्नता आएगी।

वृश्चिक : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप एकाग्र मन से काम करेंगे, जिससे आपका काम सही समय पर पूरा हो जायेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे होटल में डिनर करने जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से बचें, हो सके तो किसी की सहायता ले-लें।

धनु : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि आप घर खरीदने का विचार कर रहे हैं तो आज आपको शुभ समाचार मिलेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं, जिसे आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे। आज डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत है।

मकर : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। आज बिजनेस में आपको अच्छा लाभ होगा, जिससे आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने का मन बनाएंगे। आज आप अपने भाई-बहनों को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं जिससे उनको ख़ुशी मिलेगी।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नयी योजनाएं भी बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। आज आपका अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा। आज आप अपने कार्यों को जितनी मेहनत और लगन से करेंगे।

मीन : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा। आज बैंक में कार्यरत व्यक्ति अपना काम समय से निपटा लेंगे। आज सामाजिक कार्यों में आपका योगदान बना रहेगा, जिससे आपकी समाज में पहचान बढ़ेगी।

कूचबिहार में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला

अदालत ने अभिषेक बनर्जी पर टिप्पणी से रोका

एजेंसी। पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के समर्थकों ने मंगलवार को कूचबिहार जिले में कथित तौर पर "मतदाता सूची संशोधन का उपयोग करके पिछले दरवाजे से नागरिकता परीक्षण" के विरोध में भाजपा के शुभेंदु अधिकारी को काले झंडे दिखाए। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हमला किया। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को ''सुनियोजित नाटक'' करार दिया। कूचबिहार पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन का नेतृत्व करने उत्तर बंगाल जिले में गए अधिकारी को नारेबाजी का सामना करना पड़ा।
उन्हें खगराबाड़ी इलाके के पास काले झंडे दिखाए गए। भाजपा नेताओं के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस पार्टी के झंडे और काले झंडे लिए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ दोपहर करीब 12 बजकर 35 मिनट पर खगराबाड़ी चौराहे पर जमा हो गई। उसी वक्त अधिकारी का काफिला इलाके से गुजर रहा था। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ''वापस जाओ'' के नारे लगाए और अधिकारी के वाहन पर जूते फेंके। उनके काफिले की एक कार के शीशे टूट गए। इसके अलावा, मंगलवार को कोलकाता की एक अदालत ने अधिकारी को तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोई भी "अपमानजनक बयान" देने से रोक दिया। यह निर्देश 19 अगस्त तक लागू एक अंतरिम आदेश में जारी किया गया।

कल्याण बनर्जी का अचानक इस्तीफा काकोली बनेंगी टीएमसी की लोकसभा में मुख्य सचेतक

एजेंसी। बंगाल

अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में पार्टी का नया मुख्य सचेतक नियुक्त किया है। कल्याण बनर्जी के अचानक इस्तीफे के बाद टीएमसी की ओर से यह आधिकारिक घोषणा की गई है। टीएमसी ने एक्स पर कहा कि वरिष्ठ सांसदों के परामर्श से, अध्यक्ष ने डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नए मुख्य सचेतक और श्रीमती शताब्दी रॉय को लोकसभा में एआईटीसी के नए उपनेता के रूप में तत्काल प्रभाव से नामित किया है। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया है कि हम दोनों को उनकी नई भूमिकाओं और बंगाल के गौरव, अधिकार और सम्मान को बनाए रखने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा में मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका यह चौंकाने वाला फैसला टीएमसी सांसदों की एक वर्चुअल बैठक के बाद सामने आया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने की। बनर्जी ने एक समाचार चैनल से कहा, "मैंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक का पद छोड़ दिया है, क्योंकि 'दीदी' (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) ने वर्चुअल बैठक के दौरान कहा था कि पार्टी सांसदों के बीच समन्वय की कमी है। इसलिए दोष मुझ पर है। इसलिए, मैंने पद छोड़ने का फैसला किया है।"रिपोर्टों के अनुसार, टीएमसी सांसद, साथी सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा उन पर किए गए।

पीडीए पाठशाला को पुलिस नहीं रोक सकती है : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं कराई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस से पीडीए पाठशाला बंद हो जाएगी। हालांकि ऐसा नहीं होगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव मंगलवार को राजधानी में जनेश्वर मिश्रा की जयंती पर प्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्कूलों के विलय पर एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीडीए पाठशाला को पुलिस नहीं रोक सकती है। समाजवादी संकल्प लेते हैं कि जब तक सरकार स्कूलों में शिक्षक और प्रिंसिपल नहीं पहुंचाती, पीडीए पाठशाला और ट्यूशन चलती रहेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को पाठशालाओं की स्थिति देखने की सलाह दी और याद दिलाया कि उनकी सरकार ने अभिनव-संस्कृति स्कूल खोला था।

दिशोम गुरु जी शिबू सोरेन के निधन पर उनको दी गयी "श्रद्धांजलि"

सिदो कान्हु स्टेडियम, साहेबगंज में आदरणीय दिशोम गुरु जी श्री शिबू सोरेन के निधन पर आवासीय बालक एवं डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स, खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र समेत जिले के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने 02 मिनट का मौन धारण उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया।

आदरणीय दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन (तत्कालीन मुख्यमंत्री) झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता 2008 , साहेबगंज उद्घाटन समारोह के दौरान की तस्वीर।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद आदरणीय दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड राज्य कुश्ती संघ एवं कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं पदाधिकारी ने 02 मिनट का मौन धारण उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया

सीबीएसई जोनल चैंपियनशिप के लिए चतरा और रांची ब्रांच की संयुक्त टीम रवाना

रांची। आगामीसी बीएसई जोनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए चतरा राइफल क्लब की चतरा और रांची ब्रांच की संयुक्त टीम मिरजापुर के लिए रवाना हो चुकी है। यह प्रतियोगिता चार दिनों तक चलेगी, जिसमें विभिन्न कैटेगरी में खिलाड़ी अपनी निशानेबाज़ी का प्रदर्शन करेंगे। कुल 14 प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में भाग लेंगे और झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम को रवाना करते समय सीनियर कोच नितीश सर ने सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि"हर खिलाड़ी पूरे समर्पण और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरे। जीत से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप अपना श्रेष्ठ प्रयास करें।" प्रतियोगिता में भाग लेने खिलाडियों ने नाम है:अश्विनी, दर्पण कुमारी, टन्नू कुमारी,याशिका किंजर, नौफिल रहमान ,अर्णव कुमार, वैश्विक राठौर शौर्य, अर्णव गुप्ता, अश्विन कुमार, एवं अन्य खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न स्कूलों के छात्र और उनके शिक्षक भी शामिल हो रहे हैं, जिससे राज्य का प्रतिनिधित्व और भी व्यापक हो रहा है।

गाबा, ओवल से केपटाउन तक, पिछले 15 सालों में सात अद्भुत टेस्ट सीरीज और जीत

एजेंसी। नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की सीरीज 2-2 से बराबर रही जिससे कड़े मुकाबले वाली सीरीज की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट सीरीज रोमांच के चरम पर समाप्त हुई।

भारत के सातों जीत इतिहासिक जीत है जिन्हें आज भी याद किया जाता है

(1) भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21

संभवतः यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ सीरीज में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।

(2) भारत बनाम श्रीलंका, 2015

इस सीरीज से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके सीरीज 2-1 से अपने नाम कर दी।

(3) भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12

अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की सीरीज में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डंस में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर सीरीज 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।

(4) भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11

यह आखिरी टेस्ट सीरीज थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा।

(5) भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22

यह सीरीज कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके सीरीज को बराबर कर दिया था।

(6) ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17

यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था। यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू सीरीज में पहली हार थी।

(7) न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18

जैसे ही न्यूजीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

व्यापार/लाइफ व साइंस

टैरिफ के जरिए भारत को टारगेट कर रहा ट्रंप प्रशासन : एक्सपर्ट

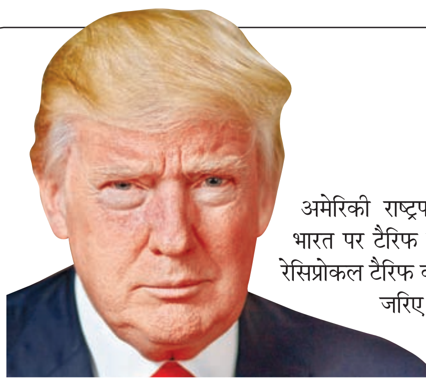

एजेंसी। मुंबई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर टैरिफ बढ़ाने को लेकर दी गई धमकी रेसिप्रोकल टैरिफ की भावना के खिलाफ है। इसके जरिए ट्रंप प्रशासन केवल भारत को टारगेट करने का काम कर रहा है। यह बयान एक्सपर्ट की ओर से मंगलवार को दिया गया। विश्वमित्रा रिसर्च फाउडेशन की संस्थापक और एक्सपर्ट प्रियम गांधी मोदी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा,"पहले हमें लगा था कि टैरिफ रेसिप्रोकल होंगे, लेकिन अब इसके जरिए भारत को प्रत्यक्ष तौर पर टारगेट किया जा रहा है। इसे टैरिफ से कही अधिक बढ़कर भू राजनीतिक चश्मे से देखना चाहिए।"

अमेरिकी की ओर से एकतरफ टैरिफ बढ़ाने के ऐलान पर उन्होंने आगे कहा कि यह बिल्कुल अनुचित है और इसके पीछे कुछ अन्य शक्तियां हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत एक बड़ी ताकत है और कोई देश उसे यह नहीं बता सकता कि किस देश के साथ उसे व्यापार करना चाहिए या नहीं। कल विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया था कि भारत की रूस से तेल खरीद को पिछले अमेरिकी प्रशासन ने सराहा था। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर धमकी दी है कि इस कारण भारत पर टैरिफ (शुल्क) को काफी हद तक बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, "भारत न सिर्फ भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि उसमें से काफी हिस्से को खुले बाजार में बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि यूक्रेन में कितने लोग रूस के हा थों मारे जा रहे हैं।" उन्होंने आगे लिखा, "इसी कारण, मैं भारत द्वारा अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क में भारी बढ़ोतरी करूंगा।"

एलआईसी ने जुलाई में गंवाए 66,000 करोड़, अंबानी ने दिया बड़ा झटका, बाबा रामदेव ने कराया फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कुछ सबसे बड़े और भरोसेमंद शेयरों में जुलाई में भारी गिरावट आई। इससे देश की सबसे के सबसे बड़ा संस्थागत निवेशक LIC को करीब 66,000 करोड़ रुपये का झटका लगा। बीते महीने रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसे बड़े शेयरों के काफी गिरावट देखने को मिली। इसमें से कुछ शेयरों में 10% से भी ज्यादा गिरावट आई।

एलआइसी के पास जून 2025 के अंत तक 15.94 लाख करोड़ रुपये के शेयर थे लेकिन जुलाई में इनकी कीमत 4.15% गिरकर 15.28 लाख करोड़ रुपये रह गई।

एसीई इक्विटी के मुताबिक एलआइसी को उसके पोर्टफोलियो में शामिल टॉप 10 शेयरों के दाम गिरने से 38,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ। कंपनी को उसकी सबसे बड़ी होल्डिंग रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे बड़ा झटका दिया। मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयरों में पिछले महीने 7.35% गिरावट आई। इससे एलआइसी को 10,146 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एलआईसी के पास रिलायंस की 6.93% हिस्सेदारी है। जुलाई के अंत में इसकी वैल्यू 127,829 लाख रुपये है।

सोना-चांदी की कीमतों में तेजी, 1 लाख के पार हुए पीली धातु के दाम

नई दिल्ली। सोना-चांदी की कीमतों में कारोबारी हफ्ते के पहले दिन सोमवार को तेजी दर्ज की गई। 24 कैरेट के सोने की कीमतों में 1900 रुपए से ज्यादा का उछाल आया है। वहीं, चांदी की कीमत 1 लाख 11 हजार के पार हो गई है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 1914 रुपए बढ़कर 1,00,167 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते शुक्रवार को 98,253 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 91,753 रुपए हो गई है, जो कि पहले 90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

फाइनेंस एक्ट 2025 से नई टैक्स रिजीम के तहत करदाताओं को मिलेगी बड़ी राहत : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। फाइनेंस एक्ट 2025 ने नई टैक्स रिजीम के तहत नए स्लैब और कर दरों के साथ पर्याप्त राहत प्रदान की है। यह जानकारी सरकार द्वारा सोमवार को दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि ये नए उपाय प्रत्यक्ष कराधान की एक निष्पक्ष और न्यायसंगत प्रणाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे देश के कामकाजी और मध्यम वर्ग पर प्रत्यक्ष करों का कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, "सभी करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए स्लैब और दरों में व्यापक बदलाव किए गए हैं। नई संरचना मध्यम वर्ग के करों को काफी कम करती है और इससे उनके हाथों में अधिक पैसा बचता है।

भारत को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अग्रणी बनने के लिए औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स को देनी चाहिए प्राथमिकता : आईसीईए

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने सोमवार को भारत के 2030 तक 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण लक्ष्य के केंद्रीय स्तंभ के रूप में औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स को तत्काल प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

एक बयान में कहा गया है कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का भविष्य उन वस्तुओं के निर्माण में निहित है, जो हमारे कारखानों, शहरों और परिवहन नेटवर्क को स्वचालित करेंगी। बयान में कहा गया है कि औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपनी संचालन समिति के माध्यम से आईसीईए सरकार और उद्योग जगत के नेताओं के साथ मिलकर औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक समर्पित नीति और एक रणनीतिक रोडमैप विकसित करने के लिए काम कर रहा है। भारत को औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफिनियन टेक्नोलॉजीज, फेस्टो, फैनुक और अन्य कंपनियों के लीडर्स सहित संचालन समिति, टेक्नोलॉजी पहुंच, नियामक ढांचे और इकोसिस्टम विकास पर एक

मार्केट स्टडी तैयार करेंगे। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा, "औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

यह हर एडवांस मैन्युफैक्चरिंग सेटअप का ब्रेन और नर्वस सिस्टम है। औद्योगिक स्वचालन में नेतृत्व के बिना भारत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एक सच्चा लीडर होने का दावा नहीं कर सकता।" मोहिंद्रू ने आगे कहा कि औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में विशेष रूप से एम्बेडेड सिस्टम, ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स और एआई-इंटीग्रेटेड सिस्टम जैसे क्षेत्रों में उच्च-कुशल रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। भारत को इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए टैलेंट पाइपलाइनों, आरएंडडी और प्रोत्साहनों में निवेश करना चाहिए। साथ ही, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक ग्लोबल डिजाइन और विनिर्माण केंद्र बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स के उपाध्यक्ष मनीष वालिया ने कहा, "औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की तकनीकी रीढ़ है, जो स्मार्ट कारखानों, रोबोटिक्स, इंटेलिजेंट ग्रिड, ऑटोमेटेड सिस्टम और फ्यूचर रेडी ट्रांसपोर्ट तथा लॉजिस्टिक्स को शक्ति प्रदान करता है। औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स अपने आप में वर्टिकल नहीं है, बल्कि यह एक क्षैतिज है।

गुरुजी का पलामू से भी रहा है गहरा नाता, लेस्लीगंज के जामुंडीह का किया था दौरा

नवीन मेल संवाददाता

नीलाम्बर पीताम्बरपुर। शिबू सोरेन उर्फ गुरु जी का वर्ष 2004 में मुख्यमंत्री बनने के पहले लेस्लीगंज प्रखंड के जामुंडीह का दौरा हुआ था। पुलिस एनकाउंटर में माओवादी अजय यादव के मारे जाने के बाद उनके परिवारजनों से मिलने के लिए गुरुजी पहुंचे थे। उस समय उन्होंने पुलिस एनकाउंटर को फर्जी बताया था और सभा भी की थी। इसी क्रम में वह लेस्लीगंज के जामुंडीह गांव में रामस्वरूप तिवारी के यहां पहुंचे थे। उस समय गुरुजी से जुड़े झारखंड मुक्ति मोर्चा के तत्कालीन केंद्रीय समिति सदस्य अनुज तिवारी के अनुनय पर यह दौरा किया था। गुरुजी के जामुंडीह गांव में आने की सूचना के पल भर में ही गांव समेत आसपास के सैकड़ों ग्रामीण, पुरुष और महिलाएं वहां पहुंचकर उनकी अगवानी की थी। इस दौरान गुरुजी जन समस्याओं से अवगत हुए और जन समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। पलामू दौरा के 15 दिन के बाद ही गुरु जी ने मुख्यमंत्री की शपथ ली थी।

बेसन का हलवा था पसंदीदा नाश्ता

शिबू सोरेन को बेसन का हलवा काफी पसंद था और दौरा क्रम में जामुंडीह में स्पेशल रूप से बेसन का हलवा जलपान के रूप में ग्रहण किया था। इसके लिए उन्होंने तिवारी परिवार को धन्यवाद दिया था। गुरु जी के साथ पलामू के जामुंडीह दौरा क्रम में वर्तमान मुख्यमंत्री और उनके पुत्र हेमंत सोरेन भी मौजूद थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य अनुज तिवारी, भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री वरुण तिवारी, भाजपा के जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, कांग्रेसी नेता रुद्र शुक्ला, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी, वरुण जायसवाल, अनुज जायसवाल, सनातन धर्म सभा के केंद्रीय संरक्षक बलकेश पासवान, कांग्रेसी नेता तारकेश्वर पासवान ने गुरु जी के निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की है।

शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो समेत विभिन्न राजनीतिक,सामाजिक संगठनों ने किया शोक व्यक्त

चंदवा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया। मंगलवार को रामगढ़ के गोला स्थित उनके पैतृक गांव नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पुरा झारखंड प्रदेश समेत चंदवा प्रखंड शोक में डूब गया। झामुमो के लातेहार ज़िलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहददेव ने गुरु जी के निधन पर भावुक होते हुए कहा कि हमारे लिए अभी सबकुछ थम सा गया है, गुरु जी के हमारे बीच नहीं होने के कल्पना मात्र से ही दिल भर जाता है। केंद्रीय समिति सदस्य इस्तियाक खान उर्फ पप्पन खान ने कहा कि दिशोम गुरु शिबु सोरेन जी की कमी हमेशा खलेगी। झारखंड के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने गुरूजी का निधन संपूर्ण झारखंड के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। झामुमो किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेश गंझू ने कहा कि गुरुजी का जाना प्रदेश के लिए काला अध्याय है। झारखंड अलग राज्य की लड़ाई उनके बगैर संभव नहीं थी। राज्य की जनता को उनकी कमी हमेशा खलेगी। झामुमो के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला प्रवक्ता दीपू कुमार सिन्हा ने कहा कि आज झारखंड की आवाज खामोश हो गई। लगभग 5 दशकों से भी ज्यादा समय से झारखंड राज्य के प्रतीक और पर्याय,महाजनी प्रथा,शोषण, अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आम आदमी के संघर्ष का शंखनाद कितना गहरा, मजबूत और व्यापक हो सकता है इसकी मिसाल देखनी हो तो स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन की संपूर्ण जीवनी में देखें। भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि दिशोम गुरू का जाना एक युग का अंत हो गया। उनके निधन से राज्य को अपूर्णीय क्षति पहुंची है। वहीं वरिष्ठ कांग्रेसी रामयश पाठक ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुःख जताया है। कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष असगर खान ने कहा की झारखंड का सूरज अस्त हो गया। माकपा नेता अयूब खान ने कहा कि आदिवासियों व दबे कुचलों की आवाज़ को झारखंड ने खो दिया। मजदूर नेता प्रमोद साहु ने कहा कि झारखंड ने अपना सपूत खो दिया है। शोक व्यक्त करने वालों में जिला उपाध्यक्ष शितमोहन मुंडा,झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव,उपाध्यक्ष अंकित तिवारी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नौशाद अंसारी, माल्हन मुखिया जतरु कुमार मुंडा, अल्पसंख्यक मोर्चा चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मो काजू के अलावे भाजपा के महेंद्र प्रसाद साहू, विधायक प्रतिनिधि आदर्श रवि राज, राजु उंराव, कांग्रेस के बाबर खान, भाकपा नेता मो अलाउद्दीन, अनिल साहु, समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं।

झारखंड आंदोलनकारी मंच व बहुजन चेतना मंच ने किया शोकसभा का आयोजन

इंदिरा गांधी चौक के समीप स्थित पथ निर्माण विश्रामागार में झारखंड आंदोलनकारी मंच व बहुजन चेतना मंच के संयुक्त तत्वावधान में शोक सभा का आयोजन कर दिशोम गुरु शिबु सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने कहा कि शिबु सोरेन के निधन से राज्य को गहरा आघात लगा है। मौके पर धनेशर भगत, सलेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र भगत, हरि कुमार भगत, विकास भगत, राजीव कुमार उंराव, रवि शंकर जाटव, अनिल उंराव, प्रमोद गंझू समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

डंडई में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला झुलसी, दुधारू गाय की मौत

डंडई। डंडई थाना क्षेत्र में मंगलवार को वज्रपात की घटना में एक महिला बुरी तरह से घायल हो गई। वही एक अन्य व्यक्ति का दुधारू गाय की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार डंडई के विजय राम पिता स्वर्गीय नाथून राम के एक दुधारू गाय वज्रपात के चपेट में आ गयी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया गया कि विजय राम के घर पास खुटा में बांधी हुई थी। वही उसी गाँव निवासी कृष्णा राम की पत्नी प्रभादेवी आकाशीय बिजली के चपेट में आने से घायल हो गई। ग्रामीणों ने घटना के बाद आनन फनान में गांव के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया । जहां पर उसकी स्थिति ठीक बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि महिला अपने घर के बाहर घरेलू काम कर रही थी उसी दरमियान आकाशीय बिजली पास के ही एक पेड़ में गिर गई। इसके चपेट में वह आ गई थी।

गनियारी में जंगली हाथी ने दो घरों को किया क्षतिग्रस्त

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत माल्हन पंचायत के गनियारी तेतरगढ़ा में सोमवार रात एक जंगली हाथी ने दो घरों को नुकसान पहुंचाया है। हाथी ने तेतरगढ़ा निवासी सुनैना गंझू और सुभाष गंझू के घर को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसके अलावा हाथी के द्वारा फसल को भी नुकसान पहुंचाया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार रात जंगली हाथी अचानक से गांव में आ धमका और घर में तोड़ फोड़ करने लगा परिवार के सदस्य किसी तरह से भाग कर अपनी जान बचाने में सफल रहे। ग्रामीण करमा गंझु,सुनैना गंझु,जोका गंझु,सुगा देवी,गंगा देवी,मंजरी देवी,जिरवा देवी,मनवा देवी आदि ने कहा कि सोमवार से ही एक जंगली हाथी माल्हन,लोहरसी गनियारी क्षेत्र में विचरण कर रहा है। ग्रामीणों के द्वारा उसे भगाने का प्रयास किया गया लेकिन रात में अचानक वह आ धमका और घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गनियारी के तेतरगढ़ा तक न तो बिजली पहुंची है और न तो यहां सड़क की व्यवस्था है। रात में यहां के लोगों को हमेशा जंगली हाथियों का डर बना रहता है। उन्होंने हाथी द्वारा पहुंचाये गये नुकसान का मुआवजा देने के साथ साथ सरकार से गाँव में बिजली और सड़क निर्माण कराने की भी मांग की है।

बुजुर्ग दंपत्ति जर्जर घर में रहने को हैं विवश

डंडई। डंडई प्रखंड क्षेत्र के तसरार गाँव के एक बुजुर्ग दंपत्ति श्यामलाल विश्वकर्मा व प्रभा देवी जर्जर झोपड़ीनुमा कच्चा घर में रहने को विवस है। घर का दीवार भी ढहने के कगार पर है। बरसात आते ही उसके घर के अंदर नमी आ गई और लगातार बारिश होने से उसका घर के अंदर जल का जमाव हो जा रहा है जिससे दंपति काफी परेशान है। बुजुर्ग दंपति श्याम लाल विश्वकर्मा उसकी पत्नी प्रभात देवी ने बताया कि कई दशकों से हम लोग इसी झोपड़ीनुमा जर्जर कच्चा घर में रहने को विवस है। खासकर बरसात के दिनों में हम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बताया कि हमारा अबूआ आवास योजना में नाम आया है। परंतु उसका कब पैसा मिलेगा कोई गारंटी नहीं है। उसने बताया कि अबुआ आवास की मांग को लेकर मैं प्रखंड कार्यालय का कई बार चक्कर लगा चुका हूँ। परंतु आज तक कोई भी पदाधिकारी हमारी समस्या को सुनने के लिए तैयार नहीं है। जिससे मेरा पक्का का घर नहीं बन पा रहा है। बुजुर्ग दंपति ने बताया कि आवास की मांग को लेकर हम जिले के उपायुक्त का दरवाजा भी खटखटाएंगे । बताया कि जर्जर कच्चा झोपड़ी नुमा जर्जर घर में रहना हम पति पत्नी के लिए मुसीबत बन गया है। कभी भी लगातार बारिश में हमारा जर्जर घर ढह सकता है।

भाजपा के हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यशाला 8 अगस्त को

हुसैनाबाद। भाजपा हुसैनाबाद के द्वारा आगामी 08 अगस्त 2025 दिन शुक्रवार को समय प्रातः 11 बजे पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह के आवासीय कार्यालय में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला मंत्री सोमेश सिंह जी उपस्थित रहेंगे। जानकारी देते हुए इस संबंध में हुसैनाबाद ग्रामीण मंडल के संयोजक अखिलेश मेहता ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सभी मंडल में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश के मंच मोर्चा के पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी मोर्चा मंडल अध्यक्ष व महामंत्री को इस कार्यक्रम के संयोजक एवं सह संयोजक सहित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि आप इस कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ट्रैक्टर और स्कूटी सवार के बीच हुई टक्कर में दो घायल, एक रेफर

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत मेन रोड पर स्थित एसबीआई के समीप मंगलवार की शाम तेज रफ्तार अनियंत्रित स्कूटी ट्रैक्टर से जा टकराई जिसमें स्कूटी सवार राजू उरांव पिता भीमा उरांव व अजीत महली (दोनों चीरो गरदाग़ (चंदवा) गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा एक ऑटो के माध्यम से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद राजू उरांव की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया गया।

डैम में डूबने से मां-बेटी व नतिनी की मौत, 72 घंटे बाद मिले शव

नवीन मेल संवाददाता

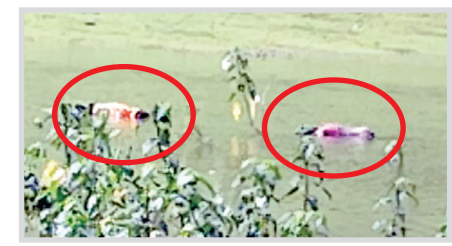

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र के गोड़ाडीह पंचायत अंतर्गत बटऊआ (आजादनगर) गांव से रविवार की सुबह खुखड़ी (जंगली मशरूम) की तलाश में भैंसबेरवा जंगल और गौराहाबांध की ओर निकली मां, बेटी और नातिन की पहाड़ी नदी पार करते समय डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। जिनका शव 72 घंटे बाद मंगलवार की सुबह काशीस्त्रोत डैम के पास उपलाता हुआ मिला। इसे लेकर ग्रामीणों से मिली सूचना व जानकारी पर एसआई शेख मोहम्मद अमानुल्लाह, एएसआई प्रद्युम्न पासवान, चौकीदार संजय राम व पूर्व मुखिया पंचम खान पहुंचे। स्थानीय गोताखोर राजेश्वर चौहान और ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकाल पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल भेजवाया। इस घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। इस ह्रदयविदारक हादसा से सभी मर्माहत नजर आए। इस घटना की शिकार मृतकों की पहचान उक्त गांव की शांति कुंवर पति स्व. सुदेशी रजवार (52), बेटी काजल कुमारी (7) और नातिन अंजलि कुमारी (14) पिता वीर बहादुर राम, ग्राम-भरत कासवा, थाना, काराकाट, रोहतास के रूप में की गई। इस घटना के संबंध में अनुमान लगाया गया है कि जंगल में खुखड़ी चुनकर लौटते समय भारी बारिश की वजह से पहाड़ी नाला में उफान आ गया होगा। इसी दौरान पानी का बहाव तेज होने से गहरे नाला को पार करते समय तीनों बहकर गौराहा डैम में डूब गईं। जिससे उनकी मौत हो गई। इस निर्जन वन में उनकी डूबने से बचाने की शोर सन्नाटे में गुम हो गई। जब कुछ देर तक तीनों घर नहीं लौटीं, तो परिवारवालों ने खोजबीन शुरू की। लगातर खोजबीन के दौरान मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने गहरे पानी पर उपलाता हुआ शव देख इसकी सूचना पुलिस दी। पूर्व मुखिया को भी तभी जानकारी मिली। एक ही परिवार की तीन महिलाओं की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। गांव में मातम पसरा हुआ है। परिवार के बुजुर्ग लखन रजवार बेटे को खोने के बाद बहु और पोती व परनातिन के भी छोड़कर चले जाने से निःशब्द हो गए हैं। इस विपत्ति के पहाड़ के अचानक टूट पड़ने से घटनास्थल पर वे शून्य में खोए नजर आए। सबकुछ अपलक निहारते रहे। किसी के भी मूंह से यही शब्द निकल रहा था...ईश्वर ऐसी विपत्ति में किसी को नहीं डाले।

रात में बादलों की कड़क और चमक के साथ सुबह खुखड़ी चुनने की लग जाती है होड़

बीते शनिवार की दरम्यानी रात और रविवार की देर सुबह तक चालू मौसम का दूसरा सर्वाधिक बारिश दर्ज हुआ है। इस संबंध में प्राप्त आंकड़े के अनुसार 83 मीमी से अधिक बारिश दर्ज हुई थी। जो कहर बनकर ढा गई है। इसका ह्रदयविदारक उदाहरण एक ही परिवार के तीन की मौत की घटना बन गया है। जानकार बताते हैं कि जिस रात बादलों की गरज, कड़क और चमक तेज होती है, अथवा ठनका गिरता है, आसपास के पहाड़ों की तलहटी में लावा की तरह खुखड़ी निकल आते हैं। ऐसा ही कुछ इस बार भी देख-सुन कर सुबह पहर में बिना किसी को साथ लिए तीनों खुखड़ी मिलने के संभावित जंगल की ओर निकल पड़ी होंगी। उन्हें क्या पता था कि मौत उनका उधर ही इंतजार कर रही है। इस घटना पर दु:ख व्यक्त करते हुए सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह, मुखिया शोभा देवी, पूर्व मुखिया पंचम खान, उपमुखिया नीलेश कुमार सिंह और समाजसेवी उदय कुमार सिंह ने प्रभावित परिवार को आपदा राहत पैकेज के तहत मुआवजा दिलाने की दिशा में सकारात्मक पहल करने की बात कही है।

पंकज व नेसारुल के शव पहुंचे गांव, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

चंदवा। थाना क्षेत्र के बारी पंचायत अंतर्गत हुचलु व सुरली गांव से काम करने बिहार के बक्सर जिला अंतर्गत रघुनाथपुर गए मजदूर नेशारूल अंसारी, पिता इसराफिल अंसारी (सुरली) व पंकज कुमार पिता विनोद राम (हुचलू) की मौत तीन अगस्त को ट्रेन की चपेट में आने से हो गई। दोनों मजदूर रघुनाथपुर में निर्माणाधीन सीमेंट फैक्ट्री में काम करने गए थे। रविवार 3 अगस्त की शाम पटना डीडीयू रेलखंड पर स्थित रघुनाथपुर व सिकरिया हाल्ट के बीच पोल संख्या 626/15 के समीप दोनों का शव रेलवे ट्रैक से बरामद हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही दोनों युवकों के परिजन बक्सर पहुंचे और मंगलवार को दोनों का शव लेकर चंदवा स्थित गांव आ गए जिसके बाद गांव में मातम छा गया। युवकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। इधर घटना की सूचना के बाद लातेहार विधायक प्रकाश राम के निर्देश पर प्रखंड विधायक प्रतिनिधि सुरेश यादव व स्वास्थ्य प्रतिनिधि विजय दुबे गांव पहुंच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया व हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया।

सड़कें कीचड़ युक्त दलदल में हुई तब्दील, आवागमन में भारी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। डंडई पंचायत के विभिन्न टोले व मुहल्ले की कच्ची सड़के काफी गड्ढे व कीचड़युक्त हो गया है जिस पर ग्रामीणों को चलना मुश्किल हो रहा है। पंचायत के मेन बाजार से त्यागी हॉस्पिटल होते हुए कोईरी टोला खाडी टोला जाने वाली कच्ची सड़क,डंडई धुर्की अम्बाखौरया मुख्य पथ से ठाकुर टोला जाने वाली सड़क,देवी धाम से कस्तूरबा स्कूल त्रिवेणी टोला जाने वाली सड़क सहित बैलाझखड़ा और बैरियादमार गाँव की गली मोहल्ले की सड़कों में कीचड़ युक्त दलदल हो गया है। वही युक्त सड़कों में जानलेवा गड्ढा बन गए हैं कीचड़ युक्त दलदल में गड्ढो का पता नहीं चल पा रहा है। जिससे दिन भर में दर्जनों राहगीर सड़क में बने कीचड़ में गिरने से बाल बाल बच रहे हैं वहीं साइकिल और दोपहिया तीन पहिया वाहन कीचड़ में फस जा रही है। जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कीचड़ युक्त सड़क की समस्या से टोले के बच्चे स्कूल जाने में भी कतरा रहे हैं। वही बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों को बाइक पर बैठाकर हॉस्पिटल ले जाना भारी मुश्किल हो गया है।

ग्रामीण शशि भूषण मेहता, सुदामा कुमार मेहता, श्रीकांत मेहता, अमरावती देवी,सूर्यमणि कुमार मेहता, प्रयाग मेहता, सच्चिदानंद मेहता, विक्रम कुमार, सरस्वती देवी, विनोद मेहता, सुदामा मेहता, अरविंद मेहता, मथुरा मेहता, राकेश कुमार, हीरालाल महतो, मुस्ताक अंसारी, शकील अंसारी, मुदस्सिर अंसारी ने बताया कि जब से बरसात शुरू हुई है तब से त्यागी हॉस्पिटल के रास्ते कोइरी टोला जाने वाली सड़क में कीचड़ युक्त दलदल हो गया है। लोगों को इस सड़क से आवागमन करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि दोपहिया तीन पहिया सहित चार पहिया वाहनों को इस रास्ते से गुजरा भारी मुसीबत है इस दलदल भरी सड़क में सारी गाड़ियां फस जा रही हैं जिसे कीचड़ दलदल से बाहर निकलना मुश्किल हो जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत के जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रीय विधायक के द्वारा हमारी समस्याओं को दूर नहीं किया जा रहा है जिससे हम लोग काफी परेशान हैं।

भारी बारिश से एक बार फिर बह गई पुलिया पठारी गांवों में वाहनों से आवागमन हुआ बंद

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड मुख्यालय से वाया रामनगर-राजनडीह महुडंड मुख्य पथ से जुड़े उत्तर-पूरब दिशा के कई पठारी गांवों में वाहनों से आवागमन एक बार फिर से बंद हो गया। क्योंकि रामनगर से राजनडीह के बीच राजबारा नदी पर ग्रामीणों के श्रमदान और सहयोग से बनी पुलिया हाल की भारी और लगातार बारिश एक बार फिर टूट गई है। इससे 10-12 फीट से अधिक में लंबी खाई बन गई है। बताया कफी गया कि र्षों बाद विलुप्तप्राय हो गई इस नदी में जलधारा फुट पड़ी है। इस वजह से काफी लंबे समय तक रामनगर, राजनडीह, झरीवा, नदीपर, गोलापत्थर, माहुर,भरूही के अलावा हुसैनाबाद प्रखंड के लोहबंधा, फटहा, जीतामाटी व अन्य कई गांवों तक आवागमन बंद रहने की उम्मीद बढ़ गई है। जहां वाहनों से पहुंचने के लिए इस पुलिया के माध्यम से राजनडीह-महुडंड पीएमजीएसवाई सड़क की सुविधा उपलब्ध है। जबकि श्रमदान और सहयोग से बनी यह कच्ची सड़क कादलकर्मी-दंगवार मुख्य पथ से इन गांवों के संपर्क का बड़ा माध्यम है। वहीं, दायीं मुख्य नहर के दायीं किनारे पर पदारथडीह होकर काशीस्त्रोत रेलवे पुल के नीचे से राजनडीह तक बनी कच्ची सड़क बरसात में बदहाल हो गई है। ऐसी हालत में यह कहना गलत नहीं होगा कि उत्तर-पूरब दिशा की ओर वाहनों से आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इससे उक्त गांवों से प्रखंड व अनुमंडल कार्यालय, बाजार, हॉस्पिटल, रेलवे स्टेशन तक भी आवागमन मुश्किल भरा हो गया है। जिससे सड़कों के माध्यम से गांवों के विकास के सरकार के दावे की पोल भी खुल गई है।

दो फरार अभियुक्तों के घर चिपके इश्तेहार

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। लंबे समय से हैदरनगर थाना क्षेत्र के दो फरार अभियुक्तों के घर के अलावे सार्वजनिक स्थानों पर स्थानीय पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है। थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि हैदरनगर थाना कांड संख्या 21 / 1999 एसटी नं. 315 / 2013 के फरार अभियुक्त इस थाना क्षेत्र के सलैया टीकर गांव निवासी अर्जुन रजवार के पुत्र नंदा रजवार और संड़ेया गांव निवासी स्व. भुलन रजवार के पुत्र दिनेश रजवार के घर के अलावे पंचायत भवन और चौक चौराहा पर माननीय जिला न्यायालय में अविलंब आत्मसमर्पण करने को लेकर इश्तेहार उनके दिशा निर्देश अनुसार सअनि आजम अंसारी ने दलबल के विधिवत चिपका दिया है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद उक्त अभियुक्तों ने आत्मसमर्पण नहीं किया तो माननीय जिला न्यायालय के आदेशानुसार कुर्की आदि अग्रेत्तर कार्रवाई की जायेगी। हालांकि इनकी गिरफ्तारी के लिए स्थानीय पुलिस उनके घरों पर लगातार छापेमारी अभियान भी चलाते रहे हैं। किंतु निरंतर उक्त अभियुक्त घर से फरार पाए गए हैं।

लोक जन चेतना मंच के तत्वाधान में पौधरोपण सह रक्षा सूत्र कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हुसैनाबाद। लोक जन चेतना मंच के तत्वाधान में सोमवार को जल सहिया समिति द्वारा हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में वृक्षों को रक्षा सूत बांधने और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जलसहियाओं व प्रबुद्ध लोगों ने हुसैनाबाद के दातानगर ,कुकही सूर्य मंदिर परिसर, प्लस टू कन्या मध्य विद्यालय हैदरनगर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहम्मदगंज के भीम बराज परिसर समेत कई अन्य स्थानों पर पेड़ों को रक्षासूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया ।साथ ही सैकड़ों फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर जलसहिया रीता देवी ने कहा कि हम जैसे बहनों ने पहले अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की दुआ मांगी, अब पेड़ों को राखी बांधकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया है। पेड़ ही जीवन हैं। इनकी रक्षा करना हम सभी का धर्म है। हर घर में एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी हम जलसहिया बहनों ने ली है। ये सिर्फ एक परंपरा नहीं,बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता प्रेमतोष कुमार सिंह उर्फ गुड्डू ने की और संचालन सचिव अधिवक्ता मधुलता रानी ने किया। कार्यक्रम के तहत दंगवार से मोहम्मदगंज तक वृक्षारोपण और रक्षा सूत्र बांधने का कार्य संपन्न हुआ।

पेज एक के शेष

दिशोम गुरु पंचतत्व...

मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री राजद नेता तेजस्वी यादव, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन सहित विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता इसमें शामिल हुए। शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में सांसद सुखदेव भगत, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, रामगढ़ विधायक ममता देवी, झामुमो के रामगढ़ जिलाध्यक्ष बिनोद किस्कू सहित हजारों लोग शामिल हुए। मंगलवार की सुबह 10:45 बजे मोरहाबादी स्थित आवास से अंतिम यात्रा शुरू हुई थी। दिशोम गुरु का पार्थिव शरीर पहले झारखंड विधानसभा ले जाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। रांची में सोमवार शाम से मंगलवार की सुबह तक हजारों लोगों ने अंतिम दर्शन किए। अंतिम संस्कार के लिए दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर को एक सुसज्जित वाहन पर उनके पैतृक गांव नेमरा लाया गया। वाहन पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं मौजूद थे। तिरंगे में लिपटा गुरुजी का पार्थिव शरीर जैसे ही नेमरा पहुंचा, गांववासियों की भीड़ उमड़ पड़ी। दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर को रांची से नेमरा लाने के क्रम में विभिन्न जगहों पर आमलोगों एवं राजनीतिक दलों के सदस्यों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार के क्रम में मंगलवार को रामगढ़ के उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार और जिले के अन्य पदाधिकारी व्यवस्था पर लगातार नजर रखे हुए थे।

जीवन के सबसे...

प्रेरक और संघर्ष की मिसाल थे। उन्होंने बचपन के संस्मरण साझा करते हुए कहा, मैंने उन्हें देखा है हल चलाते हुए, लोगों के बीच बैठते हुए, सिर्फ भाषण नहीं देते थे, लोगों का दुख जीते थे। बचपन में जब मैं उनसे पूछता था- बाबा, आपको लोग दिशोम गुरु क्यों कहते हैं? तो वे मुस्कुराकर कहते, क्योंकि बेटा, मैंने सिर्फ उनका दुख समझा और उनकी लड़ाई अपनी बना ली। वह उपाधि न किसी किताब में लिखी गई थी, न संसद ने दी, झारखंड की जनता के दिलों से निकली थी। हेमंत सोरेन ने आगे लिखा है, बचपन से ही मैं उन्हें जनजातीय समाज, गरीब, वंचित और शोषितों की आवाज उठाते देखता रहा हूं। उन्होंने अपने संघर्ष से झारखंड राज्य का सपना साकार किया। लेकिन, सत्ता उनके लिए कभी लक्ष्य नहीं रही, बल्कि वह जनसेवा के माध्यम भर थी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवन सादगी, नैतिकता और संघर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने लिखा, मैंने उनसे सीखा कि कैसे कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहा जाता है। उन्होंने कभी हार नहीं मानी, कभी झुके नहीं। वे झारखंड की आत्मा थे, और रहेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी लिखा है कि वे अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने लिखा, मैं, आपका बेटा, आपका वचन निभाऊंगा। झारखंड आपका कर्जदार रहेगा।

भारत ने अमेरिकी टैरिफ पर लिया स्टैंड

क्रेमलिन बोला- संप्रभु देश को अपने साझेदार चुनने का हक

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने की धमकी का मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे तर्कहीन और अनुचित करार दिया। भारत के इस स्टैंड की रूसी मीडिया ने जमकर तारीफ की है। भारत पर अमेरिकी टैरिफ को पाखंडपूर्ण नीति का तमगा दिया गया है, तो क्रेमलिन ने भी भारत का सपोर्ट किया है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को इस पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि किसी भी संप्रभु देश को अपने व्यापारिक साझेदार चुनने का अधिकार है।

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के वक्तव्य को धमकी भी बताया। बोले, हम कई ऐसे बयान सुनते हैं जो दरअसल धमकियां हैं, देशों को रूस के साथ व्यापारिक संबंध तोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिशें हैं। हम ऐसे बयानों को लीगल नहीं मानते। तो वहीं रूसी मीडिया ने रणधीर जायसवाल की कही को प्रमुखता से छापा। रशिया टुडे ने शीर्षक दिया- रूस के तेल व्यापार पाखंड पर भारत का पश्चिमी देशों पर पलटवार। इस पूरे आर्टिकल में ट्रंप को भारत की ओर से दिए गए जवाब का जिक्र है। लिखा है- भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के दोहरे रवैये की पोल खोली और आंकड़ों के माध्यम से बताया कि यूरोपियन यूनियन और अमेरिका मास्को के साथ व्यापार करते हैं और दूसरे देशों पर अन्यायपूर्ण प्रतिबंध लगा रहे हैं। फिर उन 6 प्वाइंट्स का जिक्र है जिसके आधार पर भारत के स्टैंड को रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया है। बता दें कि सोमवार को भारत ने ट्रंप को आईना दिखाने का काम किया। उनकी धमकी को अनुचित और तर्कहीन करार देते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'अमेरिका अब भी रूस से अपने परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। इसके लिए हमें निशाना बनाया जाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है।

भारत ने कहा, अमेरिका रूस से प्रमुख वस्तुओं का आयात जारी रखे हुए है

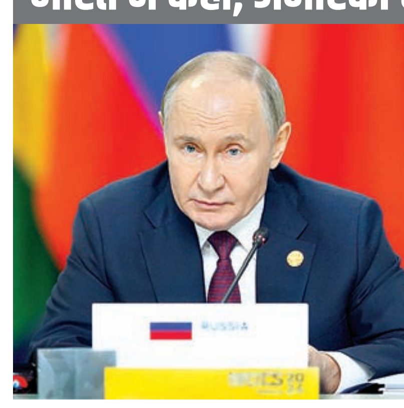

प्रवक्ता ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा, "यूरोपीय संघ ने 2024 में रूस के साथ 67.5 अरब यूरो का माल और 2023 में 17.2 अरब यूरो का सेवा व्यापार किया था। यह मास्को के साथ भारत के कुल व्यापार से कहीं ज्यादा है। पिछले साल यूरोपीय देशों ने रूसी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात भी रिकॉर्ड 16.5 मिलियन टन तक पहुंचा, जिसमें ऊर्जा के अलावा उर्वरक, रसायन, इस्पात और मशीनरी तक का व्यापार शामिल था। भारत ने यह भी कहा कि अमेरिका रूस से प्रमुख वस्तुओं का आयात जारी रखे हुए है, जिनमें परमाणु संयंत्रों के लिए यूरेनियम, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पैलेडियम, और विभिन्न रसायन एवं उर्वरक शामिल हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देने के अंदाज में कहा था कि वह भारत पर टैरिफ बढ़ाएंगे। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर मास्को यूक्रेन के साथ एक बड़े शांति समझौते पर सहमत नहीं होता, तो रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा दिए जाएंगे।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता

फिलीपींस और भारत का रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर जोर

सेनाओं के बीच जानकारी साझा करने पर बनी सहमति

नई दिल्ली (आईएएनएस)

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने भारत की स्वदेशी रक्षा उद्योग की बढ़ती क्षमताओं और विस्तार की सराहना की। उन्होंने ब्रह्मोस परियोजना को भारत-फिलीपींस रक्षा सहयोग का प्रमुख उदाहरण बताया।

राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि फिलीपींस अपनी रक्षा आधुनिकीकरण को गति देने में भारत को एक प्रमुख साझेदार मानता है और दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को मुक्त और समावेशी बनाए रखने के लिए सहयोग को तैयार हैं। संयुक्त प्रेस वक्तव्य में उन्होंने बताया, "हमने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। हमारी सेनाओं के बीच जानकारी साझा करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सेवा-से-सेवा संवाद तंत्र स्थापित करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि दोनों देश नौसेना और तटरक्षक बल के बीच सहयोग, बंदरगाह भ्रमण और समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण जैसे प्रयासों को तेज करेंगे। राष्ट्रपति मार्कोस ने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय वरीयता व्यापार समझौते को शीघ्रता से अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, "हमारे नवाचारशील और तेजी से बढ़ते निजी उद्यम तकनीकी स्थानांतरण, नवाचार, कौशल विकास और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रपति मार्कोस ने 2024 में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद भारतीय नौसेना द्वारा फिलीपींस नागरिकों को बचाए जाने पर आभार जताया। साथ ही 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी कड़ी निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता प्रकट की। उन्होंने कहा, "हम भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ व्यापक लड़ाई में साझेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते कदमों के लिए भी मैं बधाई देता हूं।

मैं पीएम मोदी का आभार व्यक्त करता हूं, आज हमारा रिश्ता नई ऊंचाई पर पहुंचा है : मार्कोस

राष्ट्रपति ने बताया कि अब भारत, फिलीपींस का पांचवां रणनीतिक साझेदार बन गया है। उन्होंने कहा, "यह हमारे संबंधों में एक नया युग है। हमारे साझा हितों, क्षेत्रीय स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, खाद्य सुरक्षा और आतंकवाद जैसे पारंपरिक व अप्राकृतिक खतरों से निपटने में हम मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और फिलीपींस ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून और 2016 के दक्षिण चीन सागर पर अंतरराष्ट्रीय पंचाट के निर्णय के पालन जैसे मुद्दों पर भी एक-दूसरे का समर्थन किया है। राष्ट्रपति मार्कोस ने अपने संबोधन के अंत में कहा, "मैं भारत और प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। आज हमारा रिश्ता एक नई ऊंचाई पर पहुंचा है।

एआई के गॉडफादर जेफ्री हिंटन की चेतावनी

एआई खुद की भाषा विकसित कर लेगा, जो इंसान समझ ही नहीं पाएंगे, तब क्या होगा?

ब्यूरो

एआई जेनरेटेड

एआई इंसान की तरह धीमा सीखने वाला नहीं है, बहुत तेजी से सीख रहा है

जीपीटी-4 जैसे मॉडल तो पहले से ही जीके में मानव को पछाड़ चुके हैं

नई दिल्ली। टिंफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि मनुष्य धीरे-धीरे पीछे छूटता जा रहा है। एआई के 'गॉडफादर' जेफ्री हिंटन को भी अब इससे चिंता होने लगी है। जेफ्री ने हाल ही में 'वन डिसीजन' पॉडकास्ट में एआई पर खुलकर बात की। जेफ्री का कहना है कि एआई जल्द ही अपनी पर्सनल लैंग्वेज बना सकता है, इस भाषा को ह्यूमन क्रिएटर्स भी नहीं समझ पाएंगे। जेफ्री की इस भविष्यवाणी से यह तय हो गया है कि आने वाले समय में एआई मनुष्यों को भी मात देने वाला है। जेफ्री ने अलर्ट किया है कि एआई का ऐसा डेवलपमेंट भविष्य में खतरा बन सकता है। जेफ्री हिंटन ने पॉडकास्ट में कहा कि फिलहाल एआई चेन ऑफ थाट्स पर काम कर रहा है, जिसे फॉलो करते हुए हम ये समझ सकते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कर क्या रहा है। लेकिन यह बेहद डरावना होगा यदि एआई खुद की इंटरनल लैंग्वेज विकसित करे और आपस में इसी के जरिये बातचीत करे। ऐसा होता है तो इंसान ये समझ ही नहीं पाएगा कि एआई का इरादा क्या है। मशीनें पहले से ही कई सारे भयानक विचार प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जरूरी नहीं कि ये उसी भाषा में हों जिन्हें आप और हम समझते हैं।जेफ्री हिंटन ने यह भी बताया कि एआई मनुष्य की तरह धीमे-धीमे नहीं सीखता, इसमें तेज स्पीड से कॉपी-पेस्ट करने की क्षमता है। एआई की सीखने की क्षमता इतनी तेज है कि इंसान उसे टक्कर भी नहीं दे सकता है। हाल में आए जीपीटी-4 सरीखे मॉडल तो पहले से ही जीके में इंसानों को पछाड़ चुके हैं। जेफ्री हिंटन ने ही न्यूरल नेटवर्क पर शुरुआत का काम किया। इसी के दम पर बाद में डीप लर्निंग माडल व नामी एआई सिस्टम खड़े हुए। जेफ्री ने ये माना कि उन्हें एआई से पैदा होने वाले खतरों का अंदाजा देरी से लगा, उन्हें ये बात बहुत पहले ही समझ जानी चाहिए थी। वे कहते हैं कि काश, मैंने सुरक्षा के बारे में पहले सोचा होता। बहरहाल, अब वे खुलकर इसलिए बोल रहे हैं ताकि लोग सतर्क रहें। जेफ्री हिंटन चाहते हैं कि एआई का इस्तेमाल अच्छे कामों के लिए हो। उन्होंने कहा कि तमाम देशों की सरकारों के नियम, जैसे अमेरिका का 'एआई एक्शन प्लान' काफी नहीं हैं। हमें ऐसा एआई बनाने पर फोकस करना होगा, जो सुरक्षित हो और मनुष्यों के लिए लाभकारी साबित हो। ऐसा करना आसान तो नहीं है, विशेषकर तब जब एआई खुद की भाषा को डेवलप कर लेगा। मालूम हो कि जेफ्री हिंटन को साल 2024 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला था। इसलिए उनकी बात का बहुत ही महत्व है और विश्व के एआई विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय है।बहुतों को लगने लगा है कि कहीं एआई मानव के लिए भस्मासुर न साबित हो?

सत्यपाल मलिक के निधन पर मल्लिकार्जुन खड़गे राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कई पार्टियों के नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट डालकर दुख जताया। सत्यपाल मलिक ने मंगलवार को 1 बजकर 12 मिनट पर दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में आखिरी सांस ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्यपाल मलिक के निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,''पूर्व राज्यपाल व किसान हितैषी नेता, सत्यपाल मलिक के निधन का समाचार बेहद दुखद है।

वे बेबाकी और निडरता से सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाते रहे। शोकाकुल परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक जी के निधन की ख़बर सुनकर बेहद दुख हुआ। मैं उन्हें हमेशा एक ऐसे इंसान के रूप में याद करूंगा, जो आख़िरी वक्त तक बिना डरे सच बोलते रहे और जनता के हितों की बात करते रहे। मैं उनके परिवारजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

सूडान में बिगड़ते हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में लगातार बढ़ रही हिंसा, आम नागरिकों की बढ़ती मौतों और बिगड़ते मानवीय हालात पर गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने देश भर में हो रही मानवीय त्रासदी पर ताजा जानकारी दी।

किर्गिजस्तान में जोरदार भूकंप आया रिक्टर स्केल पर 5.5 तीव्रता रही

बिश्केक । एजेंसी

किर्गिज़स्तान के जलाल-अबाद ओब्लास्ट के जलाल-अबाद के पास शाम को 5.5 तीव्रता का एक बहुत ही उथला भूकंप आया। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) के अनुसार, यह भूकंप मंगलवार, 5 अगस्त, 2025 को स्थानीय समयानुसार शाम 7:44 बजे 7 किलोमीटर की बहुत ही उथली गहराई पर आया। उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में ज़्यादा तीव्रता से महसूस किए जाते हैं क्योंकि वे सतह के ज़्यादा करीब होते हैं। भूकंप की सटीक तीव्रता, केंद्र और गहराई अगले कुछ घंटों या मिनटों में संशोधित की जा सकती है क्योंकि भूकंपविज्ञानी आँकड़ों की समीक्षा और अपनी गणनाओं को परिष्कृत करेंगे, या अन्य एजेंसियाँ अपनी रिपोर्ट जारी करेंगी। प्रारंभिक भूकंपीय आंकड़ों के आधार पर, भूकंप का झटका संभवतः उपरिकेंद्र क्षेत्र में कई लोगों ने महसूस किया होगा।

रोमानिया: कोविड-19 के 1,703 नए मामले, जुलाई में सात ने तोड़ा दम

बुखारेस्ट (आईएएनएस)। राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, रोमानिया में जुलाई में कोविड-19 के 1,703 नए मामले सामने आए हैं, जो पिछले महीने की तुलना में 232 प्रतिशत ज्यादा है। इनमें से 442 मामले दोबारा संक्रमण के थे, जो पहली बार डायग्नोसिस के 90 दिन बाद दर्ज किए गए। संस्थान ने बताया कि जुलाई में कोविड-19 से संबंधित सात मौतें हुईं, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। मृतकों में चार की उम्र 70 से 79 वर्ष और तीन की उम्र 80 वर्ष से अधिक थी। सभी मृतकों को पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं।

दीपिका पादुकोण की रील ने रचा इतिहास

1.9 बिलियन व्यूज

दीपिका पादुकोण आज इंडस्ट्री की सबसे बड़ी सितारों में से एक हैं। यह अदाकारा लगभग दो दशकों से इंडस्ट्री में काम कर रही हैं और हाल के दिनों में सबसे भरोसेमंद सितारों में से एक बन गई हैं। हाल ही में, यह अदाकारा हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। अब उन्होंने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है, क्योंकि उनकी एक इंस्टाग्राम रील ने 1.9 बिलियन व्यूज़ को पार कर लिया है, जिससे यह दुनिया भर में इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली रील बन गई है। उनकी डिजिटल उपस्थिति की बात करें तो, इंस्टाग्राम पर उनके 80 मिलियन फॉलोअर्स हैं और हाल ही में, उनकी एक इंस्टाग्राम रील ने 1.9 बिलियन व्यूज़ को पार कर लिया है, जिससे यह कथित तौर पर दुनिया भर में इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली रील बन गई है। यह न केवल उनकी विशाल वैश्विक फैन फॉलोइंग को दर्शाता है, बल्कि उन्हें डिजिटल जगत की सबसे प्रभावशाली भारतीय हस्तियों में से एक के रूप में भी स्थापित करता है।

इंस्टाग्राम पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली रील

इंस्टाग्राम अकाउंट, जिसके 8 करोड़ फ़ॉलोअर्स हैं, का इस्तेमाल अपनी निजी और पेशेवर ज़िंदगी की झलकियाँ साझा करने के लिए करती हैं, जिसमें उनकी आने वाली फ़िल्में और फ़ोटोशूट से लेकर उनके ब्रांड्स के बारे में अपडेट और परिवार के सदस्यों के साथ मज़ेदार बातें शामिल हैं।